ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार नहीं किए जाने पर सचिव को दी चेतावनी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 27 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |*| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-178

18वीं लोकसभा के अध्यक्ष का चयन बिना मतदान सम्पन्न

ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिए गए ओम बिरला

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुनने के लिए चुनाव कराने की जरूरत नहीं पड़ी, ध्वनिमत से ही भाजपा सांसद एवं एनडीए के प्रत्याशी ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष चुन लिए गए। ओम बिरला के पक्ष में पर्याप्त समर्थन देखते हुए प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने मत विभाजन अर्थात चुनाव कराने की आवश्यकता नहीं समझी। कांग्रेस ने इस मौके पर भी राजनीति नहीं छोड़ी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए मत विभाजन की मांग नहीं की। जयराम रमेश सहयोग का भाव रखने की बात कहते रहे। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन इस मामले में सर्वसम्मति और सहयोग की भावना के साथ काम करना चाहता था। इंडी के घटक दल मत विभाजन पर जोर डाल सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि वे सहमति और सहयोग की भावना के आधार पर मत विभाजन करने के पक्ष में नहीं थे। इसके विपरीत इंडी गठबंधन में शामिल तृणमूल कांग्रेस ने प्रोटेम स्पीकर द्वारा मत विभाजन नहीं कराए जाने को लेकर सवाल उठाए।

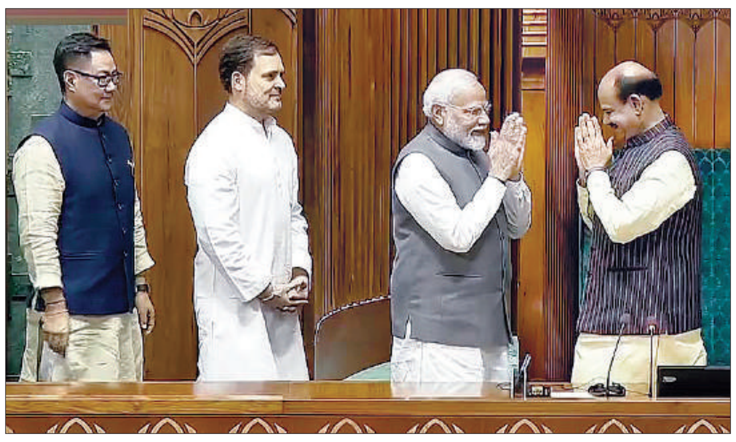

- **दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुना जाना ऐतिहासिक है : मोदी**
- **व्यक्तिगत रूप से और पूरे विपक्ष की तरफ से बधाई : राहुल**
- **विपक्ष की ओर से मत विभाजन की मांग नहीं की गई : रमेश**
- **कई विपक्षी सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की थी: टीएमसी**

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि प्रोटेम स्पीकर ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान की अनुमति नहीं दी। जबकि विपक्षी सांसदों ने मत विभाजन की मांग की थी। बनर्जी ने संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नियमों के अनुसार एक सदस्य द्वारा मांग किए जाने पर भी मत विभाजन की अनुमति दी जानी चाहिए। नियम कहता है कि अगर सदन का कोई सदस्य मत विभाजन की मांग करता है तो प्रोटेम स्पीकर को इसकी अनुमति देनी होगी। टीएमसी नेता ने कहा, आप लोकसभा के फुटेज से देख और सुन सकते हैं कि विपक्ष के कई सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने दावा किया कि विपक्ष के कम से कम आठ सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की थी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि विपक्षी दलों ने मत विभाजन का दबाव नहीं बनाया और स्पीकर पद के लिए चुनाव न कराने की परंपरा को बनाए रखा। राउत ने कहा, यह एक प्रतीकात्मक प्रतियोगिता थी। हमने परंपरा का पालन किया और चुनाव नहीं होने दिया। लेकिन हमने संदेश दिया कि एक मजबूत विपक्ष और एक मजबूत नेता प्रतिपक्ष है।

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष ने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं बनाया, क्योंकि उनके पास संख्या बल की कमी है। पासवान ने कहा, राजग मजबूत है। ▶10 पर

आपातकाल की निंदा का प्रस्ताव लोकसभा में पारित

आपातकाल का दौर इतिहास का काला धब्बा है : बिरला

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष का पद संभालने के बाद ओम बिरला ने प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सदन के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। लोकसभा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में आपातकाल की निंदा की। कल (25 जून को) ही पूरे देश में आपातकाल की बरसी पर काला दिवस मनाया गया था। लोकसभा अध्यक्ष के भाषण के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और सदन के सभी सदस्यों को मुझे फिर से सदन के अध्यक्ष के रूप में दायित्व निर्वहन करने का अवसर देने के लिए सबका आभार व्यक्त करता हूं। मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए भी मैं सभी का आभारी हूं। यह 18वीं लोकसभा लोकतंत्र का विश्व का सबसे बड़ा उत्सव है। अन्य चुनौतियों के बावजूद 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ चुनाव में भाग लिया। मैं सदन की ओर से उनका और देश की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। निष्पक्ष, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया संचालित करने के लिए और दूर-दराज के क्षेत्रों में भी एक भी वोट पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा किए गए प्रयासों के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। पिछले एक दशक में लोगों की अपेक्षाएं, आशाएं और आकांक्षाएं बढ़ी हैं। इसलिए, यह हमारा दायित्व बनता है कि उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए हम सामूहिक प्रयास करें।

आज लोकसभा में आपातकाल पर पेश किए गए प्रस्ताव पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, ये सदन 1975 में देश में आपातकाल

- **हम संविधान को सुरक्षित-संरक्षित रखने के लिए दृढ़**
- **विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में रखा गया मौन**

(इमरजेंसी) लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसके साथ ही हम, उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सराहना करते हैं, जिन्होंने आपातकाल का पुरजोर विरोध किया, अभूतपूर्व संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया।

आपातकाल को इतिहास का काला धब्बा बताए जाने पर कांग्रेस और विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। मगर ओम बिरला ने बोलना जारी रखा। उन्होंने कहा, भारत के इतिहास में 25 जून 1975 के उस दिन को हमेशा एक काले अध्याय के रूप में जाना जाएगा। इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई और बाबा साहब अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर प्रचंड प्रहार किया था। भारत की पहचान पूरी दुनिया में लोकतंत्र की जननी के तौर पर है। ▶10 पर

संसद में दूसरे देश का जयकारा लगाने के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)।

संसद में फिलिस्तीन जिंदाबाद का नारा लगाने वाले एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिकायत की गई है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने दूसरे राष्ट्र के प्रति आस्था दिखाने के कारण ओवैसी की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की है। ओवैसी ने लोकसभा में शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन के नारे लगाए थे, जिसे बाद में कार्रवाई के रिकॉर्ड से बाहर कर दिया गया था ।

वकील हरिशंकर जैन ने असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ इस मामले में राष्ट्रपति से संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 के तहत शिकायत की है। जैन ने ओवैसी की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की है। ऐसी ही एक शिकायत एक और वकील विभोर आनंद ने भी लोकसभा सचिवालय से की है।

संविधान के अनुच्छेद 102 में वह स्थितियां बताई गई हैं, जिनके अंतर्गत किसी संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अनुच्छेद 102 के भाग घ में लिखा है कि ऐसे संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है जो भारत का नागरिक नहीं है या उसने किसी दूसरे राष्ट्र की नागरिकता ले ली है। ▶10 पर

नीट-यूजी पेपर लीक कांड की सीबीआई जांच जारी

एनटीए प्रमुख समेत दस अधिकारी भी संदेह के घेरे में

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। मेडिकल में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में अनियमितता के मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और उसके प्रमुख प्रदीप कुमार जोशी समेत 10 अधिकारी भी संदेह के दायरे में आ गए हैं। मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न आउटसोर्सिंग कंपनियों के अधिकारियों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

सीबीआई के रडार पर जोशी के अलावा मुख्य तकनीकी अधिकारी अमरनाथ मिश्र और वरिष्ठ परीक्षा निदेशक साधना पराशर भी हैं। इनके साथ ही परीक्षा परिणाम व छात्रों के डाटा सुरक्षित रखने वाले और परीक्षा अधीक्षकों को प्रश्नपत्र के सेट खोलने की जानकारी देने वाले अधिकारी देवव्रत, प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका की सुरक्षा, प्रश्नपत्र को शहर व जिले के बैंकों के स्ट्रांग रूम से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए जिम्मेदार अधिकारी भी सीबीआई की निगाह में हैं। सीबीआई परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न आउटसोर्सिंग कंपनियों के अधिकारियों की भी जानकारी जुटा रही है। एनटीए ने पिछले कुछ समय में बड़ी आउटसोर्सिंग कंपनियां बदलीं। हर बार इस पर सवाल उठता था, पर कामकाज की बात बोलकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता था। 2023 में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) से आउटसोर्स का काम लेकर आईटी कंपनी ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बेसिल) को दे दिया गया था। इस फैसले पर सवाल उठे थे। ▶10 पर

डोडा में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकी मारे, ऑपरेशन जारी

डोडा, 26 जून (ब्यूरो)।

जम्मू संभाग के जिला डोडा में गंदोह के पास बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गए। गोलीबारी के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। जवान को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। यह इलाका घने जंगल और पहाड़ से घिरा हुआ है। यहां तेज बारिश हो रही है। इसी बीच ऑपरेशन चल रहा है।

डोडा में पिछले कुछ दिनों से लगातार आतंकियों की तलाश में तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी बीच कई बार अलग-अलग जगहों पर संदिग्ध देखे जाने की भी सूचना मिल रही थी, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लग पा रही थी। आज मुठभेड़ स्थल क्षेत्र में फिर संदिग्ध देखे जाने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने गोलीबारी की, जिसके जवाब में मुठभेड़ शुरू हो गई।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने डोडा मुठभेड़ को लेकर जानकारी साझी की है। सेना ने इसे ऑपरेशन लागोर नाम दिया है। सेना ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान भद्रवाह सेक्टर के गंडोह में शुरू किया गया है। ▶10 पर

इंटरनेशनल डाटा कॉरपोरेशन की रिपोर्ट

एआई क्षेत्र में 2027 तक होगा 6 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उद्योग तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। देश एआई और जनरेटिव एआई (जे-नएआई) के जरिए होने वाले परिवर्तनों का गवाह बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एआई को अपनाने की रफ्तार को देखते हुए देश में 2027 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर 6 अरब डॉलर का निवेश होने की उम्मीद है। इंटरनेशनल डाटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एआई पर होने वाला निवेश 2022 से 2027 के बीच हर साल 33.7 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ेगा। वहीं, दुनियाभर में एआई पर निवेश 2027 तक बढ़कर 512 अरब डॉलर ▶10 पर

शेयर मार्केट

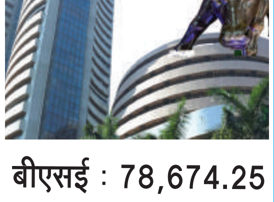

बीएसई : 78,674.25
+620.73 +0.80% ↑

एनएसई :23,868.80
147.50 (0.62%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,350/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 88,940/- (प्रति किलोग्राम)

जहां किया था मोपला नरसंहार, वहीं बसाना चाह रहे मालाबार

खून से सनी जमीन पर बनाएंगे इस्लामिक प्रदेश!

तिरुअनंतपुरम, 26 जून (एजेंसियां)। केरल का मालाबार क्षेत्र एक बार फिर चर्चा में है। धर्म के आधार पर इस्लामी संगठन इसे अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे हैं। इन संगठनों की नजर इस क्षेत्र पर इसलिए है क्योंकि यहां मुस्लिमों की संख्या अधिक है। उनकी मानसिकता समझने के लिए एक सदी पहले हुए मोपला हिंदू नरसंहार के बारे में जानना जरूरी है।

मोपला हिंदू नरंसहार के बारे में इतिहास की किताबों में कम जिक्र है। इसकी वजह वामपंथी लेखक हैं। उनके द्वारा लिखे गए इतिहास में इसे किसान विद्रोह बता कर असलियत को लीपापोता गया। जबकि हकीकत यह है कि यह एक हिंदू नरसंहार था। मोपला के मुस्लिमों ने हिंदुओं को पकड़-पकड़कर निर्मम ढंग से मारा था। पुरानी रिपोर्ट्स बताती हैं कि 1921 में दक्षिण मालाबार में कई जिलों में मुस्लिमों की जनसंख्या सबसे ज्यादा थी। कुल जनसंख्या का वो 60 प्रतिशत थे।

आज जिस तरीके से मुस्लिम बहुलता के कारण मालाबार को लेकर इस्लामी संगठन अपनी अलग राज्य की मांग उठा रहे हैं, उस समय भी इस्लामी कट्टरपंथियों की यही मानसिकता थी। 1921 में जब असहयोग आंदोलन के बदले कांग्रेस खिलाफत आंदोलन को समर्थन कर रही थी और हिंदुओं को उनके साथ मिलकर रहने को कहा जा रहा था उस वक्त मालाबार के मोपला मुस्लिमों को लगा था कि वो लोग खुद से अंग्रेजों को भगा देंगे और मालाबार क्षेत्र में अपना इस्लामी राज्य स्थापित कर लेंगे, लेकिन उससे पहले उनका मकसद था कि वो जमीन से हिंदुओं को भगाकर उसे पवित्र करें।

मालाबार को अलग राज्य बनाने की मांग को हवा देने वाले सुन्नी युवाजन संगम के नेता मुस्तफा मुंडुपारा

मोपला मुस्लिमों ने 1896 से मालाबार क्षेत्र में काफिरों की हत्या की तमाम घटनाओं को अंजाम दिया था। मगर, 1921 में हालात ऐसी कर दी गई कि इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा 10,000 से अधिक हिंदू मौत के घाट उतारे गए। उस समय मुस्लिमों ने अपने जेहाद की शुरुआत नारा-ए-तकबीर और अल्लाहु अकबर के साथ की थी और उसके बाद हिंदुओं को पकड़कर कहीं गोली मारी गई तो कहीं हिंदुओं की गर्दनें काट कर उनकी खोपड़ियों को एक-एक करके कुएं में फेंका गया। कुछ घटनाओं का जिक्र तो आज भी आत्मा सिहरा देता है। मोपला में इस्लामी दंगाइयों ने एक 7 महीने की गर्भवती महिला को मारने के लिए पहले उसका पेट फाड़ा था, फिर उसका बच्चा निकालकर दोनों को मौत के घाट उतारा था। इसके अलावा इन मोपला दंगाई जिन्हें वामपंथीस इतिहासकारों ने विद्रोही कहकर सम्मान देने का प्रयास किया, उन्होंने हिंदू महिलाओं के साथ उनके पतियों और भाइयों के सामने बलात्कार किया और उनकी नृशंस हत्या की।

इतिहास विशेषज्ञ बताते हैं कि टीपू सुल्तान की हार के बाद मालाबार में हिंदुओं की वापसी हुई थी। हिंदू वहां आकर बसने लगे और अपनी जमीनें वापस लेने लगे। इसके बाद ही वहां नरसंहार शुरू हो गया था। 1792 से लेकर 1921 तक वहां कई बड़े नरसंहार हुए जिनमें मुस्लिमों द्वारा हिंदुओं पर हमले किए गए मगर इतिहास में इसे सिर्फ किसान आंदोलन आदि कहा जाता रहा और हिंदुओं की हत्या करने वालों को स्वतंत्रता संग्रामी। मोपला हिंदू नरसंहार में जिन मुस्लिम आक्रांताओं ने हिंदुओं के साथ रक्तपात किया, बर्बरता की, हत्याएं कीं उन्हीं के परिवार वालों (वंशजों) को अभी भी पेंशन इस नाम पर दी जा रही है कि वो स्वतंत्रता सेनानी थे। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 22^0

ट्रेड फेयर के लिए कपड़ा मंत्री को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन बेंगलूरु द्वारा निर्धारित तीन दिवसीय ट्रेड फेयर के लिए मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद एस पाटिल को आमत्रित किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी व सचिव रविंद्र बंबोली ने पाटिल से उनके सरकारी कार्यालय पर मुलाकात कर आगामी 16 जुलाई से कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले ट्रेड फेयर में आने के लिए आमंत्रित किया।

मुलाकात के दौरान एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने पाटिल से कपड़ा मार्केट के बारे में विस्तृत चर्चा कर जानकारी ली।

इस मौके पर एसोसिएशन के पदाधिकारीगण मौजूद रहे। पाटिल ने ट्रेड फेयर मे आने का आश्वासन दिया।

विसर्जन दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में गणाधिपति गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस विसर्जन दिवस पर तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा तेरापंथ भवन विजयनगर में मौलिकता रहे सुरक्षित, परिवर्तन सदा अपेक्षित विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ।

तत्पश्चात बहनों ने गुरुदेव तुलसी की स्मृति में जप किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका पूर्व अध्यक्ष कुसुम डांगी एवं कांता लोढ़ा ने निभाई। कुसुम ने सभी को प्रतियोगिता के नियम समझाएं तथा कांता ने विषय पर प्रस्तुति देते हुए कहा समय के साथ परिवर्तन आवश्यक है। किंतु संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए परिवर्तन अपनाएं। निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली में गुरुदेव के अवदानों को याद करते हुए कहा जब युग अणु बम बना रहा था तब गुरुदेव ने विश्व शांति को ध्यान में रखते हुए अणुव्रत आंदोलन का सूत्रपात किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए गुरुदेव के विभिन्न अवदानों को याद करते हुए बताया कि किस प्रकार गुरुदेव तुलसी ने समय की मांग को देखते हुए मूल मर्यादाओं को सर्वोपरि रखते हुए संघ में अनेक क्षेत्र में नए-नए कार्य किए। अणुव्रत आंदोलन हो, नारी जागृति हो, साध्वियों में शिक्षा का विकास हो, देश विदेश में जैन धर्म के प्रचार के लिए समण श्रेणी की स्थापना की, जन-जन तक जैन ग्रंथ की जानकारी पहुंचाने के लिए आगम संपादन का कार्य, जैसे अनेक कार्य संघ की प्रगति के लिए किये। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही रेखा छाजेड़, द्वितीय स्थान पर रही मुस्कान घोषल एवं तृतीय स्थान नीतिका श्रीश्रीमाल ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने किया तथा आभार ज्ञापन मंत्री दीपिका गोखरू ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में मंडल के सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी बहनों के साथ लगभग 40 लोगों की उपस्थिति रही।

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में सैंकड़ों हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चामराजपेट स्थित श्री महा-वीरस्वामी वर्षितप चैरिटेबल ट्रस्ट एवं डॉ राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमान गढ के तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर में अब तक करीब 200 से अधिक मरीजों ने प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लिया है। चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ टी.के. चौधरी अपनी टीम के साथ विभिन्न रोगों के बारे में परामर्श दे रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ टी.के चौधरी ने बताया कि शिविर में रोगी को करीब छह दिन तक एक्युप्रेशर चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा दी जाती है। जिससे उन्हें रोगों में बहुत लाभ होता है तथा उसके बाद रोगियों को एक्युप्रेशर चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। संस्था के अध्यक्ष महावीर मेहता ने बताया कि छह दिवसीय एक्युप्रेशर शिविर का शुभारंभ मंगलवार को शुरू हुआ और इसका समापन 29 जून को होगा। इस कार्यक्रम में महावीर श्रीश्रीमाल, गजेंद्र चन्दावत, विकास पालरेचा, सन्तोष चौहान, धनपत मेहता आदि मौजूद रहे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री रामा आंजनैया कला संघ द्वारा नंदिनी लेआउट में पौराणिक नाटक कृष्ण संधाना का मंचन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रंगभूमि कलाकारों को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम दर्शकों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं।*

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** राजस्थान परिषद ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में कमलेश, भरत डूंगरवाल के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम का प्रारंभ पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ किया। लगभग 300 लोगों ने अन्नदान का लाभ लिया। परिषद की ओर से प्रायोजक भरत महिमा डूंगरवाल, मंत्री विनय बैद, सह-मंत्री रणजीत राखेचा उपस्थित रहे। संयोजक दीपक गोठी एवं कोषाध्यक्ष पंकज बैद का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।*

वन मंत्री ने किया नवनिर्मित तेंदुआ सफारी का उद्घाटन

बाघ सफारी, शेर सफारी और भालू सफारी शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बन्नेरघट्टा पार्क में नवनिर्मित तेंदुआ सफारी का उद्घाटन किया, जिसमें बाघ सफारी, शेर सफारी और भालू सफारी हैं। यह दक्षिण भारत की पहली और देश की सबसे बड़ी लेपर्ड सफारी है। वर्तमान में 8 तेंदुओं को खुले वन क्षेत्र में सफारी के लिए छोड़ा गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह इस पार्क का एक और आकर्षण है और पर्यटकों और आगंतुकों को आकर्षित करेगा। इस चीता सफारी क्षेत्र में प्राकृतिक चट्टानें और अर्ध-पर्णपाती वन हैं। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुसार, 20 हेक्टेयर क्षेत्र का सीमांकन किया गया है और रेलवे बैरिकेड लगाया गया है। कुल 4.5 करोड़ की लागत पर सुरक्षित रहने के लिए डिजाइन किया गया। उन्होंने बताया कि इस पूरे क्षेत्र में 4.5 मीटर ऊंचा वर्टिकल चेन लिंक नेट लगाया गया है और 30 डिग्री ढलान के कोण पर 1.5 मीटर ऊंची एमएस शीट लगाकर तेंदुओं को बाहर आने से रोकने का ख्याल रखा गया है। बन्नेरघट्टा पहाड़ी पहाड़ियों से घिरा हुआ है जो तेंदुओं के लिए एक अच्छा निवास स्थान है। इसीलिए यहां बड़ी संख्या में तेंदुए हैं। इनमें से जब मादा चीता खेत-खलिहानों में बच्चों को जन्म देती है तो ऐसे शावकों को बगीचे में लाकर पाला जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि पार्क में फिलहाल 14 तेंदुए हैं। उन्होंने स्वागत मेहराब का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर कर्नाटक चिड़ियाघर प्राधिकरण के सदस्य सचिव डॉ. सुनील पंवार, कार्यकारी निदेशक, बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान ए.वी. सूर्यसेन आदि मौजूद रहे। वन, जीव विज्ञान एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वरा खंड्रे ने कहा कि राज्य के चिड़ियाघर जंगली जानवरों की देखभाल के लिए जाने जाते हैं और इसे ज्ञान का मंदिर भी बनना चाहिए। खंड्रे ने कहा कि जो लोग बायोलॉजिकल पार्क आते हैं वे वन्य जीवन को देखकर खुश होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यहां लोगों को कम से कम 10 प्रकार के पेड़ों के बारे में बताकर उन्हें जागरूक किया जाना चाहिए। चिड़ियाघर में आने वाले हर व्यक्ति को जीवनदायी पेड़ों के महत्व के बारे में बताएं और उन्हें एक पौधा खरीदकर अपने घर के सामने लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करें। जिस प्रकार किसानों को रियायती दर पर पौधे दिये जाते हैं, उसी प्रकार चिड़ियाघर में आने वाले दर्शकों को भी रियायती दर पर पौधे दिये जाने के निर्देश दिये। बन्नेरघट्टा में वेदा नाम की मादा हाथी ने 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस पर एक बच्चे को जन्म दिया और भारत की आजादी के दिन पैदा हुई इस हथिनी का नाम स्वराज रखा गया। ईश्वर खंड्रे ने पट्टिका का अनावरण किया और हाथी का नाम स्वराज रखा।

बन्नेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में 26 हाथी हैं और यहां हर साल 2 से 3 शावक पैदा होते हैं। आज इन शिशु हाथियों के लिए एक दूध देने वाले केंद्र का भी उद्घाटन किया गया। पार्क में पैदा हुए हाथियों के बच्चों में से, लगभग 3 साल के शावकों को दूध छुड़ाने के लिए उनकी मां से अलग कर दिया जाता है और महावतों के साथ बांध दिया जाता है।

ईश्वर खंड्रे ने कहा कि शिशु हाथियों को एक लागत-पुनर्निर्मित स्तनपान केंद्र में स्थानांतरित कर दिया जाएगा जहां महावत और कावड़िए शिशु हाथियों के लिए चौबीसों घंटे विशेष देखभाल प्रदान करेंगे। केंद्र में शिशु हाथियों की निगरानी के लिए मौजूदा हाथी भवन के शीर्ष पर शिशु हाथियों की मुक्त आवाजाही के लिए एक छोटा क्राल और कावड़ियों के लिए एक कमरा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि आज इस केंद्र का भी उद्घाटन किया गया।

बटरफ्लाई पार्क में शिशु देखभाल कक्ष

बन्नेरघट्टा पार्क में आने वाले पर्यटकों में महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं भी शामिल हैं। इसलिए, शिशुओं, छोटे बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए यहां एक शिशु देखभाल कक्ष भी बनाया गया है। ईश्वर खंड्रे ने कहा कि अगले साल दिसंबर तक यहां दो और शिशु देखभाल कक्ष का निर्माण किया जाएगा। बन्नेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में स्काईवॉक और पांच पशु बाड़ों के लिए आज भूमि पूजन किया गया। 1974 से बन्नेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क इसे और अधिक आकर्षक बनाते हुए पर्यटकों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान कर रहा है। इसी पृष्ठभूमि में चिड़ियाघर को तितली पार्क से जोड़ने के लिए एक स्काईवॉक डिजाइन किया गया है और इस स्काईवॉक पर चलने वाले पर्यटकों को जंगल का नजारा भी देखने को मिलेगा।

तीन और उपमुख्यमंत्रियों के बारे में कांग्रेस हाईकमान का फैसला अंतिम : सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तीन और उपमुख्यमंत्रियों के पद सृजित करने की मांग फिर से उठने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि यह फैसला कांग्रेस हाईकमान को करना है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा हाईकमान जो भी फैसला करेगा, वह अंतिम होगा। कुछ मंत्री इस बात की पैरवी कर रहे हैं कि वीरशैव-लिंगायत, एससी/एसटी और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री का पद दिया जाए। वर्तमान में, केपीसीसी प्रमुख डी.के. शिवकुमार, वोक्कालिगा समुदाय के सदस्य, सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार में एकमात्र उपमुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग मानता है कि मंत्रियों द्वारा तीन और उपमुख्यमंत्रियों की मांग वाला बयान, सिद्धरामैया के वफादारों की रणनीति का हिस्सा है, ताकि शिवकुमार को नियंत्रण में रखा जा सके, क्योंकि ऐसी चर्चाएं हैं कि वे इस सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री का पद मांग सकते हैं, तथा सरकार और पार्टी दोनों में उनके प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना, आवास मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान, लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली और मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले कुछ अन्य लोगों ने तीन और उपमुख्यमंत्रियों की मांग उठाई। जारकीहोली केंद्रीय नेताओं से मिलने और राज्य सरकार में और उपमुख्यमंत्रियों के लिए अपना पक्ष रखने के लिए दिल्ली भी गए।

बच्चों को चुराने और उन्हें बेचने के एक व्यवस्थित नेटवर्क का चला पता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तुमकुरु जिले की पुलिस ने बच्चों को चुराने और उन्हें बांझ दंपतियों को बेचने के एक व्यवस्थित नेटवर्क का पता लगाने के बाद सरकारी और निजी अस्पतालों के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इस विशाल नेटवर्क में, यूडी महेश, जो अनुबंध के आधार पर कुनिगल सरकारी अस्पताल में एएनएम के रूप में काम कर रहे हैं, चिक्कनैकनहल्ली तालुक से मेहबूब शरीफ, गुब्बी तालुक के चिक्कगुड्डा गांव से केएन रामकृष्ण, तुमकुरु, नागमंगला के भारती नगर से हनुमंताराजू शामिल थे। मुबारक पाशा, जो मेलों में टैटू लिखता है, पूर्णिमा, जो डोडेरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में काम करती है, को शिरा नगर के सौजन्य से गिरफ्तार किया गया। पिछले 9 जून को महादेवी का 11 महीने का बेटा उस समय चोरी हो गया जब वह गुब्बी नगर में चन्नबसवेश्वर मंदिर के पास सो रही थीं।

शिकायत के आधार पर गुब्बी पुलिस ने तकनीकी सहायता के आधार पर बच्चा चुराने वाले रामकृष्ण और हनुमंत को गिरफ्तार कर लिया। आगे पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि उन्होंने बच्चे को बेलूर क्रॉस के मुबारक को 1.75 लाख रुपये में बेच दिया था। पता चला कि यह नेटवर्क अविवाहित लड़कियों के गर्भवती होने का पता लगाता था, उन्हें पैसे का लालच देता था और प्रसव के बाद बच्चा प्राप्त कर बेच देता था। यह निःसंतान दम्पतियों को 2 से 3 लाख रूपये में दिया जाता है। आरोपियों ने अब तक 9 बच्चों को बेचा है और ऑपरेशन करने वाली पुलिस ने 5 बच्चों को बचाया है। एक बच्चे की मौत हो गई और दूसरे को माता-पिता को लौटा दिया गया। बचाए गए 5 बच्चों में से 4 बच्चों को आरोपियों ने कल्याण केंद्र के कहने पर फर्जी दस्तावेज बनाकर बेच दिया था। हाल ही में बेलगावी जिले के कित्तूर में एक बाल तस्करी नेटवर्क का पता चला था। अब जब गृह मंत्री के गृह जिले में ऐसा नेटवर्क मिला है तो चिंता बढ़ गई है।

महाप्रयाण दिवस को विसर्जन दिवस के रूप में मनाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार हासन तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आचार्य श्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस को विसर्जन दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ बहनों की प्रेरणा गीत से हुआ। कार्यक्रम का कार्यभार समर्पिता ग्रुप का था। समर्पिता ग्रुप की लीडर संतोष भंसाली ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का विषय मौलिकता रहे सुरक्षित, परिवर्तन सदा अपेक्षित था। अध्यक्षा कौशल्या तातेड़ ने सभी का स्वागत करने के साथ गणाधिपति पूज्य गुरुदेव तुलसी के जीवन पर प्रकाश डाला। संतोष एन भंसाली, वर्षा सोनीगरा, जयंती सुराणा, प्रेमलता गुलगुलिया, कांता गोलछा, कविता गादिया आदि बहनों ने अलग-अलग गीत की प्रस्तुति दी। सपना सुर-ाणा ने सुंदर कविता प्रस्तुत की। सज्जू बरलोटा और दमयंती गादिया ने मौलिकता रहे सुरक्षित परिवर्तन सदा अपेक्षित विषय पर छोटा सा स्किट किया। रीटा तातेड़ ने अनुव्रत के नियमों की जानकारी दी। मंत्री पिंकी गुलगुलिया ने संचालन करने के साथ ही विसर्जन दिवस पर बहनों को पदार्थों का विसर्जन, अहम् एवं कषायों का विसर्जन करने की प्रेरणा दी। साथ ही 24 जून को आचार्य श्री तुलसी के अवदानों से बहनों को प्रेरित किया। आचार्य तुलसी के अनुशासित, वात्सल्य रूपी जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में संगीता एस कोठारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सबका आभार ज्ञापित किया। अंत में वर्षा सोनीगरा और रीटा तातेड़ ने बहनों को रोचक गेम्स खेलाए। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री पिंकी गुलगुलिया ने किया।

कोर्ट ने प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामले में आरोपी प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका बुधवार को बेंगलूरु कोर्ट ने खारिज कर दी। हासन से जेडीएस के पूर्व सांसद 33 वर्षीय प्रज्वल रेवन्ना फिलहाल विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में हैं, जिसका गठन उनके कथित यौन अपराधों की जांच के लिए किया गया था। इस साल की शुरुआत में राजनीतिक विवाद तब शुरू हुआ जब लोकसभा चुनाव से पहले प्रज्वल रेवन्ना के कथित तौर पर कई अश्लील क्लिप लीक हो गए। इसके बाद वह देश छोड़कर जर्मनी चले गए। प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलूरु एयरपोर्ट पर वापस आते ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

प्रज्वल रेवन्ना को मौके पर पूछताछ के लिए होलेनरसीपुर लाया गया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई ताजा शिकायत के आधार पर विशेष जांच दल (एसआईटी) बुधवार को पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मौके पर पूछताछ के लिए होलेनरसीपुर कस्बे में उनके घर चेन्नम्बिका निवास लेकर पहुंची। प्रज्वल रेवन्ना न्यायिक हिरासत में थे। यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक महिला की ताजा शिकायत के बाद एसआईटी ने चार दिन की पुलिस हिरासत मांगी और उसे दे दी गई। इसके अनुसार, प्रज्वल को मौके पर पूछताछ के लिए होलेनरसीपुर में लाया गया। हासन एएसपी थम्मैया, एसआईटी अधिकारी पूछताछ के समय मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि प्रज्वल को उनके खिलाफ दर्ज पिछले यौन शोषण मामलों में मौके

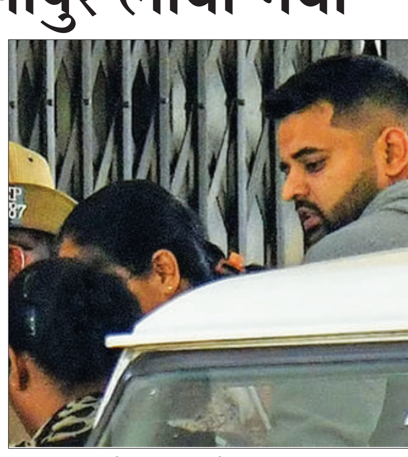

पर पूछताछ के लिए पहले ही हासन स्थित सरकारी आवास पर लाया जा चुका है।

कर्नाटक खान पर्यावरण पुनर्वास परियोजना मामला

सीएम ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार नहीं किए जाने पर सचिव को दी चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कर्नाटक खान पर्यावरण पुनर्वास परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार नहीं किए जाने पर अपनी अधीरता व्यक्त करते हुए विभाग के सचिव को गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने विधान सौधा में आयोजित कर्नाटक खान पर्यावरण पुनर्वास निगम की प्रगति समीक्षा बैठक में आदेश दिया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट अगले एक सप्ताह के भीतर पूरी कर अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की जानी चाहिए। कर्नाटक खान पर्यावरण पुनर्वास निगम के तहत खनन क्षेत्र पुनर्वास परियोजना सीईपीएमआईजेड के लिए 24,996.30 करोड़ प्रदान किया। यह पैसा बेल्लारी, विजयनगर, चित्रदुर्ग और तुमकुरु जिलों में खर्च किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली समिति ने 7,978.78 करोड़ की कुल 358

परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसमें से कुल 3469.41 करोड़ व्यय की 182 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। 135 परियोजनाओं के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं और 47 कार्यों के लिए शासनादेश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि विभिन्न संस्थाओं को 23 कार्य सौंपे गये हैं। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि परियोजनाओं के समय पर और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संबंधित विभाग में एक परियोजना निगरानी इकाई स्थापित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने एक साल बाद भी डीपीआर की कमी पर सचिवों को आड़े हाथों लेते हुए चेतावनी दी कि वह अधिकारियों के विलंबित रवैये को सहन नहीं करेंगे। यह एक विशेष कार्यक्रम है और इसमें निविदा की सामान्य शर्तें लागू नहीं होती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि टेंडर में निगम को ठेकेदार को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि कोई एडवांस नहीं दिया जा सकता, क्योंकि बिल का भुगतान एक सप्ताह के भीतर करना होगा। मुख्यमंत्री ने आवास योजनाओं के तहत लाभुकों की शीघ्र पहचान करने का निर्देश दिया। लघु सिंचाई विभाग की 14 परियोजनाओं में से 7 परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने शेष 7 परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर कार्य क्रियान्वयन करने की सलाह दी। शिक्षा विभाग के दायरे में स्कूलों के भवन की मरम्मत, कमरे और प्रयोगशाला स्थापित करने की कार्रवाई की जानी चाहिए। आंगनवाड़ी भवन, छात्र छात्रावास और अन्य परियोजनाओं पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपलब्ध धनराशि से इन चारों जिलों को मॉडल जिले के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि खदान प्रभावित जिलों में प्रदूषण की मात्रा पिछले साल की तुलना में कम हुई है और संतोषजनक स्तर पर पहुंच गयी है। हाल ही में बेल्लारी के पास कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी को आवंटित जमीन पर रोक लगा दी गई थी। इस बात ने ध्यान आकर्षित किया है कि मुख्यमंत्री ने उस समय खदान भूमि पुनर्वास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की है जब केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी कुद्रेमुख कंपनी को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं।

नशेड़ियों के कारण बढ़ रहे हैं अपराध के मामले: गृह मंत्री परमेश्वर

युवा समुदाय को बर्बाद कर रहा नशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने चिंता व्यक्त की कि देश में 5 करोड़ से अधिक लोग नशे के आदी हैं, जिसके कारण अपराध के मामले बढ़ रहे हैं। वे राज्य पुलिस विभाग द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के साथ संयुक्त रूप से शहर के कांतिरवा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पूरी दुनिया में नशा एक आधुनिक संकट है जो युवा समुदाय को बर्बाद कर रहा है।

नशे की समस्या को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 26 जून 1987 को नशा विरोधी दिवस मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि समाज में नशा एक बड़ी बीमारी है और युवा पीढ़ी को परेशानी न हो इसके लिए जागरूकता लानी होगी।

भारत नशीली दवाओं की समस्या से जूझ रहा है। 5 करोड़ लोग नशे के आदी हैं। युवा बिगड़ेंगे तो देश संकट में पड़ जायेगा। भारत युवाओं की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य

का बहुत ध्यान रखना चाहिए। यह बात सामने आ रही है कि हत्या के मामलों में 17 से 20 साल के लोग ही शामिल हैं। जब अपराधी का निरीक्षण किया गया तो पता चला कि वह नशे का आदी है। नशा समाज के लिए खतरा है और माता-पिता को अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता पैदा करने के निर्देश दिये गये हैं। राज्य सरकार ने नशा मुक्त कर्नाटक बनाने की घोषणा की है। विभाग ने नशे को पूरी तरह से खत्म करने के लिए युद्ध की घोषणा कर दी है। 40 करोड़ की नशीली दवाएं नष्ट कर दी गईं और 10 टन गांजा जला दिया गया। उन्होंने चिंता जताई कि अगर इतना सारा नशा युवाओं के हाथ में होता तो कितने परिवार बर्बाद हो जाते। सभी को नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए। शहर पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यह कार्यक्रम साक्ष्य एवं अस्पष्ट नियंत्रण मिशन के साथ आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कार्रवाई कर रही है। जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने के लिए एक अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव डॉ. के. गोविंदराज, विधायक रिजवान अरशद, राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन, सीआईडी विभाग के डीजीपी डॉ. एमए सलीम, एडीजीपी प्रणब मोहंती, आदर्श डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक जयशंकर मौजूद रहे।

प्रशंसक की हत्या मामला

पुलिस ने हिरासत में पवित्रा गौड़ा के मेकअप को लेकर एसआई को जारी किया नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस विभाग ने जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की साथी पवित्रा गौड़ा को पुलिस हिरासत में मेकअप करने की अनुमति देने के लिए एक महिला सब-इंस्पेक्टर को नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। 15 जून को, पवित्रा गौड़ा को बेंगलूरु में अपराध के दृश्य का विवरण दर्ज करने के लिए उनके आवास पर ले जाया गया था। उस यात्रा के दौरान, पवित्रा गौड़ा को लिपस्टिक और मेकअप लगाते हुए और पुलिस कर्मियों के साथ अपने आवास से वापस आते समय मुस्कुराते हुए देखा गया था। इस घटना ने दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी की हत्या के लिए पवित्रा गौड़ा पर कोई अपराध नहीं जताने के बारे में बहस शुरू कर दी है। डीसीपी (पश्चिम) के

कार्यालय से एसआई को नोटिस जारी किया गया है और स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस बीच, पवित्रा गौड़ा की मां और बेटी ने केंद्रीय कारागार में उनसे मुलाकात की और मुलाकात के दौरान वह रो पड़ीं। दूसरी ओर, सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने दर्शन के पास मौजूद दो अमेरिकी निर्मित पिस्तौल जब्त करने का आदेश पारित किया है। उसके सहयोगी प्रदोष, जो इस मामले में जेल में है, के पास एक पिस्तौल है। दोनों के पास लाइसेंस हैं और उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान हथियार अपने पास रखने की आधिकारिक तौर पर छूट दी गई थी। आर.आर. नगर और गिरिनगर पुलिस को आरोपियों के घरों से हथियार जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं। चित्रदुर्ग निवासी 33 वर्षीय रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में दर्शन, पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला कि दर्शन के बड़े प्रशंसक रेणुकास्वामी ने सोशल मीडिया पर पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक संदेश भेजे थे। पीड़ित का कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया, उसे बेंगलूरु लाया गया, एक शेड में रखा गया और उसे प्रताड़ित कर मार डाला गया। दर्शन 4 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में है।

कल प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर कार्यालय में भाजपा की घेराबंदी : विजयेंद्र

सीएम को निगम के 187 करोड़ के घोटाले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो वित्त मंत्री हैं, को वाल्मीकि विकास निगम के 187 करोड़ के घोटाले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस संबंध में, निगम के अध्यक्ष शरणप्रकाश पाटिल को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि शुक्रवार को हम राज्य के सभी जिलों में जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने जा रहे हैं। अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित धनराशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने इस पैसे

की चोरी के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कर्नाटक राज्य सरकार लोगों के लिए अभिशाप बन गई है और निगम के घोटाले के संबंध में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पत्र की जांच सीबीआई कर रही है। उन्होंने जल्दबाजी में एसआईटी गठित कर मनमर्जी से जांच करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। एसआईटी पैचिंग पर काम कर रही है। उन्होंने शिकायत की कि राज्य सरकार यह कहकर आंख में धूल झोंकने की चाल चल रही है कि एक अधिकारी के घर से कुछ पैसे मिले हैं।

मंत्री नागेंद्र ने इस्तीफा दे दिया है। तेलंगाना में बेनामी खाते में पैसे ट्रांसफर किए और निकाल लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पैसे का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पूर्व में कांग्रेस की सरकार थी तो ऐसे कई घोटालों पर उन्हीं की एसीबी ने पर्दा डाल दिया था। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। दूध के दाम बढ़ गए हैं। उन्होंने बताया कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण पूरे राज्य में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। प्रदेश में महंगाई का दौर जारी है। जनता पर डोरे डालने का काम कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री कर रहे हैं। स्टांप ड्यूटी बढ़ा दी गई है। बिजली दर बढ़ा दी गई है। विजयेंद्र ने इस बात पर आपत्ति जताई कि किसानों के खेतों में ट्रांसफार्मर लगाने के लिए राशि 25 हजार से बढ़ाकर 2.5 लाख कर दी गई है। गारंटी के नाम पर उन्होंने लोगों धोका दिया है। स्पष्ट बहुमत से सत्ता में आई कांग्रेस सरकार देश की जनता के साथ विश्वासघात कर रही है। उन्होंने कहा कि आम लोग भी लगातार हो रहे अन्याय की बात कर रहे हैं। राज्य के किसान सूखे की मार झेल रहे हैं। ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से जरूरी चीजों की कीमत आसमान छू रही है। ट्रैक्टर का उपयोग करने वाले किसानों को भी नुकसान हो रहा है। बुआई के बीज की कीमत 40-50 फीसदी तक बढ़ गई है। इतनी परेशानी में भी लोग प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार इतनी सख्ती क्यों बरत रही है। जनविरोधी फैसले क्यों? उन्होंने कहा कि अनुभवी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को देखकर दुख होता है। दूध के दाम के बाद बस का किराया भी महंगा हो जाएगा। राज्य की कांग्रेस सरकार अनुभवी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के होते हुए भी राज्य को कर्ज के गर्त में धकेल रही है। दूसरी ओर, अविकसितता राज्य को परेशान करती है। विकास के बिना विधायक सिर उठाकर नहीं चल पा रहे हैं।

दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का मामला

शिवकुमार ने बढ़ोतरी का विरोध करने पर भाजपा को किसान विरोधी बताया

विभिन्न मठाधीशों ने शिवकुमार से की मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नंदिनी दूध की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी का जोरदार बचाव करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि दूध की कीमतों पर विपक्षी भाजपा का विरोध उसकी किसान विरोधी मानसिकता का संकेत है। विधानसभा के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला किसानों के हित में लिया गया है और यह बढ़ोतरी बहुत मामूली है, क्योंकि उपभोक्ताओं को बढ़ोतरी की भरपाई के लिए 50 एमएल अतिरिक्त दूध मिलेगा। उन्होंने कहा, विपक्ष आलोचना करने के लिए स्वतंत्र है। लेकिन कोई भी दूध उत्पादकों की भारी लागत, खासकर चारे की अनदेखी नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि

बेंगलूरु और कर्नाटक में दूध की कीमतें पड़ोसी राज्यों की तुलना में तुलनात्मक रूप से कम हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी है। शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता चुने जाने पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और भारत के विपक्षी ब्लॉक के सभी नेताओं को बधाई दी, जो संविधान की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। राज्य में उपमुख्यमंत्रियों के अधिक पद सृजित करने की मांग के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा यह सवाल मुख्यमंत्री से पूछा जाना चाहिए, जो जवाब देने के लिए सही व्यक्ति हैं। इससे पहले रायचूर जिले के विभिन्न मठाधीशों और मंत्री शिवराज थंगदागी ने गृह कार्यालय में शिवकुमार से मुलाकात की। इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के तुरंत बाद, कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) ने नंदिनी ब्रांड दूध की कीमतों में 2 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। जिसके बाद भाजपा के विपक्षी नेता आर अशोक और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने नंदिनी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की आलोचना करते हुए इसे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने की वर्षगांठ पर लोगों को कांग्रेस सरकार का तोहफा बताया है। अशोक ने कहा कि सिद्धरामैया ने पिछले 13 महीनों में दूसरी बार नंदिनी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की है। पिछले साल अगस्त में दूध की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से गरीब और मध्यम वर्ग को बड़ा झटका लगा है, जो पहले से ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ आसमान छूती सब्जियों की कीमतों से परेशान हैं। अशोक ने कहा अगर कांग्रेस सरकार को गरीब और मध्यम वर्ग की कोई चिंता है, तो दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के आदेश को तुरंत वापस लेना चाहिए। जेडीएस नेता कुमारस्वामी ने बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर हमला किया और पूछा कि क्या यह बढ़ोतरी दूध उत्पादकों पर डाली जाएगी या केएमएफ द्वारा इसे दबा दिया जाएगा। उन्होंने कहा सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की गारंटी कीमतों में बढ़ोतरी का कारण है।

भारी बारिश के कारण

कंपाउंड की दीवार गिरने से परिवार के चार सदस्यों की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उल्लाल पुलिस स्टेशन की सीमा के कुठार मदनी नगरा में बुधवार सुबह एक घर की कंपाउंड की दीवार पड़ोसी घर पर गिरने से एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई।

मृतकों में यासिर (45), उनकी पत्नी मरियम्मा (40) और उनके बच्चे रियाना और रिफाना शामिल हैं। कंपाउंड की दीवार अबूबक्कर की है। घर की दीवार उस बेडरूम में गिरी, जहां यासिर और उनका परिवार सो रहा था। बारिश के बाद, कंपाउंड की दीवार और दो सुपारी के पेड़ यासिर के घर पर गिर गए।

यासिर बंदर में मत्स्य पालन बंदरगाह में काम करते थे, जबकि उनके बच्चे रिहाना और रिफान छात्र थे। यासिर ने छह साल पहले घर खरीदा था और घर को किराए पर दिया था। वह छह महीने पहले ही घर में शिफ्ट हुए थे। दरअसल, दो साल पहले भी घर पर कंपाउंड की दीवार गिर गई थी, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई थी।

तीन घंटे के अभियान के बाद स्थानीय निवासियों और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों की मदद से सभी चार शव मलबे से बरामद कर लिए गए। यासिर की सबसे बड़ी बेटी रशीना शादीशुदा है और बकरीद मनाकर मंगलवार को केरल में अपने पति के घर लौटी थी। इस बीच, दक्षिण कन्नड़ में मंगलवार रात से ही भारी बारिश हो रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 27 जून तक जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पूर्वानुमान के अनुसार, तटीय कर्नाटक और मलनाड के आसपास के इलाकों और आंतरिक कर्नाटक जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। 27 जून तक अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

वाल्मीकि विकास निगम घोटाले का मामला

अपने इस्तीफे पर सीएम तुरंत लें फैसला : चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने वाल्मीकि विकास निगम घोटाले में मुख्यमंत्री पर गैरजिम्मेदाराना व्यवहार का आरोप लगाया। मल्लेश्वरश में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि निगम घोटाला रंगे हाथों पकड़ा गया है। ये कोई आरोप नहीं है। यह सीधे खातों के माध्यम से मिला। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने इस तरह से राजकोष के पैसे का दुरुपयोग किया है तो भी वह एक मिनट के लिए भी

मुख्यमंत्री बने रहने के लायक नहीं हैं। उन्होंने चुनौती दी कि सीएम योग्य नहीं हैं और निर्णय करें कि उन्हें क्या करना है। आरोप की जांच करायी जाये। उन्होंने मांग की कि आपको अपना सम्मान बचाने के लिए निर्णय लेना होगा। निगम का घोटाला मुख्यमंत्री द्वारा संचालित वित्त विभाग की जानकारी के बिना नहीं हो सकता। मुझे अब तक आपका जवाब नहीं मिला है। इसमें आपका हिस्सा क्या है? हैदराबाद के खातों में क्यों गए पैसे? क्या इसे चुनाव के लिए भेजा गया था? या फिर कोई और मकसद था? यदि आप सरकारी धन को बार और रेस्तरां में लगाते हैं और उसे वापस प्राप्त करते हैं तो इस राज्य के लोग आप पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? 11 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और सवाल यह है कि क्या यह यहीं खत्म हो जाता है। उन्होंने यह भी पूछा कि गरीबों के नाम पर पैसा लूटना कितना सही है। मैं अनिवार्य रूप से पूछ रहा हूं कि क्या आप इस राज्य को चलाने के लायक हैं, जो गरीबों को खाना खिलाता है। राज्य में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के घोटाले पिछले कुछ महीनों से एक के बाद एक सामने आ रहे हैं। ठेकेदारों के मामले में किस हद तक भ्रष्टाचार है, इसका खुलासा ठेकेदार संघों द्वारा लगाए गए आरोपों से हुआ है। उसके बाद 187 करोड़ का घोटाला हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 700 खातों से यह रकम निकाली गयी। अधिकारी चन्द्रशेखर की आत्महत्या के बाद पूरी जांच की मांग को लेकर हमारा संघर्ष चला।

प्रियांक खड़गे एक गैरजिम्मेदार मंत्री हैं : एमजी महेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एमजी महेश ने कहा कि लगता है प्रियांक खड़गे इस भ्रम में हैं कि उनके पिता कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, इसलिए उन्हें राष्ट्रीय मुद्दों पर बात करनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के बारे में बात की। वह गैरजिम्मेदार मंत्री हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक में सिर्फ 2 महीने में दूषित पानी पीने से 20 लोगों की मौत हो गई क्योंकि प्रियांक ने अपना विभाग ठीक से नहीं संभाला। उन्होंने बताया कि यह मौत सलुंडी, चित्रदुर्ग, तुमकुरु और कोलार में हुई है। अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे प्रियांक खड़गे ने मोदी पर व्यापारियों को फोन कर अपना

कारोबार गुजरात लाने के लिए कहने का आरोप लगाया है। लेकिन मै जानना चाहता हूं कि सारे उद्योग कर्नाटक क्यों छोड़ रहे हैं? उन्होंने कहा कि इसकी वजह सरकार की नीति निर्धारण है। बिजली की कीमतों में वृद्धि और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के कारण कर्नाटक में कोई उद्योग स्थापित नहीं हो रहा है। उन्होंने पूछा कि इसका मतलब यह नहीं है कि वे कर्नाटक छोड़ रहे हैं, क्या वे इतने बड़े हैं कि प्रधानमंत्री के बारे में बात कर सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा इसकी निंदा करेगी। प्रियांक खड़गे को पहले अपने विभाग को सही से संभालना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि दूध की कीमत में 2.10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है और इससे लोगों की जेब पर असर पड़ा है। येदियुरप्पा के कार्यकाल में डेयरी उद्योग को बचाने के लिए आंगनबाड़ियों और गरीबों को मुफ्त दूध दिया गया। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमत नहीं बढ़ाई गई है। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी, राज्य मीडिया सह-संयोजक प्रशांत मौजूद थे।

पुलिस ने विभिन्न मादक पदार्थ नष्ट किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु शहर की पुलिस पिछले 10 फरवरी से विभिन्न मामलों में नशीली दवाओं की बिक्री और आपूर्ति के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। गत 24 तारीख तक जब्त किए गए 41,73,22,900 मूल्य के विभिन्न मादक पदार्थ बुधवार को नष्ट कर दिए गए।

हाल ही में शहर में नशीली दवाओं की बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही है, जिस पर शहर पुलिस ने कड़ी नजर रखते हुए विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर बिक्री और आपूर्ति में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया और बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किये। नेलमंगला तालुक के डबासपेट औद्योगिक क्षेत्र में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में गांजा, चरस, कोकीन, एमडीएमए पाउडर और अन्य नशीली वस्तुओं को नष्ट कर दिया गया। शहर पुलिस ने युवाओं को निशाना बनाने वाले ड्रग डीलरों के खिलाफ कार्रवाई की है और ड्रग मुक्त बेंगलूरु बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए जनसहयोग भी जरूरी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शहरी सीमा में नशीले पदार्थों और गांजा की बिक्री और परिवहन करते पाए जाने पर पुलिस को सूचना दी जाए तो ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने आदतन अपराधी पर गोली चलाकर किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मधुगिरी पुलिस ने गोली चलाई और एक 34 वर्षीय आदतन अपराधी को पकड़ा, जिसने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में मंगलवार को थाने ले जाते समय एक पुलिस कांस्टेबल पर हमला कर दिया था। आरोपी की पहचान हिंदूपुर निवासी रिजवान के रूप में हुई है, जिस पर चेन स्नैचिंग और डकैती के 15 से अधिक मामले दर्ज हैं और वह फरार था। उसे होसकोटे में ट्रैक किया गया और गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के लिए थाने ले जाते समय, आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस से सीगेहल्ली गेट के पास वाहन रोकने का अनुरोध किया ताकि वह शौच के लिए जा सके। उसके अनुरोध पर विचार करते हुए, पुलिस कांस्टेबल रमेश ने उसे पकड़ लिया, लेकिन रिजवान ने सड़क किनारे मिली बीयर की बोतल से रमेश पर हमला किया और भागने की कोशिश की। इंस्पेक्टर हनुमंतरायप्पा ने कथित तौर पर रिजवान को रुकने के लिए चेतावनी दी और उसके पैर में गोली मारने से पहले हवा में कुछ राउंड फायर किए। घायल रिजवान और कांस्टेबल रमेश दोनों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। रिजवान अपने साथी चिन्ना के साथ पिछले कुछ महीनों से इलाके में चेन स्नैचिंग की कई घटनाओं में शामिल था और फरार चल रहा था। उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने 480 ग्राम सोने का कीमती सामान बरामद किया है और उसके खिलाफ आगे के मामलों की जांच कर रही है।

राज्य के सात जिलों में नये कृषि प्रशिक्षण केन्द्रों की होगी स्थापना: कृषि मंत्री

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के कृषि मंत्री एन. चेलुवरयास्वामी ने कहा कि इस साल राज्य के 7 जिलों में नये कृषि प्रशिक्षण केंद्र शुरू किये जायेंगे। किसानों को योजनाबद्ध प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा क्षमता विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विजयनगर, यादगिरी, गदग, कोलार, चामराजनगर, रामानगर और उडुपी जिलों में नए कृषि प्रशिक्षण केंद्र शुरू किए जाएंगे। विभाग में प्रशिक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण पर जोर दिया जा रहा है। प्रयोगशालाएँ एनएबीएल मान्यता के अधीन होंगी। उन्होंने कहा कि बैलाहोंगला परातंत्र बायो लेबोरेटरी को अपग्रेड करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने गन्ने में कीट नियंत्रण के लिए आवश्यक ट्राइकोग्रामा पैरातंत्र जीव के उत्पादन में नई तकनीक लाने के निर्देश दिए तथा अगले 6 माह में बड़ी मात्रा में इसका उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले के लिए आवश्यक बुआई बीज का उत्पादन

संबंधित जिले के बीज उत्पादन केन्द्र एवं प्रगतिशील कृषकों के खेत में किया जाए।

बुआई बीज उर्वरक की मांग से अधिक आपूर्ति की जाए। बिना किसी भ्रम के वितरण होगा। उन्होंने प्राथमिक कृषि के लिए सहकारी समितियों की मदद लेने के भी निर्देश दिये। किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें नये आविष्कारों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से अवगत कराकर उन्हें कृषि योग्य भूमि पर स्थानांतरित करना चाहिए। उन्होंने कहा फसल बीमा को अधिक प्रचारित करें, नामांकन बढ़ाएँ और कृषि उपज के मूल्यवर्धन पर ध्यान दें।

उन्होंने सुझाव दिया कि कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाया जाना चाहिए। हाई-टेक हार्वेस्ट हब और कृषि नवाचारों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि इससे होने वाले प्रभावी बदलावों के बारे में किसानों को जानकारी दी जानी चाहिए।

विमान में टिशू पेपर पर अपहरण का संदेश छोड़ने वाले अज्ञात यात्री के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की पुलिस ने एक अज्ञात यात्री के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसने हाल ही में कोलकाता-बेंगलूरु उड़ान के शौचालय में टिशू पेपर पर अपहरण की धमकी वाला संदेश छोड़ा था।

यह घटना तब प्रकाश में आई जब केबिन क्रू ओलिविया मैत्रम ने विमान के उतरने और यात्रियों के उतरने के बाद औपचारिकताएं पूरी कीं। दरवाजे बंद करने के बाद, वह शौचालय का उपयोग करने गई और उसे एक टिशू पेपर मिला, जिस पर हाईजैक 6ए411 9.6.2024 का संदेश लिखा था। उसने कैप्टन को सचेत किया, जिसने सुरक्षा कर्मियों को सूचित किया।

क्षेत्राधिकार वाली पुलिस में एक शिकायत दर्ज की गई है, जिसने एक गैर संज्ञेय रिपोर्ट दर्ज की और आगे की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज करने की अदालत से अनुमति मांगी थी। अदालत के निर्देश के आधार पर, पुलिस ने अज्ञात यात्री के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (1) (बी) (फर्जी संदेश फैलाना) और 507 (अनाम संचार द्वारा आपराधिक धमकी) के तहत आगे की जांच के लिए मामला दर्ज किया।

मैंने कांग्रेस कार्यसमिति को सुझाव दिया था कि राहुल गांधी को विपक्ष का नेता होना चाहिए : सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने पर बधाई देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि उन्होंने ही हाल ही में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में सुझाव दिया था और प्रस्ताव रखा था, जिसमें उनसे यह भूमिका निभाने का आग्रह किया गया था। कांग्रेस प्रमुख एम मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मंगलवार रात इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक के तुरंत बाद गांधी को विपक्ष का नेता नियुक्त करने के निर्णय की घोषणा की गई। सिद्धरामैया ने कहा (कांग्रेस) कार्यसमिति की बैठक में मैंने सुझाव दिया था और

प्रस्ताव रखा था कि राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनना चाहिए। भाजपा सरकार और (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी का सामना करने के लिए मैंने आग्रह किया था कि आप (राहुल गांधी) विपक्ष के नेता बनें और कार्यसमिति और अन्य ने भी यही कहा। राहुल गांधी द्वारा यह जिम्मेदारी स्वीकार करना देश के हित में अच्छा है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं इस जिम्मेदारी को लेने के लिए उन्हें तहे दिल से बधाई देता हूं। उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा कि यह लोगों की इच्छा और पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग थी कि गांधी को यह जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा। शिवकुमार ने कहा इंडिया गठबंधन और देश की जनता की ओर से मैं राहुल गांधी को हमारी मांग स्वीकार करने के लिए बधाई देना चाहता हूं। यह उनकी इच्छा नहीं, बल्कि देश की जनता की इच्छा है। उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मैं सोनिया गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस साहसिक निर्णय के लिए बधाई देना चाहता हूं और उन पर (राहुल पर) इस जिम्मेदारी को स्वीकार करने का दबाव डालने के लिए बधाई देना चाहता हूं।

हुब्बल्ली एयरपोर्ट के निदेशक को जान से मारने की धमकी वाले मेल के बाद सुरक्षा बढ़ाई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली एयरपोर्ट के निदेशक को मंगलवार शाम को शहर में ईमेल के जरिए धमकी भरा पत्र मिला। गोकुल रोड पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। एयरपोर्ट के निदेशक रूपेश कुमार एस को मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे जान से मारने की धमकी वाला संदेश मिला।

पत्र में कहा गया है कि हम तुम्हें नष्ट कर देंगे और तब तक आग में झोंक देंगे जब तक तुम मर नहीं जाते। तुम्हें लगता है कि तुमने जो बुरे काम किए हैं, उनका कोई जवाब नहीं है। रूपेश कुमार ने टर्मिनल प्रभारी प्रताप और संबंधित अधिकारियों को पत्र के बारे में जानकारी दी। इस बीच, एयरपोर्ट और उसके आसपास बम निरोधक दस्ते को तैनात कर दिया गया है और विमानन सुरक्षा नियमों के अनुसार आवश्यक कदम उठाए गए हैं। सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

उडुपी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने डीसी कार्यालय का किया घेराव

महंगाई और किसान विरोधी नीति के खिलाफ अपील पेश की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ आयोजित अपने विरोध प्रदर्शन में डीसी कार्यालय का घेराव किया और अपनी अपील पेश की। जिला रायता मोर्चा सहित प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए विधायक यशपाल सुवर्णा ने किसानों की विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा मैं पुलिस विभाग से अनुरोध करता हूं कि वह सरकार की कठपुतली न बने और इसके बजाय लोगों के कल्याण के लिए काम करे। हम भाजपा कार्यकर्ता लोगों के कल्याण के लिए काम करना जानते हैं। विरोध प्रदर्शन में एक पवित्र गाय को लाया गया है। अगर हमारी

मांग पूरी नहीं हुई तो हम डीसी कार्यालय का घेराव करने के लिए 50 गायों को लेकर आएंगे। उन्होंने कहा दूध की कीमत बढ़ाने से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन सरकार को किसानों को अनुदान जारी करना चाहिए। सभी किसानों को न्याय मिलना चाहिए। राज्य रायता मोर्चा के मुख्य सचिव डॉ. नवीन कुमार ने अनुदान रोकने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा पिछले एक साल में कांग्रेस ने लोगों में डर पैदा किया है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। अगर उन्हें किसानों की चिंता है तो उन्हें उडुपी में बंद पड़े कृषि डिप्लोमा कॉलेज को फिर से खोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को अनुदान सहायता वितरित की है और भूसिरी योजना, शीला समृद्धि बैंक खाता समाप्त करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा ओबाव्वा आत्म रक्षा योजना और किसानों के लिए अन्य योजनाएं भी बंद कर दी गई हैं। मेंगलूरु क्षेत्र के भाजपा अध्यक्ष किशोर कुमार ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्हें बिच्छू की तरह बताया और कहा वे केवल लोगों को डंक मारते हैं।

उन्होंने आवश्यक वस्तुओं की कीमत बढ़ा दी है और एक भयावह माहौल बना रहे हैं। आखिरकार, उनके द्वारा वादा किए गए सभी गारंटी बंद हो जाएंगे। अनुदान सहायता बढ़ाई जानी चाहिए। कांग्रेस सरकार पैसे की भीख मांग रही है और भविष्य में वे लोगों से पैसे की भीख मांगवाएंगे। रायता मोर्चा उडुपी के अध्यक्ष कमलाक्ष हेब्बार ने शांतिपूर्ण विरोध के दौरान अपने अध्यक्षीय नोट में जोर दिया कि हमारे यहाँ पवित्र गायें हैं, इसलिए हमें उम्मीद है कि हमारी मांग पूरी होगी। अगर नहीं, तो हमारे पास महिषा के प्रतीक भैंसे हैं जो उग्र विरोध के लिए तैयार हैं। कर्नाटक राज्य सरकार किसानों के खिलाफ है। डेयरी फार्मिंग की बुनियादी सुविधाओं को प्रभावित किए बिना गारंटी प्रदान की जानी चाहिए। हम डेयरी फार्मिंग के लिए अनुदान सहायता जारी करने, ईंधन की कीमतों में कमी, कृषि डिप्लोमा कॉलेजों को फिर से खोलने, कुमकी अधिकारों को सुरक्षित करने, अवैध वितरण को संबोधित करने और बीज की कीमतों को कम करने की मांग करते हैं।

तीनों नए आपराधिक कानूनों को एक जुलाई से लागू करने की तैयारी पूरी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन करने और पुराने पड़ चुके कानूनों को समाप्त करने के उद्देश्य से पिछली लोकसभा में पारित तीनों नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को आगामी एक जुलाई से लागू किये जाने की तैयारी कर ली गयी है। इन विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद गत 25 दिसम्बर को अधिसूचित किया गया था।

सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के लिए राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के साथ नियमित बैठकें की हैं। राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के लिए प्रौद्योगिकी, क्षमता निर्माण और जागरूकता पैदा करने के मामले में पूरी तरह तैयार हैं।

नए आपराधिक कानून भारतीय नागरिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन कानूनों का उद्देश्य सभी के लिए अधिक सुलभ,

सहायक और प्रभावी न्याय प्रणाली बनाना है। नए आपराधिक कानूनों के प्रमुख प्रावधानों में घटनाओं की ऑनलाइन रिपोर्ट करना, किसी भी पुलिस थाने पर प्राथमिकी यानी जीरो एफआईआर दर्ज करना, प्राथमिकी की निःशुल्क प्रति देना, गिरफ़्तारी होने पर सूचना देने का अधिकार, गिरफ्तारी की जानकारी प्रदर्शित करना, फॉरेंसिक साक्ष्य संग्रह और वीडियोग्राफी, त्वरित जांच, पीड़ितों को मामले की प्रगति का अपडेट देना, पीड़ित महिलाओं और बच्चों के लिए निःशुल्क चिकित्सा उपचार, इलेक्ट्रॉनिक समन, पीड़िता के महिला मजिस्ट्रेट द्वारा बयान, पुलिस रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराना, न्यायालय में सीमित स्थगन, गवाह सुरक्षा योजना, जेंडर समावेश, सभी कार्यवाहियां इलेक्ट्रॉनिक मोड में होना, बयानों की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, विशेष परिस्थितियों में पुलिस थाने जाने से छूट, जेंडर-न्यूट्रल अपराध, सामुदायिक सेवा, अपराधों के लिए अपराध की गंभीरता के अनुरूप जुर्माना, सरलीकृत कानूनी प्रक्रियाएं एवं तीव्र एवं निष्पक्ष समाधान शामिल हैं।

सरकार ने इन तीनों कानूनों को लागू करने के लिए पुलिस कर्मियों, जेल कर्मियों, अभियोजकों, न्यायिक अधिकारियों, फॉरेंसिक कर्मियों के साथ-साथ आम जनता सहित सभी पक्षों के बीच विभिन्न पहल शुरू की है ताकि तीनों नए कानूनों के बारे में व्यापक जागरूकता फैले और इन कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

चूंकि नए आपराधिक कानूनों में जांच, ट्रायल और अदालती कार्यवाहियों में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, इसलिए राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो ने मौजूदा अपराध एवं अपराधी पहचान नेटवर्क प्रणाली में 23 सुधार किए हैं। इसके अलावा ब्यूरो ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों की निरंतर समीक्षा और सहायता के लिए 36 टीमें और कॉल सेंटर बनाए हैं।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र ने नए आपराधिक कानूनों के तहत अपराध स्थलों, न्यायिक सुनवाइयों और इलेक्ट्रॉनिक रूप से अदालती समन की तामील की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की सुविधा के लिए ई-साक्ष्य, न्यायश्रुति और ई-समन ऐप विकसित किए हैं। पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो ने क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित कर सभी हितधारकों के साथ साझा किए हैं।

उसने 250 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, वेबिनार और सेमिनार भी किए जिनमें 40,317 अधिकारियों तथा कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। ब्यूरो के मार्गदर्शन में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने 5,84,174 कर्मियों की क्षमता निर्माण का काम भी किया, जिनमें जेल, फॉरेंसिक, न्यायिक और अभियोजन पक्ष के 5,65,746 पुलिस अधिकारी और कर्मी शामिल हैं। कर्मयोगी भारत और विकास ब्यूरो नए आपराधिक कानूनों पर तीन-तीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान कर रहे हैं, जिनमें अब तक 2,17,985 कर्मियों ने नामांकन कराया है।

केजरीवाल को विशेष अदालत ने तीन दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। आबकारी नीति कथित घोटाला मामले के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने बुधवार को तीन दिनों के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया।

राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत की अदालत के समक्ष सीबीआई ने श्री केजरीवाल से पूछताछ के लिए उनकी पांच दिनों की हिरासत की गुहार लगाई थी। सीबीआई ने धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में बंद श्री केजरीवाल से मंगलवार को पूछताछ की थी। अदालती आदेश पर पूछताछ आज उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया गया।

इससे पहले श्री केजरीवाल ने विशेष अदालत की ओर से 20 जून को दी गई जमानत के आदेश पर दिल्ली उच्च न्यायालय की 21 जून के अंतरिम रोक के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती

थी और उन्होंने अपनी याचिका बुधवार को वापस ले ली। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने उन्हें अपनी यह याचिका वापस लेने की अनुमति दी। पीठ ने हालांकि उन्हें जमानत आदेश के क्रियान्वयन को निलंबित करने वाले उच्च न्यायालय के 25 जून के आदेश को चुनौती देने वाली नई याचिका दायर करने की छूट दे दी।

शीर्ष अदालत के समक्ष मुख्यमंत्री केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने 25 जून के आदेश को चुनौती देने के लिए नई याचिका दायर करने के लिए तत्काल मामले को वापस लेने की गुहार लगाई। उन्होंने पीठ के समक्ष कहा कि उच्च न्यायालय फैसला आ चुका है, जिसमें सभी तरह के मुद्दे हैं। श्री सिंघवी ने यह भी अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता केजरीवाल को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने फिर से गिरफ्तार किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने केजरीवाल को याचिका वापस लेने और नई याचिका दायर करने की अदालत की अनुमति पर कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। श्री केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में बंद हैं।

एस जयशंकर ने म्यांमार के विदेश मंत्री से कहा

म्यांमार में फंसे भारतीयों को शीघ्र भेजें

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। म्यांमार में भारतीय सीमा से सटे क्षेत्रों में लगातार हिंसा की खबरें सामने आ रहीं हैं। ऐसे में वहां मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत भी चिंतित है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार के अपने समकक्ष यू थान श्वे के साथ मुलाकात की। इस दौरान भारत ने म्यांमार में भारतीय सीमा के पास जारी हिंसा पर चिंता व्यक्त की। एस जयशंकर ने म्यांमार के विदेश मंत्री से म्यावाडे शहर में फंसे भारतीयों को स्वदेश लाने में सहयोग करने की भी मांग की।

बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार में चल रही भारत की परियोजनाओं को सुरक्षा प्रदान करने पर जोर दिया। जयशंकर ने खासतौर पर भारत-म्यांमार सीमा के पास लगातार हो रही हिंसा पर चिंता जताई। म्यांमार के कई क्षेत्रों में सेना (जुंटा) और विद्रोहियों के बीच

जंग जारी है। म्यांमार में विद्रोहियों ने पहले से ही कई क्षेत्रों पर अपना कब्जा किया हुआ है। अप्रैल के महीने में विद्रोहियों ने जुंटा के सैन्य अड्डे और म्यावाडी स्थित कमान केंद्र पर कब्जा कर लिया था।

बैठक में जयशंकर ने म्यांमार के समकक्ष से कहा कि भारत, म्यांमार में हिंसा की स्थिति से निपटने के लिए सभी पक्षों से बातचीत करने के लिए तैयार है। भारत के विदेश मंत्री ने कहा, म्यांमार में फंसे भारतीय लोगों की स्वदेश वापसी को सुनिश्चित करने की म्यांमार से मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि एक फरवरी 2021 को म्यांमार में तख्तापलट हुआ था और सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा कर लिया गया। इसके बाद से म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। म्यांमार के रखाइन राज्य के अलावा अन्य क्षेत्रों में बीते वर्ष अक्टूबर से सशस्त्र जातीय समूहों और सेना के बीच भीषण लड़ाई हो रही है। पिछले वर्ष नवंबर के महीने में भारत-म्यांमार की सीमा से सटे कई प्रमुख शहरों में हिंसा और अधिक बढ़ गई थी। इस वजह से भारत द्वारा मणिपुर और मिजोरम की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई गई है।

आतंकी खतरे के बीच हुआ अमरनाथ यात्रा का सफल ट्रायल रन

तत्काल पंजीकरण की सुविधा भी चालू

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 26 जून। दो दिनों के बाद आरंभ होने जा रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा पर मंडराते आतंकी खतरे के बीच इसकी कामयाबी के लिए प्रदेश में कई स्थानों पर यात्रा के जत्थों को सुरक्षित भिजवाने की खातिर सफर ट्रायल रन आयोजित किए गए। हालांकि तत्काल पंजीकरण आज से चालू होने के बाद अधिकारियों को उम्मीद है कि इसमें शिरकत करने वालों की संख्या और बढ़ेगी।

जम्मू बेस कैंप में भी आज अमरनाथ यात्रा का ट्रायल रन आयोजित किया गया। जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, एडीजीपी जम्मू आनंद जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू होगी और 19 अगस्त को समाप्त होगी। पहला जत्था जम्मू से 28 जून की सुबह 4 बजे रवाना होगा।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को

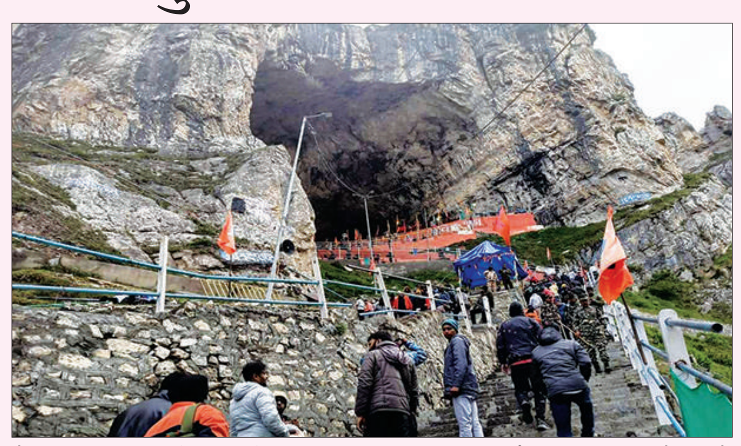

लेकर उधमपुर की डिप्टी कमिश्नर सलोनी राय ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिरिक्त तैनाती की जा रही है क्योंकि उधमपुर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। हम सभी तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेंगे। उधमपुर में हमने 26 लाजमेंट सेंटर बनाए हैं, जिनमें 6000 तीर्थयात्री रह सकते हैं। तैयारियों की निगरानी के लिए लॉजमेंट सेंटरों पर नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अमरनाथ यात्रा से पहले, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) ने जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एक मजबूत सुरक्षा योजना लागू की है। इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, और सीआरपीएफ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। सीआरपीएफ के जवान जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

अधिकारियों ने दावा किया कि वे हर गली-मोहल्ले में तैनात हैं, और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नज़र रख रहे हैं। इस सतर्क उपस्थिति का उद्देश्य किसी भी संभावित खतरे को रोकना और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दूसरी ओर अमरनाथ यात्रा के लिए तत्काल पंजीकरण सुविधा आज से आरंभ हो गई है। इसके लिए जम्मू शहर के विभिन्न स्थानों पर पांच केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा एक टोकन केंद्र बनाया गया है। आज से टोकन जारी किए जा रहे है। टोकन लेने वाली तीर्थ यात्रियों को अगले दिन वीरवार से तत्काल पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रियों का निर्धारित रूट और तिथि के हिसाब से ही पंजीकरण होगा।

श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए टोकन सरस्वती धाम, जम्मू रेलवे स्टेशन के पास मिलेंगे। इसके बाद भक्तों की मेडिकल जांच केंद्र पर होगी। श्रद्धालु सरकारी अस्पताल गांधी नगर, सरकारी अस्पताल में भी जांच करवा सकते हैं। टोकन मिलने के बाद भक्तों को पंजीकृत करवाने के लिए पंजीकरण केंद्र जाना होगा। साधु समाज के लिए पंजीकरण सेंटर राम मंदिर और गीता भवन है। वहीं आम श्रद्धालुओं के लिए वैष्णी धाम, पंचायत भवन, महाजन हाल है। वहीं आरएफआईडी और ईकेवाइसी सेंटर रेलवे स्टेशन और बेस कैंप भगवती नगर में होंगे।

बढ़ती गर्मी में पिघल कर 12 फुट का रह गया अमरनाथ हिमलिंग

जम्मू, 26 जून (ब्यूरो)। बढ़ती गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग ने 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बनने वाले हिमलिंग के अस्तित्व के लिए इस बार भी खतरा बढ़ा दिया है क्योंकि इससे हिमलिंग के वक्त से पहले गायब होने की आशंका है। कई सालों से ऐसा देखने को मिल चुका है कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ साथ ग्लोबल वार्मिंग से हिमलिंग समय से पहले लुप्त हो गए।

श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक करीब दो माह पहले हिमलिंग अपने पूरे आकार में था। यह करीब 20 से 22 फुट का था। और अब इसकी ऊंचाई 11 से 12 फुट के बीच रह गई है। अब यह तेजी से पिघल रहा है। दरअसल इस बार पूरी दुनिया में गर्मी ने जो कहर बरपाया अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग भी उससे अछूता नहीं रहा है। हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है कि हिमलिंग तेजी से पिघल रहा हो बल्कि पिछले कई सालों से यह देखने को मिल रहा है हिमलिंग यात्रा के आरंभ होने के कुछ ही दिनों के उपरांत पूरी तरह से पिघल जाता रहा है। हालांकि तब इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग के साथ साथ उन लाखों भक्तों की सांसें भी जिम्मेदार होती थीं जो दर्शनार्थ गुफा तक पहुंचते थे।

विशेषज्ञों के मुताबिक अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में अक्सर वहां ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान के बढ़ने की आशंका बनी रहती है। जिससे ग्लेशियर जल्दी पिघलते हैं। साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे। साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरूआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे।

साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे।

तमिलनाडु शराब त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 63 हुई, एनसीडब्ल्यू ने शुरू की जांच

चेन्नई, 26 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कल्लकुरिची जिले में जहरीली शराब त्रासदी में बुधवार को तीन और लोगों की मौत के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 63 हो गयी तथा 74 पीड़ितों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह सलेम के सरकारी मोहन कुमारमंगलम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तथा पुडुचेरी के जेआईपीएमईआर में मौतों की सूचना मिली।

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार सरकारी कल्लकुरिची मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 32 लोगों की मौत हुई, जबकि सलेम सरकारी अस्पताल में 22, सरकारी विल्लुपुरम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चार और जेआईपीएमईआर में पांच लोगों की मौत हुई। तीन महिलाओं समेत कुल 88 लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। दो महिलाओं और एक ट्रांसजेंडर समेत कुल 74 लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी है। इस त्रासदी के सिलसिले में अब तक कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मीडिया रिपोर्टों के आधार पर घटना का स्वतः संज्ञान

लिया है और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है तथा मामले की जांच के लिए आयोग की सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता खुशबू सुंदर को नियुक्त किया है। एनसीडब्ल्यू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आयोग ने उन मीडिया रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लिया है, जिनमें कहा गया है कि तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में नकली शराब पीने से छह महिलाओं की मौत हो गयी है। आयोग ने मामले की जांच के लिए एनसीडब्ल्यू सदस्य खुशबू सुंदर के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। इस बीच, सुश्री खुशबू सुंदर के नेतृत्व वाली समिति ने आज कल्लकुरिची का दौरा किया और पुलिस तथा अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने घटना के बारे में विस्तृत जानकारी भी एकत्र की। उन्होंने अस्पताल का भी दौरा किया तथा पीड़ितों से मुलाकात की। एनसीडब्ल्यू ने पोस्ट किया, तमिलनाडु के कल्लकुरिची में सदस्य खुशबू सुंदर के नेतृत्व वाली एनसीडब्ल्यू जांच समिति ने आज स्थानीय थाने तथा जिला समाज कल्याण अधिकारियों से मुलाकात की। प्राथमिकी तथा अंतरिम रिपोर्ट एकत्र की गयी। उन्होंने अस्पताल में भर्ती पीड़ितों से मुलाकात की तथा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मांगी। उन्होंने 10 पीड़ितों के परिवारों से सहायता राशि तथा परामर्श के बारे में पूछा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने दौरे की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, अब तक कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा 44 परिवारों को 10-10 लाख रुपए की सहायता राशि दी गयी है।

हरिमंदिर साहिब को आने वाली संगत के शिष्टाचार का ध्यान रखना चाहिए : सिंह

अमृतसर, 26 जून (एजेंसियां)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से बुधवार को श्री अकाल तख्त साहिब का स्थापना दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस संबंध में श्री अकाल तख्त साहिब पर एक समारोह भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी रघबीर सिंह ने देशवासियों को श्री अकाल तख्त साहिब के स्थापना दिवस की बधाई दी और कहा कि श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने अध्यात्म के केंद्र सचखंड श्री हरमंदिर के सामने श्री अकाल तख्त साहिब की स्थापना की, ऐसा इसलिए किया गया ताकि अध्यात्म की राह पर चलने वाला सिख राजनीतिक तौर पर किसी और का अनुयायी न बने। उन्होंने कहा कि सिखों को अपना धर्म और राजनीति किसी अकाल पुरख की शरण और आस्था में ही निभानी है।

जत्थेदार ने कहा कि यही कारण है कि श्री अकाल तख्त साहिब हमेशा सांसारिक तख्तों की नजरों में रहा है। उन्होंने कहा कि सिख श्री अकाल तख्त साहिब से मार्गदर्शन लेकर अपने राज्य के स्वामी बने और महाराजा रणजीत सिंह ने चालीस वर्षों तक शासन किया। उन्होने कहा कि सिख दुनिया के हर क्षेत्र में यात्रा करते समय हमेशा अपना मुंह सचखंड श्री हरमंदिर साहिब और श्री अकाल तख्त साहिब की ओर रखते हैं, लेकिन राजनीतिक लोगों ने सचखंड श्री हरमंदिर साहिब और श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से अपना मुंह मोड़ लिया है, जिससे सिखों की राजनीति कमजोर हो रही है। उन्होंने सिख सिद्धांतों, परंपराओं और नैतिकता की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जब हम सैद्धांतिक रूप से परिपक्व होंगे, तो अकाल पुरख का हाथ हमारे कंधों पर होगा।

इस अवसर पर उन्होंने सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के दर्शनों के लिए आने वाली संगत को श्री दरबार साहिब समूह में बैठते समय शिष्टाचार का ध्यान रखने की भी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि श्री दरबार साहिब में शिष्टाचार को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं को अपने फोन बंद रखने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी विशेष रूप से कहा कि जो कलाकार यहां माथा टेकते हैं उन्हें इस पवित्र स्थान का उपयोग फिल्मों के प्रमोशन के लिए नहीं करना चाहिए बल्कि यहां से आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त करनी चाहिए।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूपी देश का हृदय स्थल, यहां पर्यटन की असीम संभावनाएं : सीएम योगी

▪ ईको टूरिज्म पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश देश का हृदय स्थल है। यहां पर्यटन की अनेक संभावनाएं हैं। गत वर्ष उत्तर प्रदेश में 48 करोड़ पर्यटक आए थे यानी आबादी की लगभग दोगुनी संख्या पर्यटन की दृष्टि से यहां आई थी। अधिकांश पर्यटक स्प्रिचुअल टूरिज्म के लिए आए थे। 2023 में काशी में यह संख्या 10 करोड़ से अधिक थी। मथुरा-वृंदावन में साढ़े सात करोड़ और अयोध्या में पांच करोड़ से अधिक थी। 500 वर्षों के बाद अयोध्या में प्रभु श्रीराम के विराजमान होने के बाद यह संख्या कई गुना बढ़ गई है। औसतन प्रतिदिन डेढ़-दो लाख पर्यटक अयोध्या धाम आ रहे हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मरकरी हॉल में ईको टूरिज्म पर आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी में कई ऐसे साइट्स हैं, जहां पर्यटक आते हैं। लखनऊ के बगल में नैमिषारण्य, चित्रकूट, शुकतीर्थ, विंध्यवासिनी धाम, मां पाटेश्वरी धाम, मां शाकंभरी धाम सहारनपुर, बौद्ध तीर्थ स्थल कपिलवस्तु, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, संकिसा, जैन व सूफी परंपरा से जुड़े स्थलों में भी स्प्रिचुअल टूरिज्म की अनेक संभावना पहले से है। यह संभावनाएं बताती हैं कि यदि स्पिरिचुअल टूरिज्म के लिए स्थान है तो इसका मतलब यह मानव सृष्टि और जीव सृष्टि का उद्गम स्थल है। इसके सबसे बड़े प्रमाण सोनभद्र के फासिल्स पार्क को देखें। उसकी आयु उतनी ही है, जितनी जीव सृष्टि की है। लगभग डेढ़ सौ करोड़ वर्ष पूर्व के फॉसिल्स वहां पाए जाते हैं। ऐसे अनेक स्थल, प्राकृतिक सरोवर, ताल मिलेंगे। 15 हजार वर्ग किमी का क्षेत्रफल केवल वन संपदा है। यूपी में पौराणिक काल के वन हैं। यूपी के तराई क्षेत्र (बहराइच, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बलरामपुर, पीलीभीत) में वन सुरक्षित हैं, जबकि उस पार नेपाल में वन समाप्त हो गए हैं। चूका, दुधवा, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, अब चित्रकूट व बिजनौर के अमानगढ़ में टाइगर रिजर्व को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। स्प्रिचुअल टूरिज्म के साथ ही हेरिटेज व ईको टूरिज्म की संभावनाएं भी मौजूद हैं। उन्हीं संभावनाओं को देश-दुनिया के सामने लाने, लोगों का आकर्षण बढ़े, मनोरंजन और ज्ञानवर्धन हो, अतीत व इतिहास के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हो। साथ ही भावी चेतावनी के प्रति हम सभी जागरूक हो सकें, इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड गठित किया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि जून की गर्मी देश-प्रदेशवासियों को लंबे समय तक याद आएगी। तापमान बहुत तेजी से बढ़ रहा था। लोग असहाय और असमंजस की स्थिति में थे। इसके लिए उत्तरदायी हम सबकी स्वार्थी गतिविधियां ही हैं। स्वयं के स्वार्थ के लिए प्रकृति के दोहन की प्रवृत्ति के कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई।

सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ में कुकरैल के पास नाइट सफारी बना रहे हैं। इसके पहले कुकरैल नदी को जीवित करेंगे। कभी कुकरैल आदि गंगा गोमती की सहायक नदी थी। पीलीभीत से निकलकर वाराणसी में मां गंगा के साथ इसका मिलन होता है, लेकिन कुकरैल नदी को नाला बनाकर लोगों ने अवैध निर्माण कर लिया। चार दशक में कब्जा इतना बढ़ गया कि न केवल यह नदी, बल्कि पर्यावरण के लिए चुनौती बन गया। हम लोगों ने कुकरैल को नदी बनाने की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी। आठ हजार से अधिक अनधिकृत कब्जों को हटाया। दोषियों को दंडित किया और कइयों को पुनर्वास किया। गर्मी में जब नदियों और जल के स्रोत सूख रहे थे तो कुकरैल में जल के नए स्रोत बन रहे थे। ईको टूरिज्म डवलपमेंट बोर्ड आगाह कर रहा है कि मनोरंजन व ज्ञानवर्धन के लिए हम प्रकृति के उपहार का उपयोग करें, लेकिन भावी पीढ़ी को लंबे समय तक उपहार मिलता रहे। इसके संरक्षण की जिम्मेदारी हमें लेनी पड़ेगी।

सीएम ने कहा कि जब टूरिस्ट आते हैं तो अनेक लोगों के लिए रोजगार सृजन होता है। ईको टूरिज्म के क्षेत्र में लोगों ने अलग-अलग कार्य प्रारंभ किए हैं। सोहगीबरवा, दुधवा, चूका, पीलीभीत टाइगर रिजर्व के क्षेत्र में लोग आ रहे हैं। प्रकृति को देखकर लोग जानते हैं कि यहां सब वास्तविक है, कुछ भी आर्टिफिशियल नहीं है। सीएम ने कहा कि दुधवा में जंगल के बीच गया तो देखा कि लखनऊ का तापमान 42 है और दुधवा का 35 के आसपास। प्रकृति का यह सान्निध्य इशारा करता है कि पर्यावरण के प्रति जागरूक हुए तो आने वाले समय में लाभ प्राप्त होगा।

सीएम ने कहा कि कनेक्टिविटी के लिए सरकार ने प्रयास प्रारंभ किए हैं। लखीमपुर में पुरानी एयरस्ट्रिप का एयरपोर्ट के रूप में विकास करने जा रहे हैं। पिछली बार इस क्षेत्र में हॉलीडे ट्रेन चलाने की व्यवस्था रेलवे के माध्यम से प्रारंभ की। इसे अच्छे ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास है। स्थानीय निवासियों को गाइड के रूप में प्रशिक्षित करें। वहां बनने वाली सुविधाओं से जोड़ें तो ईको टूरिज्म को बढ़ाने में मदद मिलेगी। पर्यटन न केवल मनोरंजन का माध्यम बन सकता है, बल्कि आर्थिक समृद्धि के जरिए हम सशक्त बनने की दिशा में अग्रसर हो सकते हैं। यह अनेक लोगों के लिए रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बन सकता है। यूपी में स्पिरिचुअल टूरिज्म के साथ ही हेरिटेज टूरिज्म के लिए भी कार्य हुए। बुंदेलखंड के किलों या जहां-तहां पड़ीं ऐतिहासिक इमारतों को कहीं होटल के रूप में तो कहीं टूरिज्म डेवलपमेंट की दृष्टि से विकसित करने के प्रयास प्रारंभ किए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी के जनपदों में अलग-अलग संभावनाएं हैं। ईको क्षेत्र में टूरिज्म डेवलपमेंट का नया बोर्ड सरकार ने गठित किया है। यह नई संभावनाओं को बढ़ाएगा। काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन में स्पिरिचुअल दृष्टि से होम स्टे की व्यवस्था करते हैं तो यही कार्य ईको टूरिज्म को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में करें, इससे ग्रामीणों के लिए भी रोजगार सृजन की संभावना भी बनेगी।

बांदा के कालिंजर, जालौन व बस्ती में ऐसे कार्यक्रम प्रारंभ हुए हैं। यह संभावना पीलीभीत, खीरी, बहराइच, सोनभद्र, चंदौली, चित्रकूट समेत कई जनपदों में भी बन सकती है, जहां पहले से ईको सिस्टम मौजूद है।

सरकार कनेक्टिविटी और पॉलिसी के तहत आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा सकती है। अलग-अलग क्षेत्रों व जनपदों में ईको टूरिज्म की संभावनाओं को बोर्ड के साथ जुड़कर आगे बढ़ाएंगे तो स्पिरिचुअल टूरिज्म की तरह हम लोग ईको टूरिज्म को भी आगे बढ़ाने में सफल होंगे। कार्यक्रम में संस्कृति/पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव (वन-पर्यावरण) मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (पर्यटन-संस्कृति) मुकेश कुमार मेश्राम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुधीर कुमार शर्मा आदि मौजूद थे।

सीएम ने यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के लोगो का किया अनावरण

सोनभद्र में सलखन जीवाश्म पार्क को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की मान्यता मिले, इसके लिए ईको टूरिज्म विकास बोर्ड एवं बीरबल साहनी पुरावनस्पति विज्ञान संस्थान लखनऊ के मध्य एमओयू भी किया गया। नई ईको पर्यटन इकाई स्थापित करने वाले जालौन के केशवेंद्र सिंह, मनीष मल्होत्रा समेत तीन लोगों को सीएम ने सम्मानित भी किया। सीएम योगी ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में ईको पर्यटन पर लघु फिल्म भी दिखाई गई। इस अवसर पर सीएम ने उप्र ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के लोगो का अनावरण किया।

पुरानी पेंशन को लेकर योगी सरकार का बड़ा फैसला

28 मार्च 2005 से पूर्व के विज्ञापनों पर नौकरी पाने वालों को मिलेगा लाभ

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरानी पेंशन को लेकर बड़ा फैसला लिया है। 28 मार्च 2005 से पहले प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सरकारी नौकरी पाने वालों को पुरानी पेंशन स्कीम का विकल्प चुनने का अवसर मिलेगा। इससे करीब 50 हजार शिक्षक लाभान्वित होंगे।

यूपी सरकार ने 28 मार्च 2005 को यह प्रावधान किया था कि 1 अप्रैल 2005 या उसके बाद कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के दायरे में होंगे। यह प्रावधान राज्य सरकार के कार्मिक, शासन के नियंत्रण वाली स्वायत्तशासी संस्थाओं और शासन से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के कर्मियों व शिक्षकों पर लागू किया गया।

तमाम ऐसे शिक्षक व कार्मिक हैं, जिनकी नियुक्ति 1 अप्रैल 2005 को या उसके बाद हुई, लेकिन उस नौकरी का विज्ञापन 28 मार्च 2005 से पहले निकला था। ये कर्मी लंबे समय से उन्हें पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ देने की मांग कर रहे थे। केंद्र सरकार इस तरह के कर्मियों को पहले ही यह सुविधा दे चुकी है।

कैबिनेट से अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार, ऐसे कार्मिक जिनकी नियुक्ति 1 अप्रैल 2005 को या उसके बाद हुई है, लेकिन नियुक्ति के लिए पद का विज्ञापन एनपीएस लागू किए जाने संबंधी अधिसूचना जारी होने की तिथि 28 मार्च 2005 से पूर्व प्रकाशित हो चुका था, उन्हें पुरानी पेंशन योजना का एक बार विकल्प उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया है।

ओम बिरला के नेतृत्व में नई ऊंचाइयां पाएगी संसदीय गरिमा : योगी

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई दी। सीएम योगी ने कहा, जनप्रिय, मृदुभाषी राजनेता ओम बिरला जी को लगातार दूसरी बार लोकसभा का अध्यक्ष चुने जाने पर हृदयतल से बधाई! पूर्ण विश्वास है कि आपके यशस्वी नेतृत्व में भारतीय लोकतंत्र के मंदिर संसद की गरिमा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी। आपके स्वर्णिम कार्यकाल हेतु अनंत मंगलकामनाएं!

गौरतलब है कि ओम बिरला राजस्थान की कोटा लोकसभा सीट से सांसद चुने गए हैं। राजग की तरफ से मंगलवार को उन्हें लोकसभा अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया गया था, लेकिन बुधवार को ध्वनिमत से वे अध्यक्ष चुन लिए गए।

कांग्रेस में चेहरे बदले हैं, चरित्र आज भी अधिनायकवादी : योगी

▪ आपातकाल पर निंदा प्रस्ताव के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार जताया

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। संसद में आपातकाल के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की ओर से पढ़े गये निंदा प्रस्ताव का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समर्थन किया है। उन्होंने इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की वर्तमान पीढ़ी को ये जानने का अधिकार है कि कांग्रेस ने आजादी के बाद लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ किस प्रकार का बर्ताव किया था। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस में आज भले ही चेहरे बदल गये हों, मगर इसका चरित्र अधिनायकवादी और तानाशाही पूर्ण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने आपातकाल के विरोध में एक निंदा प्रस्ताव पढ़ा है, इसके लिए उनका हृदय से अभिनंदन। हम सब जानते हैं कि 25 जून 1975 की मध्य रात्रि में तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में उस संविधान का गला घोंटने का कार्य किया था, जिसकी शपथ लेकर वह देश की पीएम बनी थीं। ये देश के लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास था। कांग्रेस के इस काले कारनामों को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है। आज भारत की संसद ने वही कार्य किया है। कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व संविधान के नाम पर और आरक्षण समाप्त करने के नाम पर देश को गुमराह करता रहा है।

लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं पर कांग्रेस का आज भी विश्वास नहीं है। भारत की हर संवैधानिक संस्था को कटघरे में खड़ा करना, विदेशों में भारत के लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करना इनकी फितरत है। इन्होंने 75 बार संविधान में संशोधन किये। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को बर्खास्त करने का कार्य किया है। देश की अखंडता के साथ खिलवाड़ किया है। इनके काले कारनामे की फेहरिस्त में आपातकाल भी आता है। वर्तमान पीढ़ी को इनके काले कारनामों से अवगत कराने के लिए ये निंदा प्रस्ताव पढ़ा गया है। ये एक साहसिक कदम है, जिसके लिए ओम बिड़ला जी अभिनंदन के पात्र हैं।

आईटीआई में प्रवेश के लिए मिलेगी विकल्प चुनने की खुली छूट

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से योग्य बनाने के लिए योगी सरकार ने राजकीय एवं निजी आईटीआई में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को विकल्प चुनने की खुली छूट प्रदान की है। दरअसल, 2024-25 के साथ आगामी अन्य सत्रों के लिए प्रदेश के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया को संशोधन के साथ निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार अब अभ्यर्थी अपनी स्वेच्छा से ग्रुप ए एवं बी राजकीय व निजी आईटीआई के वरीयता क्रम में प्रदेश के किसी भी जनपद, संस्थान एवं पाठ्यक्रम का विकल्प दे सकेंगे। पहले जो व्यवस्था थी, उसमें राजकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए अधिकतम 3 जनपदों, 6 संस्थानों और 10 व्यवसाय का विकल्प दे सकते थे, जबकि निजी आईटीआई के लिए यह सीमा 3 जनपदों के अधिकतम 25 संस्थानों तक थी।

प्रदेश के कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि संशोधित प्रवेश प्रक्रिया के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए जो व्यवस्था निर्धारित की गई है उसके अनुसार अभ्यर्थी द्वारा स्वेच्छा से ग्रुप ए एवं बी राजकीय आईटीआई व निजी आईटीआई के वरीयता क्रम में प्रदेश के किसी भी जनपद, संस्थान, व्यवसाय एवं पाठ्यक्रम का विकल्प जोड़ने की सुविधा प्राप्त होगी। इसी तरह, निजी आईटीआई में प्रथम एवं द्वितीय चरण में रिक्त सीटों के विरुद्ध जनपद, संस्थान, व्यवसाय एवं पाठ्यक्रम के उच्चीकृत विकल्प को दिए जाने के लिए फ्रीज/फ्लोट की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी।

शैक्षिक योग्यता की मेरिट के आधार पर सभी चार चरणों में ऑनलाइन सीटों के आवंटन की प्रक्रिया में भी संशोधन किया गया है। इसके तहत अब राजकीय एवं निजी आईटीआई में प्रथम चरण में किसी भी ग्रुप में सीटों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए उस ग्रुप की वरीयता सूची के क्रम में अभ्यर्थियों को सीट आवंटित की जाएगी। इसमें देखा जाएगा कि अभ्यर्थी द्वारा अंकित प्रथम वरीयता के अनुसार क्या उसकी मेरिट एवं आरक्षण वर्ग के आधार पर सीट आवंटित की जा सकती है या नहीं। यदि ऐसा नहीं है तो उसके द्वारा वरीयता क्रम में चिह्नित अगले जनपद, संस्थान, व्यवसाय एवं पाठ्यक्रम के लिए यही प्रक्रिया दोहराई जाएगी, जब तक उसके द्वारा वरीयता क्रम में चिह्नित समस्त जनपद, संस्थान, व्यवसाय एवं पाठ्यक्रम में कोई सीट अवांटित न हो जाए। इसके अलावा, प्रथम चरण में किसी भी ग्रुप में सीटों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए ग्रुप की वरीयता सूची के क्रम में अभ्यर्थियों को सीट आवंटित की जाएगी।

प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण में राजकीय/निजी आईटीआई में प्रथम चरण में प्रवेश लेने वाले ऐसे अभ्यर्थियों को जिन्हें अपने उच्च विकल्प के जनपद/संस्थान/व्यवसाय एवं पाठ्यक्रम नहीं प्राप्त हुए,लेकिन प्रथम चरण में कुछ अभ्यर्थियों के प्रवेश न लेने के कारण उन्हें उनके उच्च विकल्पों में प्रवेश का अवसर मिल सकता है। हालांकि, ऐसे अभ्यर्थी यदि अपने विकल्प में बदलाव चाहेंगे तो सीट रिक्त होने राजकीय संस्थान में प्रवेशित अभ्यर्थी को राजकीय संस्थान में और निजी संस्थान में प्रवेशित अभ्यर्थी को निजी संस्थान में अपग्रेडेशन का अवसर प्राप्त होगा। अपग्रेडेशन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सबसे पहले ऐसे अभ्यर्थियों को अलग कर दिया जाएगा जिन्हें प्रथम चरण में कोई भी संस्थान आवंटित हुआ था। इसके बाद बाकी बची सीटों के लिए आवंटन की प्रक्रिया पुनः प्रथम चरण के अनुसार चलाई जाएगी तथा अपग्रेडेशन सूची एवं द्वितीय चयन सूची दोबारा परिषद की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी।

द्वितीय चरण के बाद राजकीय/निजी आईटीआई में अभ्यर्थियों के उच्चीकरण की प्रक्रिया द्वितीय चरण के अनुसार करते हुए रिक्त सीटों का विवरण तैयार कर वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा तथा अभ्यर्थियों का पुनः विकल्प प्राप्त करते हुए पंजीकरण की कार्यवाही की जाएगी। यदि कोई अभ्यर्थी नया विकल्प नहीं देना चाहता है, तो उसके प्रवेश फॉर्म में दिए गए विकल्प पर ही उसकी मेरिट के अनुसार उसे प्रथम चरण के अनुसार जनपद/संस्थान/व्यवसाय एवं पाठ्यक्रम आवंटित कर दिया जाएगा। पंजीकरण के बाद चयन प्रक्रिया 4 दिनों में पूर्ण कर ली जाएगी तथा अभ्यर्थियों को प्रवेश लेने के लिए अधिकतम 5 दिनों का समय प्रदान किया जाएगा। तृतीय चरण में सीटों के आवंटन में केवल ऐसे अभ्यर्थियों पर विचार किया जाएगा, जिन्हें प्रथम एवं द्वितीय चरण में कोई सीट आवंटित नहीं हुई है। इस चरण में आवंटन के बाद शेष सीटों को अनारक्षित करते हुए दोबारा प्रथम चरण की भांति सीट आवंटन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

परिवहन निगम के बस स्टेशनों पर यात्रियों को 24 घंटे मिलेगा ठंडा पानी

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। यात्रियों को आरामदायक यात्रा के साथ ही बस अड्डों पर भी उन्हें सभी तरह की सुविधाएं देने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में परिवहन निगम ने बुधवार को भारत पेट्रोलियम कंपनी के साथ एक एमओयू किया है।

इसके तहत परिवहन निगम के 100 बस स्टेशनों पर वाटर कूलर लगाए जाएंगे। वाटर कूलर लगने के बाद यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पानी 24 घंटे उपलब्ध रहेगा।

उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के निर्देश पर प्रदेश सरकार की मंशानुरूप यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम एवं भारत पेट्रोलियम कंपनी के मध्य 100 बस स्टेशनों पर वाटर कूलर लगाने हेतु होटल ताज मे एमओयू साइन किया गया। एमओयू हस्ताक्षरित करते समय परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर, अपर प्रबंध निदेशक प्रणता ऐश्वर्या, मुख्य प्रधान प्रबंधक प्राविधिक राजीव आनंद तथा सभी प्रधान प्रबंधक उपस्थित थे।

भारत पेट्रोलियम की तरफ से राहुल टंडन, बिजनेस हेड मनोज मेनन उपस्थित थे।

प्रबंध निदेशक ने बताया कि बस स्टेशन पर 100 वाटर कूलर लगने के उपरांत यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पानी 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। बीपीसीएल द्वारा यह कार्रवाई कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) उत्तरदायित्व के अंतर्गत की गई है। यह वाटर कूलर 80 लीटर पानी की क्षमता के होंगे। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी बीपीसीएल परिवहन निगम के साथ जुड़कर अन्य क्षेत्र में कार्य करेगा। उल्लेखनीय है कि मै. बीपीसीएल द्वारा परिवहन निगम में डीजल आपूर्ति का कार्य अन्य कंपनियों के साथ-साथ प्रारंभ किया गया है।

थाने के अंदर दरोगा ने खुद को पिस्टल से उड़ाया, मौके पर मौत

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। बाराबंकी जिले के कोठी थाना के अंदर दिनदहाड़े एक युवा दरोगा ने पिस्टल से खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। कमरे से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार मृतक माइग्रेन नामक बीमारी से पीड़ित था। मौके पर पहुंचे एसपी दिनेश कुमार सिंह पड़ताल कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार कानपुर जिले के मूल निवासी अरुण यादव (26) कोठी थाने में दरोगा के पद पर तैनात थे। अरुण यहीं पर रहकर अपनी ड्यूटी करते थे। बुधवार की शाम देर तक वह कमरे से नहीं निकले तो अन्य पुलिसकर्मी देखने पहुंचे। खिड़की से झांकने पर अंदर उनका शव दिखाई पड़ा। यह पता चलते ही कोठी थाने में हड़कंप मच गया।

सूचना पाकर एसपी दिनेश कुमार सिंह समेत सभी पुलिस अधिकारी आनन फानन मौके पर पहुंच गए। कानपुर में रह रहे परिजनों को सूचना दी गई। फॉरेंसिक टीम भी बुला ली गई जो घटनास्थल की पड़ताल कर रही है।

संपादकीय

सैकड़ों हाजियों की दर्दनाक मौत

सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान सैकड़ों हाजियों की दुखद मौत की घटना हो गई है। इनमें से ज्यादातर लोगों की मौत का कारण अत्यधिक गमा बनी है, क्योंकि लोगों को 51 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान का सामना करना पड़ा। एक अरब राजनयिक के हवाले से बताया कि हज यात्रा के दौरान अकेले मिरत्र के 658 लोग मारे गए हैं। इंडोनेशिया का कहना है कि उसके 200 से ज्यादा नागरिकों की मौत हुई है, वहीं भारत ने 98 लोगों के मरने की जानकारी दी है। इसके अलावा पाकिस्तान, मलेशिया, जॉर्डन, ईरान, सेनेगल, ट्यूनीशिया, सूडान और इराक से स्वायत्त वरुदिस्तान क्षेत्र ने भी मौतों की पुष्टि की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि हज यात्रा के दौरान कई अमेरिकी भी मारे गए हैं। हज मुसलमानों का सबसे बड़ा धरमिक आयोजन है। यह इस्लाम की पांच मौलिक बुनियादों में से एक है। यह शारीरिक और आर्थिक रूप से सक्षम हर मुसलमान के लिए फ़र्ज या ज़रूरी है। यही वजह है कि हर साल एक तय समय पर दुनिया भर से मुस्लिम देशों के लाखों पुरुष और महिलाएं हज करने के लिए सऊदी अरब के शहर मक्का में जुटते हैं। सऊदी अरब का कहना है कि इस साल करीब 18 लाख लोगों ने हज यात्रा की है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में आधे ज्यादा लोगों ने तीर्थयात्री की तरह रजिस्ट्रेशन नहीं किया था, जिसके कारण उन्हें वातानुवूलित टेंट और बसों जैसी सुविधाएं नहीं मिल पाईं। सऊदी अरब ने हज यात्रा के दौरान हुई मौतों पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। अब बात करते हैं कि उन कारणों की जिसकी वजह से हज यात्रियों की इतनी तादाद में मौत हुई। हज यात्रियों को अत्यधिक गमा के अलावा शारीरिक श्रम भी करना पड़ता है। बड़ी-बड़ी खुली जगहों में रुकना पड़ता है जिसके कारण गमा ज्यादा लगती है। माना जा रहा है कि सऊदी अरब में इस बार बहुत ज्यादा गमा पड़ रही है। वहां चल रही हीटवेल के कारण इतनी बड़ी संख्या में हज यात्रियों की मौत हुई है। हज यात्रियों में कई बुजुर्ग और अस्वस्थ भी होते हैं। कई रिपोर्ट्स ऐसी आईं हैं कि जिसमें कहा गया है कि सऊदी अधिकारियों के वुप्रबंधन ने स्थिति को और खराब कर दिया। स्थिति यह हो गई है कि तीर्थयात्रियों के लिए पहले से तय जगहों पर भी यात्रियों को मुश्लिकों का सामना करना पड़ा। 38 साल की अमीना (बदला हुआ नाम) पाकिस्तान में इस्लामाबाद की रहने वाली हैं। वह कहती हैंमक्का में जिन टेंटों में हम रुके हुए थे, वे एयर वंडीशनर नहीं थे। जो वूलर वहां लगाए गए थे, उनमें ज्यादातर समय पानी होता ही नहीं था और शिकायत करने पर अधिकारी सुनते ही नहीं थे। एक प्राइवेट ग्रुप के लिए हज यात्रा का आयोजन करने वाले मोहम्मद आचा ने बीबीसी को बताया कि गर्मियों के दौरान एक सामान्य हज यात्री को दिन में करीब 15 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसकी वजह से उन्हें हीट स्ट्रोक, थकान और पानी की कमी की सामना करना पड़ता है। हर साल हज के दौरान होने वाली मौतों का वुछ लोगों के लिए एक कारण यह है कि कई यात्री जीवन भर की बचत करने के बाद, अपने जीवन के अंतिम समय में हज पर जाते हैं। कई मुसलमान इस उम्मीद में भी मक्का जाते हैं कि अगर किसी वजह से उनकी मौत हुई तो वह हज को दौरान होगी, क्योंकि पवित्र शहर में मरना और वहां दफन होना, किसी आशीर्वाद से कम नहीं माना जाता। ऐसे में मरने वालों की पहचान और उन्हें दफन करने जैसे मामलों का सभी तरह का खर्च सऊदी अरब सरकार ही उठाती है।

> एक अरब राजनयिक के हवाले से बताया कि हज यात्रा के दौरान अकेले मिरत्र के 658 लोग मारे गए हैं। इंडोनेशिया का कहना है कि उसके 200 से ज्यादा नागरिकों की मौत हुई है, वहीं भारत ने 98 लोगों के मरने की जानकारी दी है। इसके अलावा पाकिस्तान, मलेशिया, जॉर्डन, ईरान, सेनेगल, ट्यूनीशिया, सूडान और इराक से स्वायत्त वरुदिस्तान क्षेत्र ने भी मौतों की पुष्टि की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि हज यात्रा के दौरान कई अमेरिकी भी मारे गए हैं। हज मुसलमानों का सबसे बड़ा धरमिक आयोजन है। यह इस्लाम की पांच मौलिक बुनियादों में से एक है। यह शारीरिक और आर्थिक रूप से सक्षम हर मुसलमान के लिए फ़र्ज या ज़रूरी है। यही वजह है कि हर साल एक तय समय पर दुनिया भर से मुस्लिम देशों के लाखों पुरुष और महिलाएं हज करने के लिए सऊदी अरब के शहर मक्का में जुटते हैं। सऊदी अरब का कहना है कि इस साल करीब 18 लाख लोगों ने हज यात्रा की है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में आधे ज्यादा लोगों ने तीर्थयात्री की तरह रजिस्ट्रेशन नहीं किया था, जिसके कारण उन्हें वातानुवूलित टेंट और बसों जैसी सुविधाएं नहीं मिल पाईं। सऊदी अरब ने हज यात्रा के दौरान हुई मौतों पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। अब बात करते हैं कि उन कारणों की जिसकी वजह से हज यात्रियों की इतनी तादाद में मौत हुई। हज यात्रियों को अत्यधिक गमा के अलावा शारीरिक श्रम भी करना पड़ता है। बड़ी-बड़ी खुली जगहों में रुकना पड़ता है जिसके कारण गमा ज्यादा लगती है।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाएं

ललित गर्ग

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है।

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक

पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र "मोजॉयक" है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए।

दृष्टि कोण

अंधविश्वास व पाखंडों के विरुद्ध सशक्त स्वर के प्रतीक हैं कबीर

कबीर का जीवन, रचनाएं व विचार आज भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी समाज अंधविश्वास और वुरीतियों से निकला नहीं है। आज भी जात-पात और सांप्रादायिकता लोगों की सोच को विवृत किए हुए है। आज लोगों को कबीर व उनकी व्रांतिकारी परंपरा को आत्मसात करने की जरूरत है। अरुण वुमार वैहरबा हमारे देश में अनेक संतों व गुरुओं ने अपने समय के समाज को उसकी अच्छाइयों और बुराइयों के साथ सही-सही पहचाना। समाज को बदलने के लिए पाखंडों और बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलंद की। संत, कवि, समाज-सुधारक कबीर उन्हीं में से एक हैं। उनका व्यक्तित्व साहित्यकारों और आम लोगों को एक साथ आकर्षित करता है। निाय ही इसका मुख्य कारण उनकी रचनाएं ही हैं, जो आज भी कहावतों की तरह लोगों की जुबान पर चढ़ी हुईं हैं। उनकी साखियों और पदों को उदाहरण की तरह प्रस्तुत ही नहीं किया जाता, बल्कि गाया भी जाता है। भक्तिकाल के इस कवि की लोकप्रियता का क्या कारण है? यदि इस सवाल पर सोचते हैं, तो लगता है कि जैसे खरी-खरी कहने की प्रवृत्ति लोगों को पसंद आई है। लोग अंधविश्वासों, आडंबरों, जाति-व्यवस्था, वर्ण व्यवस्था से बुरी तरह आहत हैं। जब कोई व्यक्ति पूरी शिद्दत और गंभीरता से इनके प्रति विद्रोह करता हुआ दिखता है, तो वे उसके प्रति सम्मान का भाव प्रदर्शित करते हैं। सिर्प यही बात नहीं है बल्कि कबीर की रचनाओं के माध्यम से उन्हें बुराइयों का विरोध करने का औजार भी मिलता है। कबीर के जन्म, जन्म-स्थान व मृत्यु आदि के बारे में बहुत-सी धारणाएं हैं। कहा जाता है कि कबीर विधवा ब्रारणी के यहां 1398 को बनारस में पैदा हुए, जिसने लोकलाज से डर कर बच्चे को तालाब किनारे छोड़ दिया। नीरू और नामा नामक जुलाहा दम्पति ने वहां से बच्चे को उठा लिया और बच्चे का नाम कबीर रखा। जबकि वुछ विचारक कबीर का जन्म मुसलमान परिवार में हुआ मानते हैं। जन्म और पालन-पोषण पर एक दूसरे को काटने वाले विचारों पर ना भी जाएं तो भी एक बात दावे के साथ कही जा सकती है कि कबीर सांस्वृतिक एकता और सांझी संस्वृति की विरासत को धारण करते हैं और उसे आगे बढ़ाते हैं। कबीर का समय भारतीय इतिहास में अंतःकलह, अराजकता और घोर राजनीतिक-सामाजिक उथल-पुथल और संव्रांति-काल माना जाता है। समाज में तंत्र,मंत्र, मूर्ति पूजा, पाखंडों, आडंबरों, कर्मकांडों का बोलबाला था। ऐसे समय में कबीर ने कर्मकांड का विरोध किया। उन्होंने ईंश्वर को पाखंडों के जाल से निकाल कर सबकी सांसों से जोड़ दिया। उन्होंने परमात्मा को पुरोहितवाद के हाथों की कठपुतली नहीं रहने दिया। कबीर की रचनाओं में तीरथ, मूर्ति पूजा, मंदिर, मस्जिद, जप-तप, व्रत- उपवास, संन्यास आदि कर्मकांडों में भगवान की खोज करने वालों को भगवान स्वयं कहता है कि वे गलत दिशा में भटक रहे हैं। सही बात तो यह है कि भगवान सभी सांसों की सांस में है। भगवान के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। कबीर ने भेदभाव पर आधारित व्यवस्था में सभी मनुष्यों की समानता और न्याय का पक्ष लिया। उन्होंने अपनी कविताओं में वर्ण व्यवस्था की मार झेल रहे समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लोगों में हौंसले का संचार किया। उनका मानना था कि सभी मनुष्य बराबर हैं। यदि ऐसा नहीं होता तो सबके जन्म लेने में फर्व होता। कबीर कहते हैं— 'जेतू बामन बामनी जाया, तो आन बाट काहे नहीं आया।

जे तु तुरक तुरकनी जाया, तो भीतिरि खतना क्यूं न कराया।
एक बूंद एवै मल-मूत्र, एक चाम, एक गूदा।
एक जोति थै सब उतपना, कौ बामन कौ सूदा।'

कबीर कहते हैं कि सबमें एक ही परमात्मा का वास है—

कबिरा वुआं एक है, पानी भरें अनेक।
भांडे ही में भेद है, पानी सब में एक।
जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहने दो म्यान।।

कबीर अपने समय और समाज के शोधक हैं। वे धर्मग्रंथों के अध्ययन से अधिक महत्व ढ़ाई आखर के शब्द प्रेम को देते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रकार का विरोध झेलते हुए भी सच कहने का साहस नहीं छोड़ा। जात-पात, झूठ और पाखंड के पीछे धकेले जा रहे संसार पर हैरानी जताते हुए कहते हैं—साधो देखो जग बौराना, सांच कहौं तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।

कबीर दास का रचनाकाल 15वीं सदी था।

उनके समकालीन और बाद में हुए लगभग सभी संत कवियों ने कबीर के जीवन और काव्य को प्रेरणादायी माना है और उनके प्रति वृतज्ञता व्यक्त की है। उनके समकालीन और गुरुभाई पीपा, दादूदयाल, धर्मदास, 17वीं सदी के गरीबदास, 19वीं सदी के पलटूदास सहित कितने ही निर्गुण संत काव्य धारा के कवियों में कबीर रचे-बसे हुए थे। यहां तक कि संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अंबेडकर भी कबीर के जीवन और विचारों से प्रेरणा प्राप्त करते हैं।

कुछ अलग

कसौटी पर परखे जाएंगे तीन कानून

मनुष्यता के इतिहास में मूल्यगत परिवर्तन बड़े धीमे-धीमे होते हैं और कई बार तो सैकड़ों साल लग जाते हैं किसी ऐसे परिवर्तन को स्वीकृति प्राप्त करने में, जो हमारी समूची गतिविधियों को प्रभावित कर सकता हो। पिछली शताब्दी इस अर्थ में बड़ी महत्वपूर्ण रही है कि इसमें बदलाव बड़ी तेजी से घटित हुए। कई बार तो कुछ दशकों में ही इतने बडे. मूल्यगत परिवर्तन हुए, जितने कई शताब्दियों में हुआ करते थे। यौनिकता एक ऐसा ही क्षेत्र है, जिसमें बदलाव की सुनामी आसानी से महसूस की जा सकती है। लंबे संघर्षों के बाद मैग्नाकार्टा और फ्रांसीसी क्रांति के चरण पार करते हुए मानव इतिहास ने कानून की सर्वोच्चता को स्वीकार किया और धीरे-धीरे राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि मानने की धारणा कमजोर होती गई। इस बदलाव ने ही कानून के राज्य की अवधारणा को विकसित किया और वे सारे परिवर्तन संभव हुए, जिनकी कुछ शताब्दियों पहले कल्पना करना भी संभव न था। मनुष्य जाति पहले तो परिवर्तनों को नकारने की कोशिश करती है, पर एक बार स्वीकृत करने के बाद कुछ को नियमों या संहिताओं के रूप में संरक्षित करती है और फिर उनके माध्यम से अपने जीवन का संचालन करती है। ऐसा ही एक क्षण भारतीय राज्य के जीवन में 1860 के दशक में आया, जब पहली बार उसने बड़े विस्तार से अपराध को परिभाषित करने और समाज को उससे बचाने के उपायों पर विचार किया। इस दशक में भारतीय दंड संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे कानून अस्तित्व में आए और इनके जरिये भारतीय समाज ने अपराध और दंड की एक नई समझ विकसित की थी। यह समझ एक लंबे समय तक शासकों के तो काम आती ही रही, शासितों को भी उसने एक सर्वथा नई दुनिया से परिचित कराया। बेमन से ही सही, पर इन कानूनों को स्वीकृति मिली और लगभग दो शताब्दियों तक उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की, पर अब तो वर्षों से सारे हितधारक महसूस करने लगे थे कि इनकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है और इनमें बुनियादी परिवर्तनों की जरूरत है। बड़े परिवर्तनों के इस क्षण से भारतीय समाज का एक ऐसा ही साक्षात्कार 1 जुलाई को फिर होने जा रहा है, जब भारतीय दंड संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम अपने नए अवतार में उसे मिलेंगे। यह विचारना दिलचस्प होगा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम नामक ये तीनों नए कानून किस हद तक अपने समय की कसौटी पर खरे उतरेंगे और उससे भी बढ़कर किस हद तक जनापेक्षाओं की पूर्ति करेंगे। जैसे ही इन नए कानूनों के ड्रॉफ्ट सार्वजनिक हुए, उन पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। अनेक भाषाओं, बहुराष्ट्रीयताओं और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं वाले देश ने स्वाभाविक ही इनको अलग-अलग रूपों में लिया। 1860 के दशक में बने कानूनों ने दो अर्थों में बड़ा योगदान दिया था। पहला तो इनकी वजह से भारतीय समाज ने समानता जैसे मूल्य का सम्मान करना सीखा और दूसरा इन्होंने सही अर्थों में भारतीय उपमहाद्वीप को एक राष्ट्र-राज्य में तब्दील होने में मदद की थी। नए कानूनों की राह इसलिए आसान होगी कि अब समानता का विरोध करना काफी हद तक असंभव हो गया है। 1 जुलाई से लागू होने वाले कानूनों के समक्ष चुनौतियां दूसरी हैं और उन्हें पहले वाली से कमतर आंकना यथार्थ से मुंह चुराना होगा। देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एक सेमिनार में कहा कि इन विधेयकों का संसद से पारित होना एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि उनके ही शब्दों में दूसरे कानून हमारे समाज की रोजमर्रा की गतिविधियों को इन फौजदारी कानूनों से अधिक प्रभावित नहीं करते।

देश दुनिया से

विदेश नीति में दुविधा व संशय के निहितार्थ

> 18वीं लोकसभा के आगामी मानसून सत्र की दृश्यावली अवश्य ही भविष्य का मंज़र प्रस्तुत करेगी। लेकिन एक बड़ा खेल जो शेष दुनिया में चल रहा है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन मुख्य ध्रुव हैं, यह देखना रोचक होगा कि ये देश अशांत क्षेत्र में स्थिरीकरण शक्ति की हैसियत रखने वाले भारतीय दावे को किस तरह लेंगे। प्रथम चीज़ सर्वप्रथम, गत सप्ताह के शुरू में, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 79 वर्षीय अजीत डोभाल की—इस शक्तिशाली पद पर विराजमान, खुफिया विभाग के पूर्व मुखिया और अब तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार– नई दिल्ली में अपने अमेरिकी समकक्ष जैक सुलचि से भेंटवार्ता हुई, जिसका एक मुख्य उद्देश्य अमेरिका से भारत को महत्वपूर्ण तकनीकों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना था।

हालिया चुनावी परिणामों से, राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और हिंदुत्व के गढ़ के ऊपर भाजपा की मजबूत पकड़ ढीली पड़ी है और परेशानी बढ़ी है। 18वीं लोकसभा के आगामी मानसून सत्र की दृश्यावली अवश्य ही भविष्य का मंज़र प्रस्तुत करेगी। लेकिन एक बड़ा खेल जो शेष दुनिया में चल रहा है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन मुख्य ध्रुव हैं, यह देखना रोचक होगा कि ये देश अशांत क्षेत्र में स्थिरीकरण शक्ति की हैसियत रखने वाले भारतीय दावे को किस तरह लेंगे। प्रथम चीज़ सर्वप्रथम, गत सप्ताह के शुरू में, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 79 वर्षीय अजीत डोभाल की—इस शक्तिशाली पद पर विराजमान, खुफिया विभाग के पूर्व मुखिया और अब तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार– नई दिल्ली में अपने अमेरिकी समकक्ष जैक सुलचि से भेंटवार्ता हुई, जिसका एक मुख्य उद्देश्य अमेरिका से भारत को महत्वपूर्ण तकनीकों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना था। इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले, डोभाल और सुलिवन बगैर सहायकों व कमरे में किसी और की मौजूदगी रखे बिना मिले और यह बैठक कम-से-कम 30-40 मिनट चली। अवश्य ही किसी टेबल लैंप के बेस में या कीमती कलाकृति के पीछे रिकॉर्डिंग उपकरण छिपाया रहा होगा –जेम्स बॉन्ड की फिल्मों के शौकीन अब इतना तो जानते ही हैं- और दोनों ने ही बाद में अपने-अपने अधिकारियों से निजी वार्ता के मुख्य बिंदु साझा किए होंगे। परंतु यहां गलती न करें। बाकी मुलाकातें चाहे कितनी भी अहम रही हों जैसे कि आईसीईटी जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को लेकर या प्रधानमंत्री-सुलिवन भेंट या फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर और सुलिवन के बीच 'चाय पर चर्चा', कोई भी डोभाल-सुलिवन के मध्य निजी बातचीत जितनी महत्वपूर्ण नहीं थी (गौरतलब है कि इस बीच अमेरिका के उप-विदेशमंत्री कर्ट कैम्पबेल, जो कि चीन के मामले में अमेरिका के शीर्ष कूटनीतिज्ञ हैं, वे भी दिल्ली में थे)। और इसीलिए शेष तमाम विवरण नेपथ्य में चला गया– इसमें दिल्ली में शानदार सजावट वाला हैदराबाद हाउस, जो कि उच्चतम स्तर की तमाम राजनयिक वार्ताओं के लिए मुलाकात-स्थल है, वहां दिया आधिकारिक भोज भी शामिल है – यह शिष्टाचार निभाने के साथ अपने रुख पर दृढ़ रहने के उद्देश्य से भी है। अवश्य ही बातचीत का एक विषय न्यूयॉर्क वासी और खालिस्तान के पैरोकार गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास में भारत की कथित संलिप्तता के इर्द-गिर्द रहा होगा। न्यायालय में दाखिल अमेरिकी अभियोजन के अनुसार, एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता– जिसका चेक रिपब्लिक से अमेरिका को प्रत्यावर्तन ठीक उसी दिन हुआ जब नई दिल्ली में डोभाल-सुलिवन वार्ता जारी थी– उसको कथित तौर पर 'सीसी-1' नामक एक सह-साजिशकर्ता ने पन्नू को मरवाने का काम सौंपा। 'वाशिंगटन पोस्ट' ने अपने हालिया रहस्योद्घाटन में उसकी पहचान बताई है, जो कि भारत की विदेशों में गुप्तचर एजेंसी 'रॉ' में एक अधिकारी है। अब तक हमें यही सब पता है। हम यह भी जानते हैं कि जिस वक्त मामले की परतें खुल रही थी, भारतीयों ने अमेरिकियों को शांत करने के प्रयास किए, जिसके तहत उसके मूल कैडर में तबादला कर दिया गया। माना जाता है कि वह देश में लौट चुका है और मक्खियों और भावी-माओवादी, दोनों पर, घात लगाकर कार्रवाई के काम में व्यस्त होगा। पन्नू को मारने का यह कथित काम आज से ठीक एक साल पहले यानी 22 जून को अंजाम दिया जाना था –बेशक अमेरिकी एजेंटों ने इसे नाकामयाब कर दिया, तभी तो पन्नू आज भी जिंदा है, और शायद न्यूयॉर्क स्थित अपने घर में 'बैजल-एंड-चीज़' या फिर आलू के परांठों का आनंद ले रहा होगा। हालिया लोकसभा चुनाव में वह लोगों को पंजाबी में दिए अपने वॉयस-मैसेज में आह्वान कर रहा था कि वे अमृतपाल सिंह जैसे कट्टरपंथियों को जिताएं, भले ही वह खडूर साहिब सीट जीत भी गया, लेकिन इसके पीछे बड़ी वजह है पंजाब का 'दिल्ली' के प्रति स्थाई गुस्सा न कि पन्नू के पृथकतावादी संदेशों से बना भावावेश। भावार्थ यह कि पन्नू जिंदा हो या मुर्दा, वह अप्रांसगिक है। इस मुद्दे पर सुलिवन और डोभाल ने अपने हिसाब से इस विषय को निपटाया होगा, डोभाल माफी मांगने वालों में नहीं हैं– अपने आत्मसम्मान का ख्याल रखने वाला कोई भी खुफिया अधिकारी ऐसा कभी नहीं करना चाहेगा, और फिर वे क्षमायाचना करें भी किसलिए – लेकिन सभी पक्षों को मालूम है कि उच्च दांवों वाले इस खेल में सभी मुल्क एक-दूसरे की अक्ल, ताकत और कूवत को नापते हैं, जो कि आज भारत का हाथ कुछ हल्का है।

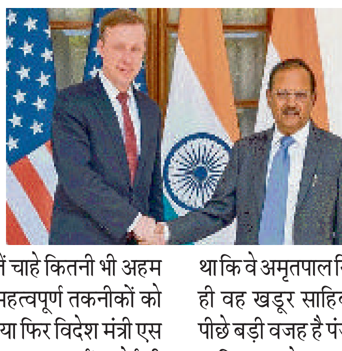

आप का नजरिया

मुआवजा नहीं दे सकते

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वेंद्र से सवाल किया कि क्या प्राधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राष्ट्रीय आपदा प्राबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कोविड-19 से मरने वालों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्राह राशि देने का पैसला किया था। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि लाभार्थियों के मन में किसी भी तरह के मलाल को दूर करने के लिए एक समान मुआवजा योजना तैयार करने पर विचार किया जा सकता है। कोरोना के संव्रामण से मरने वालों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए का मुआवजा मिल पाना अब संभव नहीं होगा। वेंद्र का कहना है कि कोरोना के कारण की जा रही व्यवस्थाओं तथा कर राजस्व में कमी के कारण वेंद्र और राज्य सरकारें गंभीर वित्तीय तनाव से गुजर रही हैं और कोरोना संव्रामण से मरने वाले सभी लोगों के आश्रितों को मुआवजा देना राजकोषीय सामर्थ्य से बाहर की बात है। हालांकि वेंद्र ने न्यायालय से यह भी कहा—ऐसा नहीं है कि सरकार के पास धन नहीं है। वेंद्र ने कहा—हम स्वास्थ्य सेवा ढांचा बनाने, सभी को भोजन सुनिाति करने, पूरी आबादी का टीकाकरण करने और अर्थव्यवस्था को वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज उपलब्ध कराने के लिए रखे गए कोष की बजाय अन्य चीजों के कोष का उपयोग कर रहे हैं। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एमआर शाह की अवकाश पीठ ने सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा—आप (वेंद्र) सही स्पष्टीकरण दे रहे हैं, क्योंकि वेंद्र सरकार के पास पैसे नहीं हैं का तर्व देने से व्यापक दुष्परिणाम होंगे। वेंद्र ने माना है कि कोरोना से अब तक 3.85 लाख लोगों की जान जा चुकी है, इसलिए इनके लिए 22,184 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया गया तो राज्य आपदा रिस्पांस पंड कम पड़ जाएगा और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए धन ही नहीं बचेगा। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ने की आशंका है। यह तो मानना ही पड़ेगा कि सरकार के पास रत्रोत सीमित हैं, इन पर अतिरिक्त बोझ अन्य वैलपेयर व हेल्थ स्कीमों के पंड को कम कर देगा। वेंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दिए गए हलफनामे में कहा है कि यह उल्लेख करना कि अनुग्राह राशि से ही किसी पीड़ित की मदद की जा सकती है, पुराना और संकीर्ण दृष्टिकोण होगा। वेंद्र ने कहा कि कोरोना महामारी, भूवंप या बाढ़ की तरह एक बार की आपदा नहीं है, जिसके लिए पीड़ितों को सिर्प पैसे से मुआवजा दिया जा सकता है। वेंद्र ने कहा कि आपदा कानून के तहत अनिवार्य मुआवजा सिर्प प्रावृतिक आपदाओं जैसे भूवंप, बाढ़ आदि पर ही लागू होता है। लंबी अवधि की किसी आपदा जो महीनों, वर्षो तक चले, में अनुग्राह राशि देने का कोई पूर्व उदाहरण नहीं है। वास्तव में भारत जैसे कल्याणकारी देश में सरकारों की असली परीक्षा आपदाओं और जरूरतों के समय ही होती है। इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि यह महामारी बाढ़ या भूवंप जैसी आपदा नहीं है और डेढ़ साल बीतने के बावजूद अभी खत्म नहीं हुई है। बेशक पूरे देश में दूसरी लहर का प्राभाव अब कम हो गया है।

मॉनसूून की पहली बारिश में ही नेपाल के कई जिले जलमग्न, अलर्ट जारी

काठमांडू, 26 जून । (एजेंसियां) । नेपाल में मॉनसून प्रवेश करने के साथ हुई बारिश के बाद देश के कई जिले जलमग्न हो गये हैं। पिछले चौबीस घंटे से लगातार हो रही बारिश में आधा दर्जन से अधिक जिलों में जलजमाव के कारण आम लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

नेपाल में मॉनसून प्रवेश करने के साथ ही देश के पूर्वी और मध्य क्षेत्र में लगातार बारिश होने से पूर्व के मोरंग, सुनसरी और झापा के अधिकांश जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई गांव पूरी तरह से जलमग्न हैं तो शहरी इलाकों के निचली हिस्से भी जलमग्न हो गए हैं। इसी तरह से पश्चिम के रूपन्देही और कपिलवस्तु जिलों में भी बारिश के कारण जल जमाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि नेपाल के इन इलाकों में 95 मिलीमीटर से लेकर 150 मिलीमीटर तक बारिश हुई है। विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक झापा जिले में 154 मिलीमीटर बारिश हुई है जबकि कास्की में 148 मिलीमीटर बारिश हुई है।

नेपाल के मौसम विभाग ने आज दिनभर देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है। विभाग की तरफ से कई जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि आने वाले 24 घंटों में नेपाल के कोशी, गण्डकी, नारायणी, बागमती नदी का जलस्तर काफी बढ़ने वाला है। इस कारण से तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा गया है।

भूस्खलन से कई लोगों की मौत

भारी बारिश के कारण कई मैदानी इलाकों में बाढ़ की स्थिति है तो पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन से कई लोगों की मौत की भी सूचना है। विराटनगर में 500 से अधिक मकानों में पानी भर गया है। कास्की, चितवन में भी शहरी इलाकों में पानी भरने के कारण बाढ़ से लोग परेशान हो गए हैं जबकि लमजुंग और चितवन में भूस्खलन से कम से कम 6 लोगों के मौत की सूचना है। इनमें से चार का शव निकाला जा चुका है और बाकी दो शवों को ढूंढने का प्रयास जारी है।

न्यूज ब्रीफ

भीषण गर्मी के चलते अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का स्टैच्यू पिघला

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी में अत्यधिक गर्मी से गंभीर पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का मोम का स्टैच्यू पिघल गया है। 6 फीट लंबी मोम की प्रतिमा का ऊपरी सिरा पिघलकर नीचे धंस गया है। गर्दन का हिस्सा पूरी तरह नीचे की तरफ झुक गया है। खुले आसमान के नीचे बनी इस प्रतिमा के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि सप्ताह के आखिर में वाशिंगटन डीसी में तापमान तीन अंक (फारेनहाइट) तक बढ़ गया। भीषण गर्मी के कारण स्टैच्यू का सिर अलग हो गया और उसके बाद पैर अलग हो गए, केवल धड़ ही बचा। वहीं जिस मोम की कुर्सी पर लिंकन का स्टैच्यू बनाया गया था वह भी धंस गई. लिंकन मेमोरियल स्टैच्यू के क्षतिग्रस्त सिर की फिलहाल मरम्मत चल रही है। स्टैच्यू की गर्दन का तार निकला हुआ है जिसे ठीक किया जा रहा है। वर्जीनिया स्थित कलाकार सैंडी विलियम्स द्वारा इस मोम की वैक्स स्टेच्यू को बनाया था। गैर-लाभकारी कल्चर डीसी द्वारा निर्मित यह स्मारक गैरीसन एलीमेंट्री स्कूल के मैदान में स्थित है, जो कभी कैंप बार्कर का स्थल था। यहां एक नागरिक युद्ध-युग का शरणार्थी शिविर था। वर्जीनिया स्थित कलाकार सैंडी विलियम्स ने द्वारा इस मोम की वैक्स स्टेच्यू को बनाया था। यह सिर्फ एक स्टेच्यू ही नहीं बल्कि एक कार्यात्मक मोमबत्ती भी है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब कलाकृति को पिघलने की समस्या का सामना करना पड़ा है।बता दें कि इन दिनों भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में भीषण गर्मी पड़ रही है। जिससे लोगों का जीना मुहाल हो गया है। गर्मी का आलम ये है लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका में भी गर्मी का प्रकोप जारी है। जिसका असर वहां के नागरिकों के साथ ही मूर्तियों पर भी पड़ रहा है। अमेरिका में चिलचिलाती गर्मी की वजह से देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की मोम की स्टैच्यू को भी नुकसान पहुंचा है।

भारतीय मूल के युवक को 10 साल की कैद, दो गुटों की लड़ाई में था शामिल, एक व्यक्ति की गई थी जान

भारतीय मूल के एक युवक को एक मामले मे एक साल की जेल और 2,000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। 2023 में एक होटल में एक झगड़े में युवक शामिल था, इस झगड़े में एक की व्यक्ति की मौत हो गई थी। शार्विन जय नायर ने मंगलवार को भारतीय मूल के शर्विन जय नायर को एक मामले में सजा सुनाई गई। यह मामला वर्ष 2023 का है। जहां दो गुटों में एक होटल में लड़ाई हो गई। इस दौरान दूसरे गुट के एक युवक की मौत हो गई। इस मामले में मोहम्मद इसरत इस्माइल को दोषी करार दिया गया। एक ऑर्चर्ड रोड के पर्यटक मोहम्मद इसरत इस्माइल की इस झगड़े में मौत हुई थी। उसने अन्य आरोपों को भी स्वीकार किया। उसे यहां की एक अदालत ने 12 महीने और आठ सप्ताह की जेल की सजा सुनाई। वहीं झगड़े में कथित संलिप्तता के लिए 10 से अधिक लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में एक अन्य भारतीय मूल का व्यक्ति, 29 वर्षीय अस्वैन पचन पिल्लई सुकुमारन भी शामिल है। उस पर भी जिस पर इसरत की हत्या का आरोप है। उप लोक अभियोजक कैथी चू ने कहा कि झगड़े में शामिल दो समूह दो प्रतिद्वंद्वी गुप्त समाजों से संबंधित थे। स्वेच्छा से चोट पहुँचाने के दोषी पाए जाने वालों को तीन साल तक की जेल या 5,000 सिंगापुर डॉलर तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

नाटो के नए महासचिव बने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रूटे, नार्वे के इस नेता की जगह संभालेंगे कामकाज

ब्रुसेल्स। नाटो ने बुधवार को नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूटे को अपना अगला महासचिव नियुक्त किया है।

रूटे को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब यूक्रेन में युद्ध जारी है और यूरोपीय सुरक्षा के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है। ब्रुसेल्स में 32 देशों के गठबंधन के मुख्यालय में नाटो राजदूतों की बैठक के दौरान रूटे की नियुक्ति पर मुहर लगाई गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके समकक्ष नौ से 11 जुलाई को वाशिंगटन में एक शिखर सम्मेलन में औपचारिक रूप से उनका स्वागत करेंगे। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री एक अक्तूबर को महासचिव का पदभार संभालेंगे। वह नार्वे के जेन्स स्टोल्टेनबर्ग की जगह लेंगे। बता दें, स्टोल्टेनबर्ग ने इस पद पर एक दशक से अधिक समय बिताया है। साल 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद निरंतरता बनाए रखने के लिए, उनके कार्यकाल को बार-बार बढ़ाया गया था। स्टोल्टेनबर्ग ने कहा, 'मैं अपने उत्तराधिकारी के रूप में मार्क रूटे को नाटो सहयोगियों द्वारा चुने जाने का स्वागत करता हूं। मार्क एक मजबूत नेता हैं। मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं।

इस्राइल की नई चेतावनी

गाजा में जल्द होगा हमास शासन का खात्मा नेतन्याहू ने सरकार चलाने का फार्मूला बताया

यरूशलम, 26 जून (एजेंसियां) । हमास और इस्राइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं, इस्राइल अपने लक्ष्य पर डटा हुआ है। उसका कहना है कि वह जल्द ही उत्तरी गाजा में हमास शासन को बदलने की योजना लागू करेगा।

हमास के सदस्यों का होगा खात्मा

इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी ने मंगलवार को रीचमैन विश्वविद्यालय के वार्षिक हर्जलिया सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमास की शासन करने की क्षमता को खत्म करने से उन देशों के लिए अवसर खुलेंगे, जो गाजा में सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि गाजा में जो नया नेतृत्व होगा, उसमें इस्राइल के अब्राहम समझौते के साझेदार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र शामिल होंगे। वहीं इस्राइली सेना हमास के सदस्यों को ढूंढ-ढूंढ कर खत्म करना जारी रखेगी।

अब यह नई योजना

हानेग्बी ने कहा, 'हम लंबे समय से इस योजना के बारे में बात कर रहे हैं। मगर तब हमारी कोशिश थी कि हमास को पूरी तरह से खत्म करना। हालांकि अब हमें इसके पूरी तरह से खत्म होने की प्रतीक्षा करने की जरूरत नहीं है। उस प्रक्रिया में लंबा समय लग सकता है। इसलिए अब हमारी यही योजना है और इस पर अमेरिका भी सहमत हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि आप हमास को पूरी तरह से गायब नहीं कर सकते क्योंकि यह एक विचार है, एक अवधारणा है।

नेतन्याहू ने बताए इस्राइल के तीन युद्ध उद्देश्य

गौरतलब है, अमेरिका ने युद्ध के बाद गाजा के शासन के लिए एक दृष्टिकोण स्पष्ट करने के लिए इस्राइल के अधिकारियों पर दबाव डाला है। हालांकि बाइडन प्रशासन इस्राइल द्वारा गाजा पर कब्जा करने का हमेशा ही विरोध करता रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइल के तीन युद्ध उद्देश्य हैं हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश, सभी बंधकों की वापसी और यह सुनिश्चित करना है कि गाजा अब इस्राइल के लिए खतरा नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि युद्ध के बाद गाजा की देखरेख अरब देशों की सहायता से यहां के नागरिकों द्वारा की जाएगी। उन्होंने कट्टरपंथ-विरोधी प्रक्रिया का भी उल्लेख किया।

आठ माह से जारी जंग

हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

फलस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में कम से कम 549 फलस्तीनियों की मौत हो गई है। इस्राइल के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इसी अवधि में वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के हमलों में कम से कम 14 इस्राइली मारे गए हैं।

रूस के पूर्व रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख के खिलाफ वारंट जारी

हेग। रूस और यूक्रेन के बीच बीते दो साल से ज्यादा समय से भीषण जंग जारी है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने यूक्रेन में नागरिक ठिकानों पर हमले करने के लिए रूस के पूर्व रक्षा मंत्री और उसके सेना प्रमुख के खिलाफ मंगलवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किए। आईसीसी ने रूस के पूर्व रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू और चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वालेरी गेरासिमोव पर युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अमानवीय कृत्यों के अपराध का आरोप लगाया। अदालत की ओर से एक बयान जारी किया गया। जिसमें बताया गया है कि शोइगू और गेरासिमोव के खिलाफ इसलिए वारंट जारी किए गए क्योंकि न्यायाधीशों ने माना कि इस बात को मानने के लिए उचित आधार थे कि 10 अक्तूबर 2022 से 9 मार्च 2023 तक यूक्रेन के बिजली के बुनियादी ढांचे पर मिसाइल हमलों के लिए रूसी सशस्त्र बल जिम्मेदार हैं।

केन्या में हिंसक प्रदर्शन भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नैरोबी (केन्या), 26 जून (एजेंसियां) । केन्या में सरकार की प्रस्तावित कर बढ़ोतरी के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। नैरोबी में कम से कम पांच लोगों की इस हिंसा में मौत हो गई है और 150 से अधिक लोग घायल हैं। ऐसे में भारत ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

भारत ने केन्या में अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे सरकार द्वारा प्रस्तावित कर वृद्धि के खिलाफ पूर्वी अफ्रीकी देश में हो रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच अत्यधिक सावधानी बरतें और गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करें।

मंगलवार को केन्या की संसद में हजारों लोगों के घुसने और उसके एक हिस्से में आग लगाने के बाद पुलिस ने आंसू गैस और गोलियां चलाईं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने मंगलवार को 'हिंसा और अराजकता' के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही है।

केन्या में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट की गई सलाह में कहा, 'मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, केन्या में सभी भारतीयों को सलाह दी जाती है कि वे अत्यधिक सावधानी बरतें, गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करें और स्थिति साफ होने तक विरोध और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बचें।'

इसमें कहा गया, 'कृपया अपडेट के लिए स्थानीय समाचार और मिशन की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल को फॉलो करें।'

केन्या में पुलिस की मदद के लिए सेना को तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आंसू गैस, पानी की बौछार, रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया गया है। एमनेस्टी केन्या सहित कई गैर सरकारी संगठनों ने एक संयुक्त बयान में बताया कि पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है और 31 घायल हो गए।

बलूचिस्तान के गृहमंत्री का दावा- भारत करता है मदद

पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन टीटीपी के दो कमांडर गिरफ्तार

इस्लामाबाद, 26 जून (एजेंसियां) । पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के दो कुख्यात कमांडरों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आतंकवादियों की गिरफ्तारी संघीय कैबिनेट के ऑपरेशन आज्म-ए-इस्तेहकम को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद हुई हैं। प्रांत के गृहमंत्री मीर जियाउल्लाह लैंगोव ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान में जारी आतंकवादी गतिविधियों में पड़ोसी मुल्क भारत का हाथ है।

प्रांत के गृहमंत्री मीर जियाउल्लाह लैंगोव ने बुधवार को क्वेटा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के दो कुख्यात कमांडरों नसरुल्ला उर्फ मौलवी मंसूर और इदरीस उर्फ इरशाद को गिरफ्तार किये जाने की घोषणा की।

बलूचिस्तान के गृहमंत्री लैंगोव ने कहा कि आतंकवादी नसरुल्ला और इदरीस को मुश्किल अभियान के बाद गिरफ्तार किया जा सका। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) भारत के हाथों खेल रहे हैं। दोनों पड़ोसी मुल्क के इशारे पर पाकिस्तान में आतंकवादी हमले करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में रहस्यमय मौतों से हड़कंप, जांच के आदेश

इस्लामाबाद, 26 जून (एजेंसियां) । पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में रहस्यमय मौतों से हड़कंप मचा हुआ है। सिंध प्रांत के आंतरिक मंत्री जिया-उल-हसन लंजर ने राजधानी कराची में कहा कि रहस्यमय मौतों के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया गया है। समाचार चैनल एआरवाई न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की है।

आंतरिक मंत्री जिया-उल-हसन लंजर ने इन मौतों पर अफसोस व्यक्त करते हुए कहा है कि अगर जांच में लंबे समय तक लोड शेडिंग को इन मौतों का मुख्य कारण बताया गया तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दायर किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि समूचे कराची में लगातार तीसरे दिन शव सामने आते रहे। शहर के विभिन्न इलाकों में तीन और शव मिले। अधिकारियों के अनुसार, शव मंघोपीर, ओरंगी टाउन और गुलशन-ए-मयमार इलाके में फुटपाथ पर पाए गए। 50 वर्षीय मुनव्वर का शव ओरंगी नंबर 12 में पाया गया। इस बीच, गुलशन-ए में 50 वर्षीय व्यक्ति और मयमार क्षेत्र में मंघोपीर नहर के पास एक 35 वर्षीय व्यक्ति का शव प्राप्त हुआ।

पाकिस्तान के समाचार पत्र डान के अनुसार, कराची में दूसरे दिन मंगलवार को भी 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान रहा। सोमवार को कम से कम 10 लोगों के शव शहर के विभिन्न अस्पतालों में लाए गए। पिछले दो दिनों में यह आंकड़ा 20 हो गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि शवों पर चोट के कोई निशान नहीं हैं। अधिकांश शव लंबे समय से नशे के आदी लोगों के बताए गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, जाहिर तौर पर शहर में इन दिनों पड़ रही अत्यधिक गर्मी के कारण इनकी जान चली गई।

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी एक बार फिर बोले

मोदी 3.0 में अमेरिका और भारत एक साथ मिलकर करेगा काम

वॉशिंगटने, 26 जून (एजेंसियां) । अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने एक बार फिर भारत और अमेरिका संबंधों पर बात की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान जब महत्वाकांक्षी भारत अमेरिका के साथ मिलकर काम करेगा, तभी रक्षा साझेदारी, अहम उभरती प्रौद्योगिकियों और आर्थिक समृद्धि में प्रगति हासिल की जा सकती है।

द्विपक्षीय संबंधों के सपनों को हकीकत में बदलने का समय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को बधाई देते हुए गार्सेटी ने कहा कि मोदी का तीसरा कार्यकाल द्विपक्षीय संबंधों के सपनों को हकीकत में बदलने का समय है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, - 'मुझे लगता है कि मोदी 3.0 में हमारे लिए अपने सपनों को साकार करने और उन्हें हकीकत में बदलने का समय है।'

मोदी 3.0 में तीन चीजें होते हुए देखेंगे

अमेरिकी राजदूत ने कहा, 'चाहे रक्षा साझेदारी के लिए हम साथ मिलकर काम कर रहे हों, चाहे हमारी महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियां हों या आर्थिक समृद्धि लाने के लिए हम जो काम कर रहे हों, मुझे लगता है कि मोदी 3.0 में ये तीन चीजें महत्वाकांक्षी भारत को अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हुए देख सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि मोदी 3.0 इस बारे में है कि हम अमेरिका और भारत के बीच एक बार फिर ऐसे संबंध बनाएं जो न केवल हमारे लोगों के लिए बल्कि दुनिया में अच्छा काम करे। जो दुनिया को दिखा सके कि लोकतंत्र तानाशाही से बेहतर हैं। एक स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र एक ऐसी चीज है जो हर इंसान के लिए फायदेमंद है।'

भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर हाल ही में एक साल पूरा करने वाले गार्सेटी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान हमने राजकीय यात्रा देखी, राष्ट्रपति जी-20 के दौरान यहां आए और 150 से अधिक समझौते हुए। उन्होंने आगे कहा कि चाहे अंतरिक्ष की बात हो, सेहत की बात हो, रक्षा की बात हो या व्यापार की बात हो, हमने अतीत के संघर्षों को सुलझा लिया है और भविष्य की अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर आगे बढ़े हैं।

फिलहाल अमेरिका में मौजूद

राष्ट्रपति जो बाइडन के करीबी गार्सेटी फिलहाल सेलेक्ट यूएसए समिट में हिस्सा लेने के लिए वॉशिंगटन डीसी में हैं, जिसमें भारत का सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल शामिल है। वह सात वर्षों में पहली बार यूएस-इंडिया एविएशन समिट को भी संबोधित करेंगे।

भारतीय चुनावों पर एक सवाल के जवाब में लॉस एंजिलिस शहर के 53 वर्षीय पूर्व मेयर ने कहा, 'सबसे पहले 1.4 अरब लोगों के देश को मतदान के अधिकार का प्रयोग करते हुए देखना बहुत प्रभावशाली था, दुनिया में सबसे बड़ा लोकतांत्रिक चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जो काम किया गया था, वह देखना भी वाकई शानदार था। चुनाव लोगों द्वारा अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग करने के बारे में हैं। हमारे लिए यह देखना अद्भुत था। हम दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं।'

हम व्यापार के लिए इंतजार नहीं कर सकते

प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और एनडीए गठबंधन को उनके सफल चुनाव के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से यह नेताओं का एक समूह है, जिसे हम अच्छी तरह से जानते हैं, जिनका हम अच्छी तरह से सम्मान करते हैं और हम अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से काम करते हैं। हम व्यापार में वापस आने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। लेकिन मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि चुनाव के बीच में भी अमेरिका-भारत संबंधों में ठहराव नहीं आया और उन्होंने कुछ भी नहीं छोड़ा।'

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'हमने अहम काम करना जारी रखा। यहां तक कि भारतीय चुनाव के दौरान भी क्योंकि मैं जानता हूं कि यह दोनों देशों के बीच हमेशा चलता रहेगा।'

अपने राजदूत पद को दुनिया का सबसे अच्छा काम बताते हुए उन्होंने कहा कि वह दुनिया के चेहरे पर सबसे भाग्यशाली व्यक्ति की तरह महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से भारतीयों ने मेरा जो गर्मजोशी से स्वागत किया, मुझे वह पसंद आया। मुझे अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत करना पसंद है।'

एआईएफएफ ने सैफ अंडर-17 पुरुष चैम्पियनशिप शिविर के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की

नई दिल्ली, 26 जून ।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को सैफ अंडर-17 पुरुष चैंपियनशिप 2024 की तैयारियों के लिए 8 जुलाई से श्रीनगर में आयोजित होने वाले अंडर-17 राष्ट्रीय शिविर के लिए 31 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की है।

सात देशों का यह टूर्नामेंट 18 से 28 सितंबर तक भूटान में खेला जाएगा। भारत को ग्रुप ए में मालदीव और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि भूटान, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका ग्रुप बी में हैं।

सैफ अभियान समाप्त होने के बाद, टीम अक्टूबर 2024 में थाईलैंड में खेले जाने वाले 2025 एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के लिए श्रीनगर में प्रशिक्षण लेना जारी रखेगी।

संभावित खिलाड़ियों में से कई खिलाड़ी पिछले सितंबर में भूटान में सैफ पुरुष अंडर-16 चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

हेड कोच इश्फाक अहमद ने कहा, 'मैं इन प्रतिभाशाली युवाओं को कोचिंग देने की संभावना से उत्साहित हूं। इनमें से ज़्यादातर खिलाड़ी अंडर-17 यूथ लीग में खेल रहे थे, बाकी को हमारे स्काउट्स ने चुना है। यह अच्छी बात है कि कैंप श्रीनगर में आयोजित किया जाएगा। चूंकि टूर्नामेंट भूटान में है, इसलिए लड़कों को कैंप के दौरान ऊंचाई पर खेलने की आदत हो जाएगी।'

संभावित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है

गोलकीपरः रोहित, अहीबाम सूरज सिंह, नंदन रे।

डिफेंडरः थोंग्राम ऋषिकांत सिंह, लेखाचंद्र, मोहम्मद कैफ, अशर रेबेलो, याइफरेम्बा चिंगाखम, उषाम थोंगाम्बा, चिंगथम रेनिन सिंह, करिश सोरम, अब्दुल साल्हा, जोड्रिक अब्रांचेस।

मिडफील्डरः नगामगौहो मेट, लुनखांगम चोंगोली, किशोर तिवारी, लैशराम सूरज सिंह, लेविस जांगमिनलुन, बनलमकुपर रिनजाह, मोहम्मद सामी, विशाल यादव, मनभाकुपर मालंगियांग, मोहम्मद शमील, मोहम्मद अर्बाश, ब्रह्मचारिमयुं शर्मा।

फॉरवर्डः गिनमिनहाओ खोनसाई, प्रेम हंसदाक, अहोंगशांगबाम सैमसन, लैरेनजाम भारत, हेमनेचुंग लुंकिम, धीरटेन मेहरा।

मुख्य कोचः इश्फाक अहमद।

न्यूज ब्रीफ

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चुने गए कपिल देव

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव को सर्वसम्मति से प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया

(पीजीटीआई) का अध्यक्ष चुना गया है। कपिल, जो 2021 में बोर्ड के सदस्य बने और उन्होंने पीजीटीआई के उपाध्यक्ष के रूप में भी काम किया है, एचआर श्रीनिवासन का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। 65 वर्षीय कपिल ने कहा, "भारतीय पेशेवर गोल्फर पिछले कुछ सालों से बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आज हमारे पास ज़्यादातर बड़े टूर में भारतीय पेशेवर गोल्फर हैं और लगातार तीसरी बार ओलंपिक में हमारे दो गोल्फर होंगे। हमारा टूर मज़बूत है और हमें उम्मीद है कि अगले कुछ सालों में हम और भी मज़बूत होंगे।" पीजीटीआई कैलेंडर में सबसे आकर्षक इवेंट में से एक कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण टूर्नामेंट भी शामिल किया गया है, जो 2 करोड़ रुपये (लगभग 240,000 डॉलर) का गोल्फ इवेंट है।

सम्यक ने की धुआंधार बल्लेबाजी, कल्पना ने जीता मैच

लखनऊ। सुरज प्रसाद सचान मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन ने एनडीबीजी क्रिकेट क्लब को 146 रन से हरा दिया। कल्पना के सलामी बल्लेबाज सम्यक त्रिवेदी ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए सात चौका और चार छक्का की मदद से 68 बाल पर 87 रन बनाये। कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवरों में 261 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज सम्यक ने क्रीज पर आते ही धुआंधार बल्लेबाजी शुरू की और 68 बाल पर 87 रन बनाकर विद्यांश गुप्ता की गेंद पर बोल्ड हो गये। शुभम दुबे ने 17 रन का योगदान दिया। सत्य प्रकाश ने 25 रन व आकाश ने 14 रन जुटाए। अयान खान ने 24 बाल पर 42 रन बनाये। एनडीबीजी की टीम 115 रन बनाकर ही आउट हो गयी और कल्पना ने मैच को 146 रन से जीत लिया। एनडीबीजी के मनदीप ने 35 रन व यश कुमार ने 31 रन का योगदान दिया।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे ट्रेविस हेड, सूर्यकुमार यादव को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ते हुए बुधवार को जारी टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, "आईसीसी पुरुष टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में एक नया नंबर एक खिलाड़ी आ गया है, भारत के सूर्यकुमार यादव लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने के बाद दूसरे स्थान से खिसक गए हैं।" भारत के दाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार दिसंबर 2023 से पुरुषों की टी20आई रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे। लेकिन टी20 विश्व कप 2024 में हेड के प्रदर्शन ने उन्हें नंबर एक स्थान हासिल करने में मदद की। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड ने टी20 विश्व कप 2024 के अपने आखिरी सुपर आठ मैच में भारत के खिलाफ 76 रनों की पारी खेली। हालांकि, हेड का यह प्रयास बेकार गया और ऑस्ट्रेलिया को भारत से 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव दूसरे, इंग्लैंड के फिल साल्ट तीसरे, पाकिस्तान के बाबर आजम चौथे और मोहम्मद रिजवान पांचवें स्थान पर खिसक गए। कैरेबियाई बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स चार स्थान ऊपर उठने के बाद चार्ट में शीर्ष दस में पहुंचने वाले एकमात्र नए खिलाड़ी हैं। इस बीच, अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर उठकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी ने डीएलएस पद्धति के सह-निर्माता फ्रैंक डकवर्थ के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार देर रात डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस)

पद्धति के सह-निर्माता फ्रैंक डकवर्थ के निधन पर दुख व्यक्त किया है। इस पद्धति का उपयोग मौसम से प्रभावित सीमित ओवरों के खेलों में लक्ष्य निर्धारित करने के लिए किया जाता है। 84 वर्षीय डकवर्थ, जो 2014 तक आईसीसी के सलाहकार सांख्यिकीविद् थे, का शुक्रवार को निधन हो गया था। आईसीसी के महाप्रबंधक - क्रिकेट संचालन, वसीम खान ने डकवर्थ के निधन पर शोक व्यक्त किया और खेल में उनके योगदान को स्वीकार किया। वसीम खान ने कहा, "फ्रैंक एक शीर्ष सांख्यिकीविद् थे, जिनका सम्मान उनके साथियों के साथ-साथ व्यापक क्रिकेट बिरादरी द्वारा भी किया जाता था। उन्होंने जिस डीएलएस पद्धति का सह-निर्माण किया, वह समय की कसौटी पर खरी उतरी है और हमने इसकी शुरुआत के दो दशक से भी अधिक समय बाद भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इसका उपयोग जारी रखा है। फ्रैंक का खेल में योगदान बहुत बड़ा रहा है और उनके निधन से क्रिकेट की दुनिया को बहुत बड़ा झटका लगा है। हम उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं।" डकवर्थ को 2010 में ऑर्डर ऑफ़ द ब्रिटिश एम्पायर का सदस्य नियुक्त किया गया था।

पेरिस ओलंपिक-2024 की तैयारी

16 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां) ।

हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए 16 सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक होगा।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टीम में पांच ओलंपिक पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों के साथ, टीम एक नए दृष्टिकोण से भरी हुई है, जो बेंगलुरु के साई केंद्र में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में गहन प्रशिक्षण और तैयारी से प्रेरित है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व शीर्ष ड्रैग-फ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि शक्तिशाली मिडफील्डर हार्दिक सिंह उप-कप्तान होंगे। हरमनप्रीत अपने तीसरे ओलंपिक में खेलने के लिए तैयार हैं, उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय टीम के सबसे कम उम्र के सदस्य के रूप में पदार्पण किया और इसके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत में योगदान दिया।

टीम चयन पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पेरिस ओलंपिक की टीम के लिए चयन प्रक्रिया हमारे खिलाड़ियों में मौजूद प्रतिभा की गहराई के कारण अविश्वसनीय रूप से प्रतिस्पर्धी थी, हालांकि, मुझे विश्वास है कि चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी ने हमारे कठोर तैयारी चरण के दौरान असाधारण कौशल, समर्पण और लचीलापन दिखाया है। हमारी यात्रा उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और विश्व मंच पर भारतीय हॉकी को ऊपर उठाने के सामूहिक प्रयास से चिह्नित है।'

उन्होंने कहा, 'यह टीम अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा प्रतिभाओं का एक आदर्श मिश्रण है, जो हमें आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक बहुमुखी प्रतिभा और ऊर्जा प्रदान करती है। हमारा ध्यान एक ऐसी एकजुट टीम बनाने पर रहा है जो विभिन्न खेल शैलियों और स्थितियों के अनुकूल हो सके, और मुझे विश्वास है कि हमने इसे हासिल कर लिया है।'

उन्होंने कहा, 'जब हम पेरिस जा रहे हैं, तो हमारा लक्ष्य स्पष्ट है - दिल, कौशल और दृढ़ संकल्प के साथ खेलना। हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करने और सर्वोच्च पोडियम के लिए प्रयास करने के लिए तैयार हैं। यह टीम अवसर का लाभ उठाने और भारत को गौरव दिलाने के लिए तैयार है। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और आगे की यात्रा के लिए उत्साहित हैं।'

आगामी पेरिस 2024 ओलंपिक की बात करें तो भारत को मौजूदा चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने के लिए, टीम को अपने पूल में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान देश फ्रांस शामिल हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, इसके बाद 29 जुलाई को अर्जेंटीना के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके बाद वे क्रमशः 30 जुलाई और 1 अगस्त को आयरलैंड और बेल्जियम का सामना करेंगे, जबकि उनका अंतिम ग्रुप स्टेज मैच 2 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीमः

गोलकीपरः पीआर श्रीजेश।

डिफेंडरः जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय।

मिडफील्डरः राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद।

फॉरवर्डः अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मंदीप सिंह, गुरजंत सिंह।

वैकल्पिक खिलाड़ीः नीलकांत शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक।

टी20 विश्व कप

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले गुयाना पहुंची टीम इंडिया

जॉर्जटाउन, 26 जून (एजेंसियां) ।

रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल मैच से पहले बुधवार को गुयाना पहुंच गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक छोटी सी क्लिप शेयर की, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, स्पिनर अक्षर पटेल और अन्य खिलाड़ी सेमीफाइनल मैच से पहले गुयाना पहुंचे। एयरपोर्ट पर प्रशंसकों के एक समूह ने मेन इन ब्लू का स्वागत किया।

बीसीसीआई ने वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, 'टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए गुयाना पहुंच गई है।'

वर्तमान में, भारत चल रहे टी20 विश्व कप 2024 में शानदार फॉर्म में है। मेन इन ब्लू अभी भी इस मार्की इवेंट में अजेय है। रोहित शर्मा की टीम ऑस्ट्रेलिया को 27 रनों से हराने के बाद इस मैच में उतरेगी।

इस बीच, टीम इंग्लैंड भी सेमीफाइनल के लिए गुयाना पहुंच गई। इंग्लैंड क्रिकेट ने जॉर्जटाउन के लिए विमान में सवार होते ही एक ट्वीट पोस्ट किया जिसमें संदेश था 'निश्चित रूप से इंग्लैंड सेमीफाइनल में होगा।'

आखिरी बार भारत और इंग्लैंड के बीच पुरुष टी 20 विश्व कप सेमीफाइनल में मुकाबला 19 महीने पहले एडिलेड में हुआ था, जब जोस बटलर और एलेक्स हेल्स के बीच उल्लेखनीय ओपनिंग साझेदारी ने इंग्लैंड को 10 विकेट से जीत दिलाई थी।

बता दें कि भारत ने 2007 के बाद से टी 20 विश्व कप नहीं जीता है। भारतीय टीम ने आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीती थी, जब उन्होंने इंग्लैंड में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा किया था।

पीटी उषा ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने की वकालत की

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को एशियाई खेलों के कार्यक्रम में योग को शामिल करने की वकालत की है, क्योंकि देश इस व्यायाम की लोकप्रियता को बढ़ाना चाहता है।

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष राजा रणधीर सिंह को लिखे पत्र में दिग्गज एथलीट ने महाद्वीप के खेल समुदाय से एशियाई खेलों के कार्यक्रम में योग को शामिल करने का आग्रह किया।

उषा ने पत्र में कहा, '21 जून को दुनिया ने 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और इसके प्रति लोगों की प्रतिक्रिया बहुत बढ़िया रही। विभिन्न देशों के लोगों ने योग को अपनाया है और इससे लाभ उठाया है।'

उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह खेलों के सबसे बड़े उत्सवों में योग को शामिल करने के प्रयासों का नेतृत्व करे।

उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि योग के आध्यात्मिक घर और विश्वगुरु के रूप में भारत एशियाई खेलों और अंततः ओलंपिक खेलों में भी इस खेल को शामिल करने के लिए

अभियान चला सकता है।'

उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि पेरिस में प्रसिद्ध लूवर संग्रहालय आगंतुकों को अगले महीने ओलंपिक से पहले प्रशिक्षकों के साथ योग सत्रों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगा।

आईओए अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया एशियाई खेलों में योग के लिए मामला बनाने के विचार को बहुत प्रोत्साहित और सराहते हैं।

उषा ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि एशियाई खेलों में इसे शामिल करना इस खेल को ओलंपिक में ले जाने की दिशा में पहला कदम होगा। हमें अपने स्वदेशी खेल को ऐसे मंचों पर लाने की जरूरत है।'

महिला टी20 एशिया कप 2024

पहले दिन 19 जुलाई को भारत का सामना पाकिस्तान से

दांबुला, 26 जून (एजेंसियां) ।

महिला टी20 एशिया कप 2024 की शुरुआत 19 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच धमाकेदार मुकाबले से होगी। मंगलवार को एशियन क्रिकेट काउंसील (एसीसी) ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की।

भारत और पाकिस्तान दिन के दूसरे मैच के लिए मैदान में उतरेंगे, जबकि पहले दिन टूर्नामेंट के पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का सामना नेपाल से होगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत को यूएई और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में मेजबान श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड शामिल हैं।

एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा तैयार और घोषित कार्यक्रम के अनुसार, प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो 26 जुलाई को खेला जाएगा जबकि फाइनल 28 जुलाई को होगा। अपने अन्य मैचों में, भारत 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगा। प्रारंभिक चरण में प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे, जो 24 जुलाई तक जारी रहेंगे।

महिला टी20 एशिया कप 2024 का पूरा कार्यक्रम

19 जुलाईः यूएई बनाम नेपाल; भारत बनाम पाकिस्तान
20 जुलाईः मलेशिया बनाम थाईलैंड; श्रीलंका बनाम बांग्लादेश
21 जुलाईः भारत बनाम यूएई; पाकिस्तान बनाम नेपाल
22 जुलाईः श्रीलंका बनाम मलेशिया; बांग्लादेश बनाम थाईलैंड
23 जुलाईः पाकिस्तान बनाम यूएई; भारत बनाम नेपाल
24 जुलाईः बांग्लादेश बनाम मलेशिया; श्रीलंका बनाम थाईलैंड।
26 जुलाईः सेमीफाइनल 1; सेमीफाइनल 2
28 जुलाईः फाइनल।
मैच स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे और शाम 7 बजे खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप 2024

भारत के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट पेरिस ओलंपिक बर्थ के लिए करेंगे प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां) ।

देश के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट गुरुवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक बर्थ के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह चैंपियनशिप आगामी पेरिस खेलों के लिए अंतिम क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगी, जहां एथलेटिक्स स्पर्धाएं 1 अगस्त से शुरू होंगी। संयोग से, चार दिवसीय चैंपियनशिप का अंतिम दिन - 30 जून - ओलंपिक क्वालीफाइंग विंडो की समय सीमा के साथ मेल खाता है। शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे, क्योंकि 7 जुलाई को पेरिस डायमंड लीग से पहले कुछ ही दिन का अंतराल है, जिसमें उन्हें प्रतिस्पर्धा करनी है। उन्होंने पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में भाग लिया था, जिसमें स्वर्ण पदक जीता था।

पिछले महीने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि चोपड़ा को छोड़कर बाकी सभी एथलीटों के लिए पेरिस ओलंपिक के लिए चुने जाने के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा।

एएफआई के नियमों के अनुसार, अगर किसी एथलीट को ओलंपिक, एशियाई खेल या राष्ट्रमंडल खेलों जैसे प्रमुख बहु-खेल आयोजनों के लिए चुना जाना है, तो उसे राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना होगा, जब तक कि महासंघ किसी विशेष एथलीट या उसके कोच के अनुरोध पर छूट न दे। चोपड़ा की अनुपस्थिति में अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), किशोर जेना (पुरुषों की भाला फेंक), राम बाबू (पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल) और पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) जैसे खिलाड़ी चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे, जिनमें से सभी ने क्वालीफाइंग मानकों को पार करके पेरिस खेलों

के लिए स्थान पक्का कर लिया है। विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से पेरिस का टिकट बुक करने वाले अन्य एथलीट जैसे ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), डीपी मनु (पुरुषों की भाला फेंक), तजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुषों की शॉटपुट), जेसविन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और अब्दुल्ला अबूबकर (दोनों पुरुषों की ट्रिपल जंप) भी चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं।

धावक अनिमेष कुजूर, 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे - जिन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है - और लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह जैसे उभरते सितारे भी एक्शन में नज़र आएंगे। फेडरेशन कप से बाहर रहने के बाद राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मणिकांत होबलीधर भी एक्शन में वापस आने के लिए तैयार हैं और देश के सबसे तेज़ धावक के टैग के लिए कुजूर, अमलान बोरगोहेन और गुरिंदरवीर सिंह के साथ उनकी 100 मीटर दौड़ की प्रतिस्पर्धा देखना दिलचस्प होगा, हालांकि उनमें से किसी के भी पेरिस में जगह बनाने की संभावना नहीं है। फेडरेशन कप 200 मीटर स्वर्ण पदक विजेता कुजूर भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक बोरगोहेन के खिलाफ़ एक और मुकाबले में उतरेंगे। पेरिस बर्थ बुक करने वाली भारतीय पुरुष और महिला 4x400 मीटर रिले टीमों के लगभग सभी सदस्य व्यक्तिगत क्वार्टर-मील स्पर्धाओं में भाग लेंगे। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 20 किमी रेस वॉकर अक्षदीप सिंह, जिन्होंने पेरिस गेम्स क्वालीफाइंग मार्क को भी पार कर लिया है, प्रवेश सूची से गायब हैं। महिलाओं की 20 किलोमीटर पैदल चाल की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी, जिन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया है, सूची में नहीं हैं। पहले दिन केवल तीन फाइनल महिलाओं की हैमर थ्रो, पुरुषों की और महिलाओं की 500 मीटर दौड़ होंगे। इस चैंपियनशिप में श्रीलंका और मालदीव के कुछ एथलीट भी भाग ले रहे हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

बायजू को राहत, जांच में खामियां मिलीं पर धोखाधड़ी के सबूत नहीं

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार की एक जांच में बायजू के प्रशासन में खामियां पाई गईं, लेकिन वित्तीय धोखाधड़ी के आरोपों पर ऑनलाइन-शिक्षा स्टार्टअप को राहत दी गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की साल भर चली जांच में फंड की हेराफेरी या वित्तीय खातों में हेराफेरी जैसे गलत कामों का कोई सबूत नहीं मिला। हालांकि जांच में, कंपनी के प्रशासन में कमियां मिलीं जिन्होंने स्टार्टअप के बढ़ते घाटे में योगदान दिया। नाम सार्वजनिक ना करने की शर्त पर सूत्रों ने कहा, जांचकर्ताओं की रिपोर्ट को अभी तक सार्वजनिक नहीं है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार सरकार की यह जांच रिपोर्ट संस्थापक बायजू रवींद्रन के लिए बहुत हद तक राहत की तरह है। उनपर असंतुष्ट निवेशकों की ओर से कुप्रबंधन का आरोप लगाया गया है। प्रोसस वेंचर्स और पीक एक्सवी पार्टनर्स, पूर्व में सिकोइया कैपिटल इंडिया सहित तीन शेयरधारकों ने व्यावसायिक प्रक्रियाओं और आंतरिक नियंत्रण जैसे मुद्दों पर रवींद्रन के साथ मतभेदों के कारण पिछले साल बायजू के बोर्ड को छोड़ दिया था।

रिपोर्ट ने कम से कम अस्थायी रूप से उन मुद्दों पर भारतीय अधिकारियों द्वारा कंपनी पर किसी नई जांच की संभावना को भी समाप्त कर दिया गया है, जिनकी पहले से ही जांच हो चुकी है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, बायजू, पीक एक्सवी और प्रोसस के प्रतिनिधियों ने फिलहाल इस विषय पर टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में सीधे तौर पर यह नहीं बताया गया है कि क्या रवींद्रन व्यक्तिगत रूप से कंपनी के शासन में चूक के लिए दोषी हैं या क्या वह कंपनी चलाने के लिए योग्य हैं?

बता दें कि असंतुष्ट निवेशकों ने प्रबंधन और अनुपालन विफलताओं का हवाला देते हुए उन्हें हटाने की मांग की है। हालांकि यह रिपोर्ट कंपनी की व्यापक समस्याओं को दूर करने की दिशा में कम ही सही पर राहत प्रदान करती है। घाटे से जूझ रहे स्टार्टअप के त्वरित विस्तार के कारण इसे नकदी की कमी और इसके मूल्यांकन में गिरावट जैसी समस्याओं से जूझना पड़ा। फिलहाल कंपनी स्टार्टअप भारत और अमेरिका में कई मुकदमें लड़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि जांच में पाया गया कि कमजोर कॉरपोरेट गवर्नेंस और अनुपालन प्रथाओं के साथ-साथ फंडिंग के माहौल में बदलाव से कंपनी नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ। जांचकर्ताओं ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि स्टार्टअप वित्त और अनुपालन की देखरेख के लिए पेशेवरों को लाने में विफल रहा, जिससे नुकसान हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बायजू ने सभी निदेशकों के साथ अधिग्रहण के पूर्ण विवरण का खुलासा नहीं किया और इस तरह के सौदों को मंजूरी देने के लिए बैठकें अल्प सूचना पर बुलाई गई थीं। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार यह संस्थापकों का यह तर्क भी सही है कि कुछ निदेशक प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में निवेशक भी थे। एड-टेक कंपनी का मूल्य अपने चरम पर 22 अरब डॉलर था। कोविड-19 महामारी के दो वर्षों के दौरान व्यवसाय में वृद्धि हुई, लेकिन जैसे-जैसे संक्रमण कम हुआ और कक्षाएं फिर से शुरू हुईं, इसकी नकदी सिकुड़ती गई। यह अब भारत और विदेशों में दिवालियापन से जुड़े कई मामलों से जूझ रहा है। हालांकि बायजू ने नए शेयर जारी करके मौजूदा निवेशकों से 100 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाने में कामयाबी हासिल की है, लेकिन एक भारतीय अदालत ने उस पैसे का उपयोग करने से रोक दिया है।

वर्तमान में रवींद्रन अपनी कंपनी के मुख्य व्यवसाय के पुनर्निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रत्येक छात्र के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर भी जोर दे रहे हैं। वे कंपनी को बचाए रखने और व्यक्तिगत ऋण बढ़ाने सहित वित्तीय दबावों को कम करने के लिए सभी पड़ावों पर अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

हिसार में एकीकृत विमानन केंद्र विकसित होगा, अमेरिकी व्यापार निकाय ने वित्तपोषण को दी मंजूरी

नई दिल्ली। अमेरिकी व्यापार एवं विकास एजेंसी ने हरियाणा के हिसार हवाई अड्डे पर एक एकीकृत विमानन केंद्र बनाने में मदद के लिए तकनीकी सहायता के वास्ते अनुदान निधि को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी व्यापार एवं विकास एजेंसी (यूएसटीडीए) की निदेशक एनोह टी एबोंग ने यहां तीन दिवसीय अमेरिका-भारत विमानन शिखर सम्मेलन में मंगलवार को यह घोषणा की। एकीकृत विमानन केंद्र बनाने का मकसद भारत की आपूर्ति शृंखला नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हवाई अड्डे के माल तथा रसद बुनियादी ढांचे को विकसित करना है। उन्होंने कहा, " मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यूएसटीडीए ने हरियाणा राज्य के हिसार हवाई अड्डे पर एक एकीकृत विमानन केंद्र बनाने में मदद के लिए तकनीकी सहायता हेतु अनुदान निधि को मंजूरी दे दी है।" एबोंग ने हालांकि यूएसटीडीए से मिलने वाली अनुदान राशि का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, " हमारे कदम हवाई अड्डे के माल तथा लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को विकसित करने में मदद करेंगे, जो भारत की आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को मजबूत करेगा।" शीर्ष अधिकारी ने बताया कि भारत में 10 विमानन परियोजनाएं हैं जिनमें अमेरिकी कंपनियां योगदान कर सकती हैं। उन्होंने कहा, "हम और भी काम करना चाहते हैं। यह शिखर सम्मेलन हमारी पारस्परिक रूप से लाभकारी विमानन साझेदारी के अगले अध्याय की दिशा तय करने का एक अवसर है।"

केवीआईसी ने योग दिवस पर की रिकॉर्ड 8.67 करोड़ रुपए की बिक्री

नई दिल्ली। देश के ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों खादी कारीगरों के लिए योग दिवस विशेष खुशी लेकर आया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर खादी विकास और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 8.67 करोड़ रुपये मूल्य के खादी योग वस्त्र और मैट की बिक्री की। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देशभर में 55 खादी संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों को 8,67,87,380 रुपये मूल्य के 1,09,022 योग मैट और 63,700 योग पोशाक बेचीं। केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'ब्रांड पावर' ने योग के साथ-साथ खादी की भारतीय विरासत को लोकप्रिय बना दिया है। उन्होंने कहा कि खादी परिवार के लिए यह खुशी की बात है कि इस बार हमारे खादी कारीगरों द्वारा बनाए गए विशेष योग वस्त्र और मैट की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई है।

आयकर विभाग ने करदाताओं को रिफंड विफल होने पर दोबारा अनुरोध करने की दी सलाह

INCOME TAX DEPARTMENT

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं को रिफ़ंड विफल होने पर फिर से अनुरोध करने की सलाह दी है। इनकम टैक्स विभाग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यदि किसी कारण से करदाताओं का रिफंड विफल हो जाता है तो पुनः अपना रिफंड जारी करने का अनुरोध करें। विभाग ने इसके लिए कहा कि कृपया इनकम टैक्स विभाग के आधिकारिक वेबसाइट https:ncometax.gov.in/iec/foportal/पर जाएं।
पहला चरण:- आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर लॉग इन करें। दूसरा चरण:- 'मेरा खाता' पर जाएं, 'सेवा अनुरोध' पर क्लिक करें और 'अनुरोध प्रकार' के स्थान पर 'अनुरोध देखें' और 'अनुरोध श्रेणी' के स्थान पर 'धन वापसी पुनः जारी करें' का चयन करें। तीसरा चरण :- 'सबमिट' बटन पर क्लिक करें। सबमिट किए गए रिफंड रीइश्यू अनुरोध की स्थिति प्रदर्शित की जाएगी। इस तरह आयकर विभाग के दिए गए निर्देश का स्टेप बाई स्टेप पालन करें। इसके बाद रिफंड रीइश्यू अनुरोध का सफलतापूर्वक पालने करने के बाद आपके ट्रांजेक्शन आईडी पर मैसेज आएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ध्वनिमत...

विपक्ष को डरना नहीं चाहिए। हमारे सम्पर्क में रहने वाले उनके सांसद मत विभाजन होने पर ओम बिरला के पक्ष में मतदान कर सकते थे।

बहरहाल, भाजपा सांसद ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पेश प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हो गया और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ओम बिरला फिर से लोकसभा स्पीकर चुने गए। विपक्ष ने आठ बार के कांग्रेस सांसद के. सुरेश का नाम अपने उम्मीदवार के रूप में आगे बढ़ाया था। लेकिन चुनाव की नौबत ही नहीं आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओम बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। विपक्ष की ओर से कोडिकुन्निल सुरेश के नाम का प्रस्ताव रखा गया था। इसके बाद ध्वनिमत के आधार पर प्रोटेम स्पीकर ने ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। इसके बाद ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ओम बिरला को अध्यक्षीय आसन तक लेकर गए। इस दौरान ओम बिरला से हाथ मिलाने के बाद पीएम मोदी और राहुल गांधी ने भी एक-दूसरे से हाथ मिलाया।

जब बिरला ने अध्यक्षीय आसन ग्रहण किया तो पीएम मोदी, राहुल गांधी और रिजिजू ने उन्हें बधाई और शुभकामना दी। यह दूसरी बार हुआ जब कोई लोकसभा अध्यक्ष लगातार दो कार्यकाल में अध्यक्ष हुआ हो। इससे पहले कांग्रेस नेता बलराम जाखड़ एकमात्र ऐसे पीठासीन अधिकारी रहे, जिन्होंने सातवीं और आठवीं लोकसभा में दो कार्यकाल पूरे किए थे।ओम बिरला के लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद 18वीं लोकसभा के अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए हैं। आपको और इस पूरे सदन को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई। इस पूरे सदन की तरफ से भी आपको अनेक-अनेक शुभकामनाएं। अमृत काल के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होने से आपको बहुत बड़ा दायित्व मिल रहा है। आपके अनुभव और हमारे अनुभव से हमें विश्वास है कि आप हम सभी का मार्गदर्शन करेंगे। मुझे विश्वास है आप हर कदम पर नए कीर्तिमान गढ़ते रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा 18वीं लोकसभा में स्पीकर का कार्यभार दूसरी बार संभालना अपने आप में रिकॉर्ड है। बलराम जाखड़ जी पहले ऐसे अध्यक्ष थे, जो लगातार दो बार अपना कार्यकाल पूरा कर पाए थे। उनके बाद अब आपको यह मौका मिल रहा है। ज्यादातर स्पीकर या तो चुनाव नहीं लड़े हैं या जीतकर नहीं आए हैं। आप समझ सकते हैं कि स्पीकर का काम कितना मुश्किल है कि उनका जीतना मुश्किल हो जाता है। आपने दोबारा जीतकर नया इतिहास गढ़ा है। इस सदन के ज्यादातर सांसद आपसे परिचित हैं और पिछली बार मैंने आपके संबंध में काफी कुछ बातें रखी थीं। आज उन्हें दोहराऊंगा नहीं लेकिन आप जिस तरह से सांसद के रूप में काम करते हैं, वह जानने योग्य और सीखने योग्य हैं। युवा सांसद भी आपसे प्रेरणा लेंगे। आपने अपने क्षेत्र में जिस तरह से स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु अभियान चलाया, वह वाकई प्रेरक है। आप लगातार अपने संसदीय क्षेत्र में लोगों की सेवा करते रहते हैं। खेलों में युवाओं को प्रोत्साहन देना भी आपने प्राथमिकता से किया है।

17वीं लोकसभा के कार्यकाल की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा आपका पिछला कार्यकाल संसदीय लोकतंत्र का ऐतिहासिक कालखंड रहा है। आपकी अध्यक्षता में सदन में जो काम हुआ, वह अपने आप में सदन की भी और आपकी भी विरासत है। आपकी अध्यक्षता में नारी शक्ति वंदन बिल, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, मुस्लिम महिला विवाह अधिकार कानून, डायरेक्ट टैक्स समेत कई अहम सामाजिक, आर्थिक और नागरिक कानून पास हुए। जो काम आजादी के 70 साल में नहीं हुए, वो आपकी अध्यक्षता में हुए। लोकतंत्र की लंबी यात्रा में कई पड़ाव आते हैं। कुछ अवसर ऐसे होते हैं, जब हमें कीर्तिमान स्थापित करने का मौका मिलता है। 17वीं लोकसभा पर देश आज भी और भविष्य में भी उस पर गौरव करेगा।

पीएम मोदी ने कहा, हमारा संसद भवन सिर्फ चारदीवारी नहीं। ये देश की जनता का आशा का प्रतीक है। संसद की कार्यवाही लोकतंत्र को और मजबूत बनाती है। 17वीं लोकसभा की उत्पादकता 97 प्रतिशत रही और उसके लिए सभी सदस्यों के साथ ही आप विशेष अभिनंदन के अधिकारी हैं। कोरोना के मुश्किल समय में आपने हर सांसद से फोन करके व्यक्तिगत हालचाल पूछा। कोरोना के समय में संसद का काम रुका नहीं। आपने जो फैसले किए, उसी का परिणाम है कि हम मुश्किल समय में भी काम कर पाए है। आपने कभी कभी कठोरता के साथ भी फैसले लिए। ऐसे फैसलों से आपको पीड़ा भी हुई, लेकिन आपने संसद की गरिमा और व्यक्तिगत पीड़ा में से आपने संसद की गरिमा का चुनाव किया। मुझे विश्वास है कि आप तो सफल होंगे ही, लेकिन आपकी अध्यक्षता में ये संसद भी देश की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मैं आपको और इस संसद को बहुत बधाई देता हूं।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा, मैं आपको दूसरी बार स्पीकर चुने जाने के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं आपको पूरे विपक्ष और इंडी गठबंधन की तरफ से बधाई देना चाहता हूं। यह सदन भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज के अंतिम निर्णायक हैं। सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और इस बार विपक्ष ने पिछली बार की तुलना में भारतीय लोगों की आवाज का अधिक प्रतिनिधित्व किया है। विपक्ष आपके काम करने में आपकी सहायता करना चाहेगा। हम चाहते हैं कि सदन अक्सर और अच्छी तरह से चले। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विश्वास के आधार पर सहयोग हो। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विपक्ष की आवाज को इस सदन में प्रतिनिधित्व दिया जाए।

आपातकाल का...

भारत में हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और वाद-संवाद का संवर्धन हुआ, हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा की गई, उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया गया। ऐसे भारत पर इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाही थोप दी गई, भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, इमरजेंसी के दौरान भारत के नागरिकों के अधिकार नष्ट कर दिए गए, नागरिकों से उनकी आजादी छीन ली गई। यह वो दौर था जब विपक्ष के नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया, पूरे देश को जेलखाना बना दिया गया था। तब की तानाशाही सरकार ने मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी थीं और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। इमरजेंसी का वो समय हमारे देश के इतिहास में एक अन्याय काल था, एक काला कालखंड था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, आपातकाल (इमरजेंसी) लगाने के बाद उस समय की कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे निर्णय किए, जिन्होंने हमारे संविधान की भावना को कुचलने का काम किया। क्रूर और निर्दयी मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट (मीसा) में बदलाव करके कांग्रेस पार्टी द्वारा ये सुनिश्चित किया गया कि हमारी अदालतें मीसा के तहत गिरफ्तार लोगों को न्याय नहीं दे पाएं। मीडिया को सच लिखने से रोकने के लिए पार्लियामेंट्री प्रोसिडिंग्स (प्रोटेक्शन ऑफ पब्लिकेशन) रिपील एक्ट, प्रेस काउंसिल (रिपील) एक्ट और प्रिवेन्शन ऑफ पब्लिकेशन ऑफ ऑब्जेक्शनेबल मैटर एक्ट लाए गए। इस काले कालखंड में ही संविधान में 38वां, 39वां, 40वां, 41वां और 42वां संशोधन किया गया।

ओम बिरला ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए इन संशोधनों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं, न्यायपालिका पर नियंत्रण हो और संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया। इतना ही नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशियरी की भी बात कही, जो कि उनकी लोकतंत्र विरोधी रवैये का एक उदाहरण है। इमरजेंसी अपने साथ ऐसी असामाजिक और तानाशाही की भावना से भरी भयंकर कुनीतियां लेकर आई, जिसने गरीबों, दलितों और वंचितों का जीवन तबाह कर दिया। इमरजेंसी के दौरान लोगों को कांग्रेस सरकार द्वारा जबरन थोपी गई अनिवार्य नसबंदी का, शहरों में अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गई मनमानी का और सरकार की कुनीतियों का प्रहार झेलना पड़ा। यह सदन उन सभी लोगों के प्रति संवेदना जताना चाहता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 1975 से 1977 का वो काला कालखंड अपने आप में एक ऐसा कालखंड है, जो हमें संविधान के सिद्धांतों, संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है। ये कालखंड हमें याद दिलाता है कि कैसे उस समय इन सभी पर हमला किया गया और क्यों इनकी रक्षा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब हम आपातकाल के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, ये 18वीं लोकसभा, बाबा साहब अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को बनाए रखने, इसकी रक्षा करने और इसे संरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। हम भारत में लोकतंत्र के सिद्धांत, देश में कानून का शासन और शक्तियों का विकेंद्रीकरण अक्षुण्ण रखने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम संवैधानिक संस्थाओं में भारत के लोगों की आस्था और उनके अभूतपूर्व संघर्ष, जिसके कारण इमरजेंसी का अंत हुआ, और एक बार फिर संवैधानिक शासन की स्थापना हुई, उसकी सराहना करते हैं।

उन्होंने कहा कि 1975 में आज 26 जून के दिन ही देश इमरजेंसी की क्रूर सच्चाइयों का सामना करते हुए उठा था। 1975 में आज के ही दिन तब की कैबिनेट ने इमरजेंसी का पोस्ट-फैक्टो रेटिफिकेशन किया था, इस तानाशाही और असंवैधानिक निर्णय पर मुहर लगाई थी। इसलिए अपनी संसदीय प्रणाली और अनगिनत बलिदानों के बाद मिली इस दूसरी आजादी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए, आज ये प्रस्ताव पास किया जाना आवश्यक है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, हम ये भी मानते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के इस काले अध्याय के बारे में जरूर जानना चाहिए। इमरजेंसी के दौरान, गैर-कानूनी गिरफ्तारियों और सरकारी प्रताड़ना के चलते अनगिनत लोगों को यातनाएं सहनी पड़ीं थीं, उनके परिवारवालों को असीमित कष्ट उठाना पड़ा था। इमरजेंसी ने भारत के कितने ही नागरिकों का जीवन तबाह कर दिया था, कितने ही लोगों की मृत्यु हो गई थी। इमरजेंसी के उस काले कालखंड में, कांग्रेस की तानाशाह सरकार के हाथों अपनी जान गंवाने वाले भारत के ऐसे कर्तव्यनिष्ठ और देश से प्रेम करने वाले नागरिकों की स्मृति में हम दो मिनट का मौन रखते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा में आपातकाल की निंदा करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सराहना की और कहा कि उन दिनों के पीड़ितों के सम्मान में मौन रखना एक अच्छा भाव था। बिरला ने लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की आलोचना की। कांग्रेस सांसदों और कुछ अन्य विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच बड़ी संख्या में सांसद कुछ क्षणों के लिए मौन रहे।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा, मुझे खुशी है कि माननीय अध्यक्ष ने आपातकाल की कड़ी निंदा की, उस दौरान की गई ज्यादतियों को उजागर किया और यह भी उल्लेख किया कि किस तरह से लोकतंत्र का गला घोंटा गया था। उन्होंने कहा कि आपातकाल 50 साल पहले लगाया गया था, लेकिन आज के युवाओं के लिए इसके बारे में जानना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इस बात का एक उदाहरण है कि जब संविधान को रौंदा जाता है, जनमत को दबाया जाता है और संस्थाओं को नष्ट किया जाता है, तो क्या होता है। मोदी ने कहा कि आपातकाल के दौरान की घटनाएं इस बात का उदाहरण हैं कि तानाशाही कैसी होती है।

संसद में दूसरे ...

इसके अलावा उसे इस आधार पर भी अयोग्य घोषित किया जा सकता है यदि वह दूसरे राष्ट्र के प्रति श्रद्धा रखता है।संविधान का अनुच्छेद 103, अनुच्छेद 102 के तहत किसी संसद सदस्य को अयोग्य ठहराए जाने को लेकर सम्यक फैसला लेने का अधिकार देश के राष्ट्रपति को देता है। इसमें कहा गया है कि यदि अनुच्छेद 102 के तहत अयोग्यता का मामला उठता है तो उसे राष्ट्रपति को भेजा जाना चाहिए और राष्ट्रपति का निर्णय ही अंतिम होगा। इसी अनुच्छेद में कहा गया है कि अयोग्य घोषित करने के लिए राष्ट्रपति चुनाव आयोग की सलाह लेगा और उसी के अनुसार निर्णय लेगा।

हैदराबाद से सांसद चुने गए असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार 26 जून 2024 को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन के नारे लगाए। उन्होंने अपनी शपथ उर्दू में ली। उर्दू में शपथ लेने वाले असदुद्दीन ओवैसी ने अंत में जय भीम, जय मीम कहा और अल्लाह-हू-अकबर का नारा भी लगाया, लेकिन अंत में उन्होंने जय फिलिस्तीन भी कहा। इस दौरान पूर्वी चम्पारण से भाजपा के सांसद राधामोहन सिंह पीठासीन थे और नव-निर्वाचित सांसदों को शपथ दिला रहे थे।

जब असदुद्दीन ओवैसी से इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये संविधान के खिलाफ कैसे हुआ, ये संविधान के कौन से प्रावधान के हिसाब से गलत है? जी किशन रेड्डी के विरोध पर उन्होंने कहा कि उनका काम है विरोध करना, हम क्या उन्हें खुश करने के लिए बोलेंगे। उन्होंने इस दौरान फिलिस्तीन को लेकर महात्मा गांधी के विचार पढ़ने की सलाह भी दी। असदुद्दीन ओवैसी के शपथ के बाद जय फिलिस्तीन का नारा लगाने के मामले में संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हमारी फिलिस्तीन या अन्य किसी राष्ट्र के साथ कोई दुश्मनी नहीं है। संसद सदस्यों का शपथ लेने के बाद दूसरे देश के समर्थन में नारे लगाना सही है या नहीं, हमें इसके लिए नियमों को देखना होगा। विरोध के बाद के ओवैसी के जय फिलिस्तीन बोलने को लोकसभा की कार्रवाई के रिकॉर्ड से निकाल दिया गया है। ओवैसी के खिलाफ शिकायत करने वाले और उनका विरोध करने वालों ने तर्क दिया है कि उन्होंने जय फिलिस्तीन का नारा लगाया है जो कि उनकी दूसरे देश के प्रति श्रद्धा दिखाता है, ऐसे में उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

एनटीए प्रमुख...

बताया गया था कि एनटीए ने एक वरिष्ठ अधिकारी की सिफारिश पर बेसिल को काम दिया गया था।

नेशनल बोर्ड ऑफ मेडिकल साइंसेज के अध्यक्ष अभिजीत शेठ ने कहा कि पेपर लीक विवाद के कारण स्थगित नीट-पीजी, 2024 की नई परीक्षा तिथि अगले सप्ताह घोषित कर दी जाएगी। उनका यह बयान बोर्ड और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक के बाद आया है। नीट-यूजी में अनियमितता मामले में गिरफ्तार जिला परिषद के स्कूल के शिक्षक संजय जाधव को अदालत ने 2 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। महाराष्ट्र पुलिस के आतंकी रोधी स्क्वायड (एटीएस) ने उसे पूछताछ के लिए सोमवार को हिरासत में लिया था। एटीएस अब तक इस मामले में जिला परिषद स्कूल के हेडमास्टर जलील खान उमर खान पठान को गिरफ्तार किया है। जांच में एटीएस को पता चलता था कि इन दोनों के साथ कम से कम चार लोग का एक रैकेट ऐसे छात्रों की मदद करता था जो पैसे देकर परीक्षा पास करना चाहते थे। सोमवार को अदालत ने पठान को 2 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा था। बाकी के दो आरोपियों इराना मशनाजी कोंगालववर और गंगाधर को पुलिस तलाश रही है।

समिति ने एनटीए की मौजूदा स्थिति और उसकी चुनौतियों का जायजा लिया। समिति यह भी देखा कि कौन-सी परीक्षाएं पेन-पेपर मोड में होती हैं और कौन-सी कंप्यूटर-आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में और दोनों की बारीकियों को भी समझा। बताया जा रहा है कि समिति ने साइबर सुरक्षा के मुद्दों और डार्कनेट के कारण उत्पन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की, जहां यूजीसी-नेट परीक्षा का प्रश्नपत्र पहली बार लीक हुआ था। इसी वजह से शिक्षा मंत्रालय को परीक्षा अगले दिन ही रद्द करनी पड़ी थी।

डोडा में सुरक्षाबलों ...

आतंकियों की मौजूदगी का पता चल गया है। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है।

11 जून को देर रात डोडा के भद्रवाह तहसील के छत्रगलां में आतंकियों ने नाका पार्टी पर हमला किया। दहशतगर्दों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हुई, लेकिन अंधेरे का फायदा उठा कर आतंकी भाग निकले थे। इस हमले में सेना के पांच जवान और एक एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) घायल हुए थे। वहीं, 9 जून को आतंकियों ने रियासी जिले में बड़े आतंकी हमले को अंजाम दिया था। रियासी में शिवखोड़ी धाम से कटड़ा जा रही बस पर आतंकियों ने हमला किया। इसमें नौ श्रद्धालु मारे गए और करीब पचास तीर्थयात्री घायल हुए। वहीं, अगले दिन सांबा में आतंकियों ने एक घर पर महला किया। यहां हुई मुठभेड़ दो पाकिस्तानी आतंकी मारे गए। उनके पास से बड़ी मात्रा असलहा बरामद किया गया था।जम्मू संभाग में हुए इन तीन हमलों के बाद से ही बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। संभाग के अलग-अलग जिलों के जंगली और पहाड़ी इलाकों को खंगाला जा रहा है। इसी बीच डोडा में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ हुई है। राजौरी पुलिस थाने और चिंग्स पुलिस चौकी के अंतर्गत आते पिंड नारिया गांव में मंगलवार को एक हैंड ग्रेनेड और पाकिस्तान करंसी का फटा नोट मिला। जानकारी के अनुसार पिंड नारिया में कुछ बच्चे पशु चरा रहे थे। उन्होंने झाड़ियों में एक ग्रेनेड पड़ा देखा। उन्होंने तत्काल गांव के एक पूर्व सैनिक को सूचना दी। पूर्व सैनिक ने सेना को बताया और सेना ने बिना समय गंवाए इलाके की घेराबंदी कर घटनास्थल से हैंड ग्रेनेड को कब्जे में ले लिया। सूत्रों के अनुसार, जहां से ग्रेनेड मिला उसके पास ही सेना को पाकिस्तानी करेंसी का फटा नोट भी मिला है। हालांकि पुलिस और सेना का कोई भी अधिकारी इस बारे में कुछ भी बताने को तैयार नहीं है।

एआई क्षेत्र में ...

के पार पहुंच जाएगा। एआई बाजार का यह आकार 2024 की तुलना में दोगुना ने अधिक होगा।

भारत के लिए एआई के निहितार्थ व्यापक हैं। देश डाटा को सबसे मूल्यवान सम्पत्ति के रूप में संस्कृति और व्यापार मॉडल परिवर्तन के केंद्र रखता है। यहां 2025 तक 40 फीसदी सेवाओं की डिलीवरी जेनएआई के जरिए होगी। आईडीसी एशिया-प्रशांत के उपाध्यक्ष (डाटा एनालिटिक्स-एआई) डॉ. क्रिस्टोफर मार्शल ने कहा, भारत जनरेटिव एआई में सोया हुआ विशालकाय देश है। इसका पैमाना, कौशल और स्टार्टअप न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर में एआई को बदलने के लिए तैयार हैं। वहीं, आईडीसी एशिया-प्रशांत के उपाध्यक्ष (डिजिटल बिजनेस) लिनस लई ने कहा, 76 फीसदी भारतीय उद्यमों के पास पहले से ही एआई में निवेश की योजना हैं।

खून से सनी...

जबकि ऐतिहासिक तथ्य यह है कि मोपला हिंदू नरसंहार में जिन हिंदुओं को मारा गया, उनमें एक भी ऐसे नहीं थे जिन्हें जमींदार कहा जाए। कत्लेआम में सामान्य मजदूरों को मारा गया। पिछड़ी जाति के लोगों को मारा गया। सही में जो उस वक्त जमींदार थे, वो मुस्लिम जमींदार थे और उन लोगों ने ही मोपला हिंदू नरसंहार का प्लान किया था।

आज उसी मालाबार इलाके में फिर से मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल खेला जा रहा है जहां एक सदी पहले खिलाफत आंदोलन का समर्थन करने के चक्कर में महात्मा गांधी तक ने हिंदुओं के मोपला में हो रहे कत्लेआम पर अपनी आंख बंद कर ली थी। कोई इस मुद्दे पर बोलने को तैयार नहीं था क्योंकि खिलाफत आंदोलन को समर्थन देने के बाद यह डर था कि मुस्लिम कहीं नाराज न हो जाएं। एक सदी पहले जो डर कांग्रेस के नेताओं में था। आज वही डर वामपंथी नेताओं में देखने को मिल रहा है। केरल को तोड़ने की मांग सरेआम हो रही है मगर फिर भी कोई इस पर कुछ बोलने को तैयार नहीं है। केरल में कांग्रेस हो या वामपंथियों की सरकार, हर कोई अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के लिए इस समुदाय के आगे घुटने टेक देता है।

उल्लेखनीय है कि केरल के मालाबार को अलग राज्य बनाने की मांग को हवा देने का काम हाल में सुन्नी युवाजन संगम के नेता मुस्तफा मुंडुपारा ने किया है। उनका कहना है कि मालाबार के मुस्लिम लोग अन्य लोगों के बराबर टैक्स देते हैं, लेकिन उन्हें सुविधाएं सबके बराबर नहीं मिलतीं। मालाबार को केरल से निकालकर अलग राज्य बनाने की मांग पहली दफा नहीं है। साल 2021 में यही मांग अन्य मुस्लिम संगठन सुन्नी स्टूडेंट फेडरेशन के मुखपत्र सत्यधारा के संपादक अनवर सादिक फैसी ने उठाई थी। उस संगठन का कहना था कि मालाबार क्षेत्रों में मुस्लिम बहुल इलाकों को अलग करके एक अलग राज्य बनाना चाहिए। मालूम हो कि इस्लामी संगठन समय समय पर केरल के मालाबार को अलग करने की मांग सिर्फ इसलिए करते हैं क्योंकि वहां मुस्लिमों की आबादी अच्छी-खासी है और ये संगठन जानते हैं कि अगर इस क्षेत्र पर कब्जा हो गया तो वो अपनी मनमानियां कर पाएंगे।

29 जून को कुंभ राशि में वक्री होंगे शनि देव

शनिदेव को न्याय व कर्म का देवता माना गया है। जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है शनिदेव उसे वैसा ही फल देता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह-नक्षत्रों में शनि सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह माने जाते हैं। शनिदेव की उपस्थिति एक राशि में ढाई साल तक रहती है। इसके बाद ही वे अपना गोचर करते हैं। शनि इस वक्त अपनी राशि कुंभ राशि में विराजमान हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि शनि देव 29 जून को रात्रि 12:37 बजे कुंभ राशि में वक्री होंगे यानी शनि कुंभ राशि में ही उल्टी दिशा में चलने लगेंगे और 15 नवंबर को शाम 7:51 पर मार्गी होंगे यानी सीधी चाल चलेंगे। इस तरह से शनि कुल 139 दिन वक्री अवस्था में रहेंगे। शनि के वक्री होने पर इसका प्रभाव सभी राशियों पर देखने को मिलेगा। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। शनिदेव सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। यह एक राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते फिर इसके बाद राशि परिवर्तन करते हैं। ज्योतिष में शनि को न्याय और कर्मफल दाता माना गया है। शनि देव मौजूद समय में अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विराजमान हैं। शनि देव 139 दिनों तक वक्री रहेंगे। शनि देव की वक्री चाल का सभी 12 राशियों पर प्रभाव अवश्य ही पड़ेगा।

139 दिन शनि रहेंगे वक्री

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव 29 जून को रात्रि 12:37 बजे कुंभ राशि में वक्री होंगे यानी शनि कुंभ राशि में ही उल्टी दिशा में चलने लगेंगे और 15 नवंबर को शाम 7:51 पर मार्गी होंगे यानी सीधी चाल चलेंगे। इस तरह से शनि कुल 139 दिन वक्री अवस्था में रहेंगे।

देश-दुनिया पर असर

अनाज की अच्छी पैदावार के साथ बाजार में उछाल आने के आसार हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रगति होगी। महत्वपूर्ण पद वालों को सुरक्षा और सेहत का खासतौर से ध्यान रखना होगा। देश-दुनिया में अनचाहे बदलाव और दुर्घटनाएं होती हैं। तनाव, अशांति और डर का माहौल भी बनता है। ज्यादातर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कई लोग मानसिक और शारीरिक तौर से तो परेशान रहेंगे ही साथ ही सेहत संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। मोदी सरकार में मंत्रिमंडल में कई चौंकाने वाले नाम होंगे और जून जुलाई का समय थोड़ा कठिन रहेगा स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मोदी की यात्रा में थोड़ा बदलाव होगा। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना।

देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

वक्री शनि का प्रभाव

शनि के शुभ प्रभाव से लोगों के रुके हुए काम पूरे होंगे। प्रॉपर्टी से जुड़े मामले सामने आएंगे। कुछ नौकरी-पेशा लोगों के ट्रांसफर की स्थिति बन सकती है। प्रमोशन हो सकता है। कामकाज की जिम्मेदारी भी बढ़ने के योग हैं। बिजनेस करने वालों के भी काम करने की जगह पर बदलाव होगा। रहने की जगह भी बदल सकती है। वहीं, इसके अशुभ प्रभाव से कुछ लोगों को पैर में या हड्डी की चोट लग सकती है। ऑपरेशन की स्थिति भी बनेगी। साढ़ेसाती वालों को कर्जा लेना पड़ सकता है। कामकाज में बार-बार बदलाव की स्थितियां बनेंगी।

139 दिन शनि चलेंगे उल्टी चाल

राशियों पर असर

शनि की उल्टी चाल का प्रभाव सबसे अधिक कर्क, सिंह, कन्या, मकर, वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों पर पड़ेगा। इन सभी राशि पर शनि की टेढ़ी नजर होगी। शनि ग्रह के गोचर से मीन राशि पर साढ़े साती आरंभ हो गई है।

वहीं कुंभ राशि पर साढ़े साती का दूसरा चरण, मकर राशि पर साढ़े साती का अंतिम चरण, कर्क राशि और वृश्चिक राशि पर ढैय्या का आरंभ हो गई है। 29 अप्रैल 2022 में शनि के कुंभ में प्रवेश करते ही मीन जातकों पर शनि साढ़े साती तो वहीं कर्क और वृश्चिक वालों पर शनि ढैय्या शुरू हो चुकी है।

शुभ फल

यदि आपकी जन्म कुंडली में शनि शुभ स्थिति में हैं तो आपको शनि की वक्री चाल के समय भी शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। वहीं जो व्यक्ति धर्म के काम करता है उसको भी शनि कष्ट नहीं पहुंचाते हैं। शनि के बारे में मान्यता है कि ये लोगों को उनके कर्मों के अनुसार ही फल देते हैं।

शनि की वक्री चाल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि किसी की जन्म कुंडली में शनि वक्री अवस्था में बैठे हुए हैं और उस कुंडली के लिए शुभ फल कारक ग्रह है तो शनि का वक्री होना शुभ लाभकारी माना जाता है। इसी तरह यदि अशुभ होकर शनि वक्री हों तो अशुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। वक्री शनि के शुभ होने पर कार्य क्षेत्र में तरक्की मिलती है वहीं अशुभ होने पर कार्यों में रुकावट आती हैं।

उपाय

शिव उपासना और हनुमत उपासना करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान चालीसा एवं शनि चालीसा का पाठ करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को सरसों के तेल का दीपक जलाएं, दर्शन का लाभ लें। मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें। शनिवार के दिन शनि मंदिर में छाया दान अवश्य करें। गरीब, वृद्ध, असहाय लोगों को भोजन कराएं। पशु पक्षियों के लिए दाने, हरे चारे, पानी की व्यवस्था करें। तेल का दान भी करना चाहिए। तेल दान करने से आपको अपने कष्टों से छुटकारा मिलता है। शनिवार को लोहे से बनी चीजों को दान करना चाहिए। इस दिन लोहे का सामान दान करने से शनि देव शांत होते हैं। लोहा दान देने से शनि की दृष्टि निर्मल होती है। रुद्राक्ष की माला लेकर एक सौ आठ बार ॐ शं शनैश्चराय नमः का जप करें, शनिदेव की कृपा बनेगी और कष्ट दूर होंगे। काले कुत्ते को शनिवार के दिन सरसों के तेल से बनी रोटी खिलाएं। सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

इन गलतियों को करने से बचें

किसी असहाय को बेवजह परेशान नहीं करें। मांस, मदिरा का सेवन बिल्कुल नही करें। कमजोर व्यक्तियों का अपमान न करें। अनैतिक कार्यों से दूर रहें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ये है भगवान का इच्छा पूर्ति मंत्र, जपते ही मनोकामना हो जाती है पूरी !

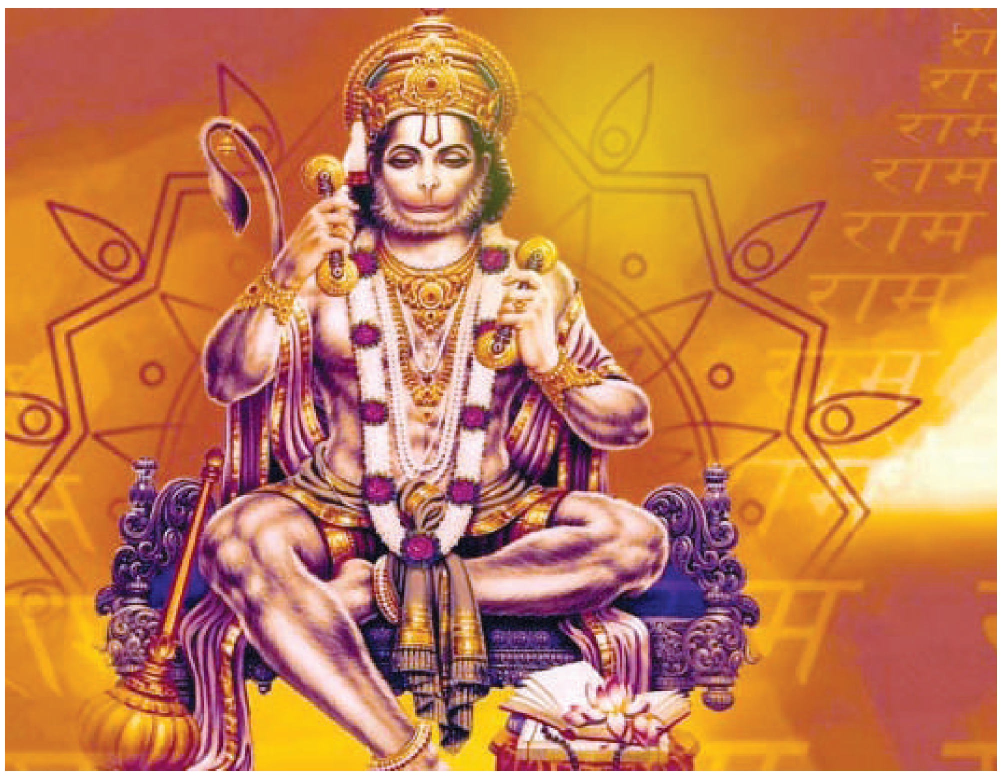

हनुमान जी हिंदू धर्म में अत्यधिक पूजनीय और लोकप्रिय देवता हैं। वे भगवान शिव के रूद्रावतार और भगवान राम के अनन्य भक्त माने जाते हैं। हनुमान जी का चरित्र साहस, भक्ति, और सेवा का प्रतीक है। हनुमान जी का जन्म अंजनादेवी और वानरराज केसरी के घर हुआ था। उनके जन्म की कथा के अनुसार, वे वायु देवता (पवन देव) के आशीर्वाद से पैदा हुए थे। हनुमान जी असाधारण बल और साहस के प्रतीक हैं। उन्होंने पर्वतों को उठाया, समुद्र को लांघा, और राक्षसों का संहार किया। हनुमान जी की भगवान राम के प्रति अविचल भक्ति और निस्वार्थ सेवा अद्वितीय है। वे सदा रामजी की सेवा में तत्पर रहते हैं। हनुमान जी के मंत्रों का जाप भी उनके भक्तों में बहुत लोकप्रिय है। अगर आप किसी इच्छा को पूर्ण करने के लिए उनकी पूजा कर रहे हैं तो आपको उनका इच्छा पूर्ति मंत्र बताते हैं। इस चमत्कारी मंत्र का अगर आपने अपने इच्छा पूर्ण करने के कामना के साथ 108 बार जाप कर लिया तो ऐसा माना जाता है कि वो मनोकामना पूर्ण हो जाती है। हनुमान जी की पूजा और उनके मंत्रों का जाप करने से उनके भक्तों को साहस, बल, और विपत्तियों से मुक्ति प्राप्त होती है।

हनुमान जी का इच्छा पूर्ति मंत्र

यह एक सरल और प्रभावशाली मंत्र है जिसे नियमित रूप से जाप करने से इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है। ॐ हनुमते नमः मंत्र हनुमान जी को समर्पित एक शक्तिशाली और सरल मंत्र है। इस मंत्र का जाप करने से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इस मंत्र के जाप से मन को शांति, साहस, और बल प्राप्त होता है। मंत्र जाप करने से पहले आप इसका सही तरीका भी जान लें। स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहनें और एक शांत स्थान पर बैठें। हनुमान जी की मूर्ति या चित्र के सामने दीपक और अगरबत्ती जलाएं। आसन पर बैठकर एकाग्रता बनाए रखें। अब ॐ हनुमते नमः मंत्र का उच्चारण करें। आप इस मंत्र का 108 बार जाप कर सकते हैं। इसे माला का उपयोग करके गिन सकते हैं। अंत में हनुमान जी को अपने समर्पण और भक्ति का भाव प्रकट करें।

माना जाता है कि हनुमान जी की कृपा से मन में साहस और शक्ति का संचार होता है। जीवन में आने वाली कठिनाइयों और संकटों से मुक्ति मिलती है। मन में संतोष और शांति की अनुभूति होती है और भगवान के प्रति भक्ति और ध्यान में वृद्धि होती है। नियमित रूप से इस मंत्र का जाप करने से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं।

तिजोरी में रखें ये चीजें, हीरे मोती और नोटों की गड्डियों से भरी रहेगी

पैसों को सुरक्षित रखने के लिए आमतौर पर हर घर और दुकान में तिजोरी या कोई लॉकर जरुर होता है । ज्योतिष शास्त्र में तिजोरी से संबंधित कई उपाय बताए गए हैं।

मान्यता है कि तिजोरी में पैसों के अलावा कुछ खास चीजें रखने से धन की कभी कमी नहीं होती। घर धन-धान्य से भरा रहता है। व्यक्ति हर भौतिक सुख प्राप्त करता है। मां लक्ष्मी घर में निवास करती है। जानें तिजोरी में कौन सी चीजें रखने से धन लाभ मिलता है।

धन लाभ के लिए तिजोरी में क्या रखें

पीपल पत्ता :- धन की समस्या से गुजर रहे हैं तो ऐसे में एक पीपल के पत्ते पर लाल सिंदूर से ॐ लिखें। इसके बाद उसे तिजोरी में रख दें। ये उपाय पांच शनिवार तक करें। मान्यता है इससे दरिद्रता दूर होने लगती है। धन संकट खत्म होता है। पीपल में विष्णु जी का वास माना गया है।

पूजा की सुपारी :- हिंदू धर्म में पूजा की सुपारी को गौरी-गणेश का रूप मानकर उसकी पूजा की जाती है। कहते हैं लक्ष्मी, गणेश जी की उपासना के दौरान सुपारी की पूजा करें और फिर उस सुपारी को तिजोरी में रखें। मान्यता है कि जहां गणपति जी निवास करते हैं वहां मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है।

हल्दी गांठ :- सनातन धर्म में हल्दी का प्रयोग शुभ और मांगलिक कार्यों में किया जाता है। माना जाता है कि तिजोरी में हल्दी की गांठ को पीले कपड़े में बाधकर रखना शुभ होता है।

इससे घर में धन की कभी कमी नहीं होती है। सुख के साथ समृद्धि भी आती है।

यंत्र स्थापना :- घर में ऐश्वर्य वृद्धि यंत्र या धनदा यंत्र की स्थापना कर इसे तिजोरी में रखने से धन की आवक बढ़ती है।

बरकत का वास होता है। कुबेर की कृपा हमेशा बनी रहती है।

यूपी में भी है खाटू श्याम भगवान का चमत्कारी मंदिर

यहां अर्जी लगा ली तो पूरी हो जाएंगी मनोकामनाएं!

हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा। बरेली के खाटू श्याम मंदिर में जाने वाले भक्त भी यही कह रहे हैं। इस मंदिर का नाम साईं देव खाटू श्याम मंदिर है। यह मंदिर आस्था का केंद्र बना हुआ है। लोगों का कहना है कि खाटू श्याम बाबा इस मंदिर में अपने भक्तों की हर एक दुआ पूरी करते हैं।

बरेली का खाटू श्याम मंदिर

यह मंदिर बरेली शहर में 1965 का बना हुआ है। साल 2006 में यहां साईं बाबा को बैठाया गया था। साल 2022 को बाबा खाटू श्याम को भी विराजमान किया गया। मंदिर सुबह 5 बजे से सभी भक्तों के लिए खुल जाता है। 9:00 बजे बंद हो जाता है। मंदिर के महेंद्र पंडित सुशील पाठक ने लोकल 18 को बताया कि इस मंदिर की इतनी मान्यता है कि दूर-दूर से लोग आ रहे हैं।

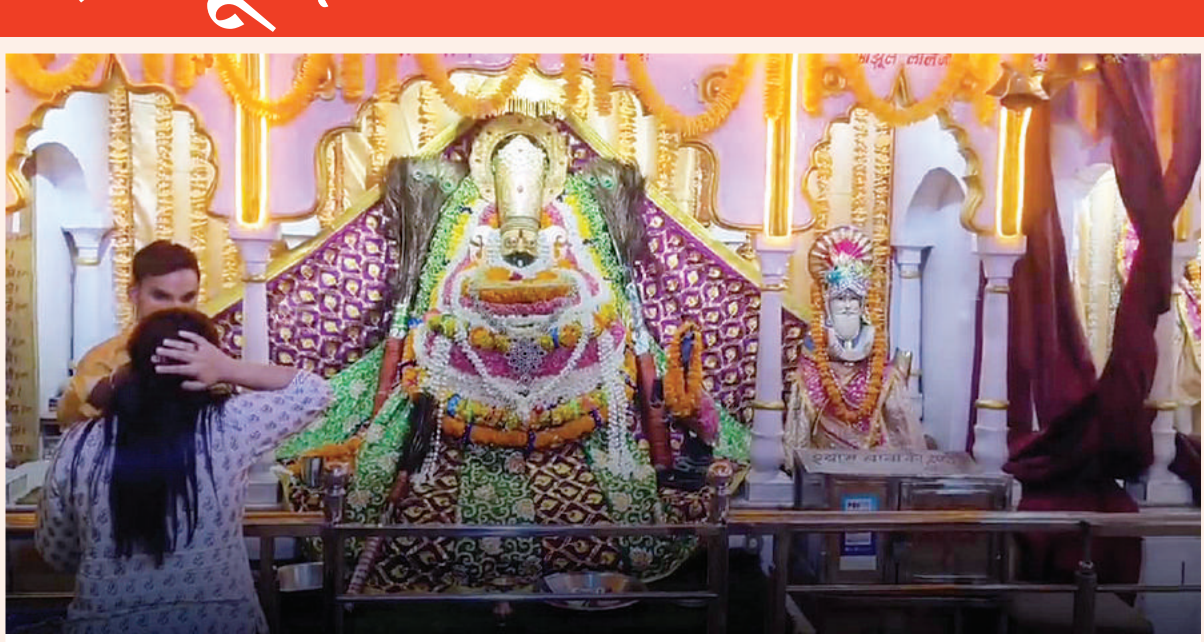

इस मंदिर को लोग मानते हैं चमत्कारी

नाथ नगरी बरेली में स्थित बाबा खाटू श्याम मंदिर के पुजारी पंडित सुशील पाठक ने बताया कि बाबा खाटू श्याम के चमत्कार और उनकी लीलाएं कई ज्यादा प्रसिद्ध है। उनका कहना यह है कि यहां जो भक्त सच्चे मन से पूजा करने आता है, उसकी मनोकामना बाबा खाटू श्याम अवश्य पूरी करते हैं। वह बताते हैं कि आरुष मिश्रा नाम का एक ढाई साल का बच्चा है, जिसे जांच के बाद ब्लड कैंसर निकला था। उसके माता-पिता ने खाटू श्याम जी के दरबार में अर्जी लगाई। तब से सफलतापूर्वक इलाज चल रहा है।

मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर के कपाट सुबह प्रातः 5:00 बजे खुल जाते हैं। इसके बाद मंदिर में मंगल आरती और साई आरती, बाबा का श्रृंगार किया जाता है।

इसके बाद दोपहर 12:00 बजे बाबा को भोग लगाकर मंदिर के कपाट बंद हो जाते हैं।इसके बाद शाम 6:00 बजे भक्तों के लिए बाबा के कपाट खुल जाते हैं। रात्रि 9:00 बजे मंदिर के कपाट बंद हो जाते हैं।

कभी बनी हीरो की गर्लफ्रेंड तो कभी मां

इन अभिनेत्रियों ने निभाए दोनों रोल, ये नाम हैं चौंकाने वाले

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की खास बात है कि यहां अभिनेताओं की उम्र कम नहीं होती, लेकिन एक्ट्रेसेस के लिए उम्र की सीमा तय की गई है। एक वक्त के बाद एक्ट्रेसेस को बहन और मां की भूमिकाएं मिलने लगती हैं, लेकिन उसने भी बड़े एक्टर हीरो के तौर पर ही नजर आते हैं। हालांकि, इन चीजों में वक्त के साथ बदलाव आया है, लेकिन अभी भी पूरी तरह से ये कॉन्सेप्ट नहीं बदला है। ऐसे में आज हम कुछ ऐसी एक्ट्रेसेस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने फिल्म में अपने हीरो की लवर का रोल निभाने के अलावा उनकी मां का रोल भी निभाया है।

महज 5-6 साल में कोई एक्ट्रेस गर्लफ्रेंड से मां जैसी छवि में कैसे बदल सकती है? बॉलीवुड में ऐसा कई बार हुआ है। हालांकि, बॉलीवुड में एंट्री के मामले में वहीदा रहमान मेगास्टार अमिताभ बच्चन से काफी सीनियर हैं और उम्र के मामले में भी। लेकिन इस खूबसूरत अदाकारा ने बिग की लवर और मां दोनों की भूमिका निभाई है। वहीदा रहमान 1973 में आई 'धर्मा' में अमिताभ बच्चन की लवर बनी थीं। वहीं, 1978 में आई 'त्रिशूल' में वहीदा रहमान ने अमिताभ बच्चन की मां का किरदार निभाया था।

इस लिस्ट में दूसरा नाम शर्मिला टैगोर का है। शर्मिला टैगोर ने 1975 में आई फिल्म 'फरार' में अमिताभ बच्चन की पत्नी का रोल किया था। इसके बाद 1982 में आई फिल्म 'देश प्रेमी' में शर्मिला टैगोर ने अमिताभ बच्चन की मां का रोल किया था। इसके अलावा शर्मिला टैगोर ने 1969 में आई

फिल्म 'आराधना' में राजेश खन्ना की लवर और मां दोनों का रोल निभाया था।

अपने समय की बेहद खूबसूरत एक्ट्रेस राखी ने भी अलग-अलग फिल्मों में अमिताभ बच्चन की गर्लफ्रेंड और मां का किरदार बखूबी निभाया है। राखी ने 1976 में आई फिल्म 'कभी कभी' और 1978 में आई फिल्म 'कसमें वादें' में अमिताभ बच्चन की गर्लफ्रेंड की भूमिका निभाई थी। इसके बाद राखी ने 1982 में आई फिल्म 'शक्ति' में अमिताभ बच्चन की मां का किरदार किया था।

श्रीदेवी का नाम काफी हैरान करने वाला है। 13 साल की उम्र में श्रीदेवी ने 1976 में आई तमिल फिल्म 'मोंद्रू मुडिचू' में सुपरस्टार रजनीकांत की सौतेली मां का किरदार निभाया था। इसके बाद 1989 में आई फिल्म 'चालबाज' में श्रीदेवी रजनीकांत की गर्लफ्रेंड बनी थीं।

रियल लाइफ कपल नरगिस और सुनील दत्त भी लवर्स और मां-बेटे की भूमिका में नजर आ चुके हैं। नरगिस ने 1957 की सुपरहिट फिल्म 'मदर इंडिया' में सुनील दत्त की मां का रोल निभाया था। इसके बाद 1964 में आई फिल्म 'यादें' में नरगिस सुनील दत्त की लवर बनी थीं।

इस लिस्ट में एक्ट्रेस प्रीति जिंटा का नाम भी शामिल है। प्रीति जिंटा 2003 में आई 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड बनी थीं। इसके बाद प्रीति जिंटा ने 2006 में आई 'कृष' में ऋतिक रोशन की मां का रोल किया था, जो कैमियो था।

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 का टीजर जारी

15 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म

स्त्री के सीक्वल की घोषणा के बाद से ही फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि दूसरे भाग में चंदेरी में क्या होने वाला है। पहले भाग ने दर्शकों को इस मुकाम पर पहुँचा दिया कि हर कोई सिर्फ़ यही अनुमान लगा रहा है कि श्रद्धा कपूर असल में स्त्री हैं या नहीं। खैर, मुंज्या के साथ सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया स्त्री 2 का टीज़र अब आखिरकार सोशल मीडिया पर सबके लिए आ गया है। टीज़र में राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी की वापसी देखने को मिलेगी।टीज़र की शुरुआत चंदेरी शहर में स्त्री की नई विशाल मूर्ति के उद्घाटन से होती है। मूर्ति के नीचे, ओ स्त्री रक्षा कर्णळ लिखा हुआ देखा जा सकता है। अगले फ्रेम में, हम असली गैंग राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी को एक साथ देखते हैं। एक फ्रेम में उनकी मौजूदगी ही आपको आगामी फ़िल्म के लिए उत्साहित कर देगी। रश के बाद कई डरावने सीन दिखाए गए और अंत में श्रद्धा कपूर गंभीर रूप में दिखाई दीं।टीजर में तमन्ना भाटिया का सेक्सी अवतार भी देखने को मिला। ऐसा लग रहा है कि वह एक धमाकेदार डांस नंबर के लिए कैमियो करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रश में मुख्य जोड़ी श्रद्धा और राजकुमार के बीच कुछ प्यारे पल भी देखने को मिल सकते हैं। फिल्म मुंज्या की थिएट्रिकल रिलीज से जुड़ी एक झलक के बाद, मेकर्स ने आखिरकार स्त्री 2 का टीजर जारी कर दिया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह की लहर पैदा कर दी है। स्त्री आपकी स्क्रीन पर फिर से धमाल मचाने और आपको गुदगुदाने के लिए तैयार है, मेकर्स - जियो स्टूडियोज और दिनेश विजान ने अपने बहुप्रतीक्षित सीक्वल का टीजर जारी कर दिया है। 2018 की फिल्म स्त्री की अभूतपूर्व सफलता के बाद, जियो स्टूडियो और दिनेश विजान बहुप्रतीक्षित और बहुप्रतीक्षित सीक्वल स्त्री 2 लाने के लिए तैयार हैं। अमर कौशिक द्वारा डायरेक्ट यह फिल्म डरावनी लेकिन प्रफुल्लित करने वाली दुनिया में वापसी का वादा करती है, जहां पौराणिक स्त्री पुरुषों को डराती रहती है। यह फिल्म जो पहले 14 जून को रिलीज होने वाली थी, अब स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को स्क्रीन पर आएगी।

अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल की रिलीज टली

अक्षय कुमार के प्रशंसक लंबे समय से उनके कॉमेडी अवतार में लौटने का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता ने अपनी मशहूर कॉमेडी फ्रैंचाइजी वेलकम की तीसरी किस्त वेलकम टू द जंगल का ऐलान कर उन्हें तोहफा दिया था।यह फिल्म इस साल 20 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब एक ऐसी चर्चा चल पड़ी है, जिसे सुनकर प्रशंसक मायूस हो सकते हैं।दरअसल, खबर है कि इस फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा लग रहा है कि बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक वेलकम की अगली किस्त के लिए प्रशंसकों को अभी और इंतजार करना होगा।सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिरोज नाडियाडवाला की फिल्म वेलकम टू द जंगल अपनी तय तारीख यानी 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज नहीं होगी।फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है, जो फिल्म की रिलीज तारीख टलने का कारण है।फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया,

वेलकम टू द जंगल को बड़े पैमाने पर बनाया गया है, जिसका पहला शेड्यूल हाल ही में मई में पूरा हुआ है। महाराष्ट्र में इसकी शूटिंग काफी लंबी चली, जिसमें पूरी स्टारकास्ट मौजूद थी। यह सिर्फ पहला शेड्यूल था। इसके अलावा, शूटिंग खत्म होने के बाद वीएफएक्स का काम होगा। यह सब देखते हुए 20 दिसंबर को फिल्म रिलीज होना असंभव लगता है।हालांकि, अभी रिलीज टलने का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।अगर इस खबर में जरा भी सच्चाई होती है तो इसका मतलब यह होगा कि वेलकम टू द जंगल का आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर से टकराव भी टल जाएगा। बता दें, आमिर की फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है।अहमद खान के निर्देशन में बन रही फिल्म वेलकम टू द जंगल में अक्षय के अलावा संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, परेश रावल और अरशद वारसी जैसे अभिनेता नजर आएंगे।अभिनेत्रियों की बात करें तो दिशा पाटनी, रवीना टंडन, जैकलीन फर्नांडिस और लारा दत्ता भी दर्शकों को अपनी कॉमेडी से गुदगुदाती दिखेंगी।फिल्म की नई रिलीज तारीख के बारे में भी अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में दर्शकों को कितना इंतजार करना होगा कहा नहीं जा सकता।वेलकम एक मशहूर कॉमेडी फ्रेंचाइजी है, जिसका सफर साल 2007 में शुरू हुआ था। इस फिल्म में अक्षय और कैटरीना कैफ की जोड़ी ने दर्शकों को हंसाने का काम किया था। यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई थी।

तारा सुतारिया ने बताया

पहला हिंदी सॉन्ग शामत गाना कितना मुश्किल था

अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपने पहले हिंदी सॉन्ग शामत को याद किया। एक्ट्रेस ने बताया कि इस गाने (सॉन्ग) को गाना कितना मुश्किल था। उन्होंने इसे 2022 की एक्शन थ्रिलर फिल्म एक विलेन रिटर्न्स के लिए रिकॉर्ड किया था।तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के दौरान की कई तस्वीरें शेयर की।एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, करीब दो साल पहले मैंने अपना पहला हिंदी सॉन्ग शामत रिकॉर्ड किया था। इसे आज तक 93 मिलियन बार देखा जा चुका है। यह गाना फिल्म एक विलेन रिटर्न्स के लिए था, इसमें मैंने एक सिंगर की भूमिका निभाई। यह एक संयोग ही था, क्योंकि किसी को फिल्मों में गाने का मौका बहुत ही कम मिलता है। पिछले 20 सालों से प्रशिक्षित पश्चिमी शास्त्रीय और पॉप सिंगर के रूप में, अपने किरदार के अनुरूप अपनी तकनीक और साउंड को ढालना ज्यादा मुश्किल था।तारा सुतारिया ने लिखा, अंग्रेजी और हिंदी म्यूजिक दोनों ही मेरे दिल के करीब हैं। ट्रेनिंग, साउंड और तकनीक की बात करें तो दोनों बिल्कुल अलग हैं! पीछे मुड़कर देखती हूं तो एक कदम आगे बढ़कर बहुत खुश हूं।

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था का गाना ऐ दिल जरा हुआ रिलीज

तब्बू और अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था रिलीज से बस चंद दिन दूर है। आज इस फिल्म का नया गाना रिलीज हुआ है। ए दिल जरा गाने को सुनिधि चौहान, जुबिन नौटियाल, अमला चेबोलू और ऋषभ चतुर्वेदी ने मिलकर गाया है, वहीं मनोज मुंतशिर ने इसके बोल लिखे हैं। इसका संगीत ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी ने तैयार किया है।अजय देवगन ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा कर नया गाना रिलीज होने की जानकारी दी है। उन्होंने कैप्शन लिखा है, शाश्वत प्रेम कैसा होता है? ऐस दिल जरा जैसा होता है! अजय देवगन और तब्बू की यह फिल्म 5 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसका निर्देशक नीरज पांडे ने किया है। इस फिल्म में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

कमल हासन की इंडियन 2 का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज, सेनापति बन छा गए अभिनेता

कमल हासन जैसे-जैसे अपने करियर में आगे बढ़ रहे हैं, वह अपने किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करने में जरा भी पीछे नहीं हट रहे हैं। उनकी दो आगामी फिल्मों को लेकर फैंस में काफी उत्सुकता है।एक तरफ उनकी फिल्म कल्कि-2898 एडी जहां सिनेमाघरों में जल्द ही दस्तक देगी, तो वहीं उनकी तमिल फिल्म इंडियन-2 भी रिलीज के लिए तैयार है। इंडियन 2 को हिंदी ऑडियंस के लिए हिंदुस्तानी-2 के टाइटल के साथ रिलीज

किया जाएगा।कल्कि की एक्साइटमेंट के बीच अब हाल ही में मेकर्स ने हिंदुस्तानी 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसको देखने के बाद निश्चित तौर पर आप कमल हासन के अभिनय की तारीफ करते हुए नहीं थकेंगे।एस शंकर के निर्देशन में बनी हिंदुस्तानी 2 अगले महीने थिएटर में रिलीज होगी। अब हाल ही में उससे कुछ दिन पहले मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर शुरू कर दिया है, जिससे नजरें हटाना वाकई मुश्किल है। इस ट्रेलर की शुरुआत होती है देश में चल रहे करप्शन की शिकायतों के साथ, जहां लोगों को ये कम्प्लेन तो होती है कि ये सिस्टम ठीक करने वाला कोई नहीं है, लेकिन उसे ठीक करने के लिए कोई एक कदम भी नहीं उठाता है।तभी एंट्री होती है सेनापति की, जो सिस्टम में मौजूद लोगों को कभी प्यार से तो कभी अपनी मार से सुधारने का जिम्मा उठाता है।

फैंस के बीच फैशन गोल्स सेट करती दिखीं अनन्या पांडे

किलर पोज देकर सोशल मीडिया पर बरपाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रसेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच फैशन गोल्स सेट कर देती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।एक्ट्रेस अनन्या पांडे हमेशा अपने हॉट लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक स्टाइलिश अंदाज इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा कर फैंस के बीच फैशन गोल्स सेट कर दिया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने फ्लोरल लुक में ब्लू कलर का कोर्ड सेट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस अनन्या पांडे का ये लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं, साथ ही लोग उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं।अनन्या पांडे को इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटोज शेयर किए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 2 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक कर दिया है। वहीं कई यूजर्स ने कॉमेंट्स के जरिए अपना प्यार बरसाया है।एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो गॉर्जियस। दूसरे यूजर ने लिखा है- हॉट अनन्या। वहीं, तीसरे यूजर ने लिखा है- टू हॉट टू हेंडल।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर अनन्या पांडे की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

राजस्थान : फैक्ट्री में आग लगने से चार लोगों की मौत, दस अन्य घायल

भिवाड़ी, 26 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले में एक फैक्ट्री में आग लग गई। इस दौरान हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को इस घटना की जानकारी दी।

भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा) के औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार शाम दवा और केमिकल बनाने वाली फैक्ट्री में धमाका हुआ था। हादसे में एक कर्मचारी झुलसकर बेहोश हो गया था जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत गई थी। 12 अन्य कर्मचारी झुलस गए थे। दमकल की 10 गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के समय फैक्ट्री में 50 से अधिक कर्मचारी थे। तीन कर्मचारियों की कोई खबर नहीं मिल रही थी। इस पर बुधवार को फैक्ट्री की सर्चिंग की गई। इस दौरान तीनों के शव मिले। हादसा खुशखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में वर्तिका केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हुआ था। मंगलवार शाम करीब साढ़े छह बजे इस फैक्ट्री में धमाका हुआ।

तिजारा डीएसपी शिवराज ने बताया- मिर्जापुर (यूपी) निवासी अजय (24) पुत्र जटा शंकर झुलसकर बेहोश हो गया था। उसे पीछे वाले दरवाजे से निकाल कर प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए थे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। तीन कर्मचारी नहीं मिल रहे थे। उनकी खोज के लिए मंगलवार रात 12 बजे तक नाइट विजन लाइट्स और अन्य इक्विपमेंट के साथ फैक्ट्री में की गई। पर कोई सफलता नहीं मिली। बुधवार को दुबारा सुबह 8 बजे से सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

ग्राउंड फ्लोर पर पड़े मलबे को हटाया तो इसमें दो शव मिले। इनकी पहचान यूपी निवासी विकास (24) पुत्र अभयराज और अमेठी (यूपी) निवासी विशाल (22) पुत्र राजकुमार सिंह के तौर पर हुई है। इसके बाद फैक्ट्री के फर्स्ट फ्लोर पर सर्चिंग की गई। यहां जम्मू-कश्मीर निवासी राजकुमार (34) पुत्र बंशी लाल का शव मिला।

फैक्ट्री के एक कर्मचारी ने बताया कि वह शाम को काम में व्यस्त था। अचानक हुए धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। देखते ही देखते मैं चारों तरफ से आग में घिर गया। बचने के लिए बाहर की तरफ भागा, फिर भी मैं झुलस गया। मेरे सिर में भी चोट लगी है। एक अन्य कर्मचारी ने बताया- जोरदार धमाके के साथ फैक्ट्री की छत पर लगा टीन शेड मेरे ऊपर गिर गया। मेरा पैर टीन शेड के नीचे फंस गया। बमुश्किल खुद को इसके नीचे से निकाला और बाहर की ओर भागा। फैक्ट्री में हुए धमाके में 12 कर्मचारी झुलस गए थे।

खुशखेड़ा के प्राइवेट हॉस्पिटल बीएसएस के डॉ. नरेंद्र शेखावत ने बताया कि भर्ती मरीजों में सज्जन (40) पुत्र मानसिंह , नवीन कुमार (38) पुत्र हरि सिंह, शैलेश कुमार (30) पुत्र शेर सिंह, अवनेश कुमार (21) पुत्र नेम सिंह, रंजीत (23) पुत्र राकेश, शमशेर सिंह (36) पुत्र जयपाल पटेल, देव कुमार (28) पुत्र राम शंकर और दुर्गा पांडे (29) पुत्र शंभू नाथ पांडे को भर्ती कराया गया था। सभी को छुट्टी दे दी गई है। अन्य 4 कर्मचारियों को भिवाड़ी के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पा रही है।

सभी के शवों को टपूकड़ा सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। परिवार वालों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। अब तक इस घटना में 4 लोगों की मौत हो चुकी है। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। फैक्ट्री पूरी तरह जल चुकी है। हर तरफ मलबा ही मलबा पड़ा है। इसमें मिसिंग कर्मचारियों को ढूंढना किसी चुनौती से कम नहीं था। सर्च ऑपरेशन में 3 कर्मचारियों के शव मिले हैं।

तिजारा डीएसपी शिवराज ने बताया- फैक्ट्री मालिक कमल नयन त्रिपाठी को सूचना दी गई है। वह मौके पर नहीं पहुंच पाएं हैं। उनकी तबीयत खराब है। वह दिल्ली के एक हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

फायर अधिकारी नरेश मीणा ने बताया कि कंपनी में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी और शॉर्ट सर्किट के बाद ही ब्लास्ट हुआ था जिसमें चार शव मिले हैं। एक शव मंगलवार को मिल गया था। तीन शव रेस्क्यू के दौरान मिले हैं। तीन लोगों के शव दीवार से चिपके हुए मिले क्योंकि इस ब्लास्ट में दीवार गिर गई थी और 11 व्यक्ति घायल हो गए थे । तीन मजदूरों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। फैक्ट्री में काफी कन्जेस्टेड एरिया बना हुआ था जो मुख्य द्वार है वहां पर भी सामान इस तरीके से रखा हुआ था मजदूर निकल नहीं पा रहे थे।

बिरला के पुन: लोकसभा अध्यक्ष बनने पर प्रदेश भाजपा ने मनाई खुशी

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष रह चुके कोटा सांसद ओम बिरला को लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, नाहर सिंह जोधा, प्रदेश मंत्री पींकेश पोरवाल, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई, वहीं दूसरी ओर भाजपा कार्यालय में आतिशबाजी की गई।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सभी सांसदों ने कोटा सांसद ओम बिरला को फिर से लोकसभा अध्यक्ष बनाया है इसके लिए प्रधानमंत्री को साधुवाद है। उन्होंने कहा कि जिस तरह 17वीं लोकसभा में ओम

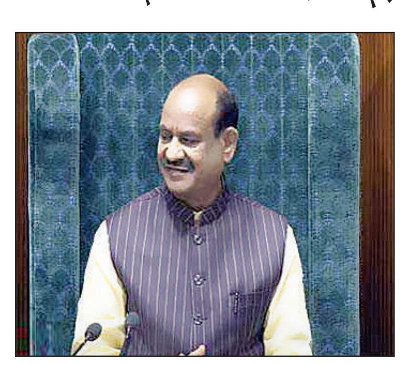

बिरला ने सदन का संचालन कुशल तौर पर किया था, उससे भी बेहतर तरीके से 18वीं लोकसभा में सदन की कार्यवाही चलेगी।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा ने लोकसभाध्यक्ष के पद पर लगातार दूसरी बार राजस्थान के सांसद ओम बिरला को चुने जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि श्री बिरला की कार्य कुशलता के चलते ही सभी सांसदों ने उनके नाम पर सहमति जताई है।

भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद पर लगातार दूसरी बार ओम बिरला जी को जिम्मेदारी देना निश्चित तौर पर राजस्थान को बहुत बड़ा सम्मान मिला है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष ने भी तारीफ की है। ओम बिरला के लोकसभा अध्यक्ष बनने से पूरे देश में राजस्थान का मान-सम्मान एक बार फिर से बढ़ा है।

भाजपा एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि कोटा सांसद ओम बिरला का लोकसभा अध्यक्ष बनने से पूरे राज्य में खुशी का माहौल है। सदन में विपक्ष भी चाहता था कि योग्य और कार्य कुशल व्यक्ति अध्यक्ष बनें, ऐसे में ओम बिरला को ध्वनिमत से अध्यक्ष बनाना पूरे राज्य के साथ देश के लिए गौरव का क्षण है। ओम बिरला का पिछला कार्यकाल भी सफल रहा है ऐसे में अब फिर से पांच वर्ष तक सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेहतर फैसले किए जाएंगे।

बच्चों को पेड़ से बांध कर पीटने के मामले में छह युवक गिरफ्तार

अजमेर, 26 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में अजमेर जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र में एक परिवार के दो बच्चों को जबरन उठाकर ले जाने तथा पेड़ से बांध कर पीटने का मामला सामने आया है।

पीड़ित बच्चों की मां की शिकायत पर पुलिस ने गांव के ही छह युवाओं को हिरासत में लिया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला बालद का दड़ा गांव का है। जहां सोमवार को बकरा चुराने के मामले में युवकों ने गांव में ही रहने वाले एक ही परिवार के दो बच्चों को घर से उठा लिया और पेड़ से बांध जमकर पिटाई कर दी। इस वारदात का वीडियो भी वायरल हुआ।

बच्चों के उठाने और पेड़ से बांधकर पीटने की बात गांव में फैल गई। मां भी गिड़गिड़ाती रही। अंततः पुलिस को दी शिकायत पर श्रीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई कर गांव के छह युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ और मामले की जांच कर रही हैं।

अंत्योदय परिवारों के लाभार्थियों को सौंपे प्लॉट के प्रमाण पत्र

सिरसा, 26 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत बुधवार को चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित एक भव्य समारोह में हरियाणा के सिरसा जिला के अनुसूचित जाति से संबंधित, विधवा महिलाओं व घुमंतू जाति से संबंधित गरीब परिवारों के लाभार्थियों को 30-30 वर्ग गज के प्लॉट के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समारोह में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। इस अवसर पर रोहतक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। ये प्रमाण पत्र जिला सिरसा के 853 व फतेहाबाद जिला के 195 लाभार्थियों को दिए गए हैं।

डा. कमल गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न की ओर महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा अंत्योदय की भावना से कार्य करते हुए गरीब परिवारों को हर संभव सहायता मुहैया करवाई जा रही है। सभी को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा, बिना भेदभाव के विकास कार्य, हर पात्र व्यक्ति को योजना का सीधा लाभ, पेयजल, बिजली आदि की दिशा में सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा हाउसिंग फॉर ऑल विभाग द्वारा शहरी क्षेत्रों में रहने वाले अंत्योदय परिवारों के लोगों के लिए मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले अंत्योदय परिवारों को शहरी क्षेत्र में 30-30 वर्ग गज के प्लॉट दिए जा रहे है। इससे अब हर गरीब व्यक्ति का अपने घर का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आज प्रदेश के 14 शहरों में 15 हजार 200 प्लॉट आवंटित किए जा रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा गरीब परिवारों को हेप्पी कार्ड वितरित किए गए हैं ताकि उन्हें एक हजार किलोमीटर तक की मुफ्त यात्रा का लाभ मिल सके। ।

कांग्रेस की भर्ती रोको गैंग ने कटवाए गरीबों के पांच अंक : नायब सैनी

सीएम ने लाभार्थियों को अलॉट किए 30-30 गज के प्लॉट, बांटे प्रमाण-पत्र

रोहतक, 26 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि वे रोहतक की जमीं से हुड्डा को कहना चाहते हैं कि कांग्रेस की भर्ती रोके गैंग ने गरीबों के पांच अंक कटवाए हैं, लेकिन भाजपा सरकार गरीबों का हक नहीं मरने देगी। चाहे सुप्रीम कोर्ट में दोबारा जाना पड़े या नया कानून लेकर आना पड़े। मुख्यमंत्री बुधवार को एमडीयू के टैगोर सभागार में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत एक लाख 80 हजार से कम आय वर्ग के परिवारों को 30-30 गज के प्लाट देते समय लोगों को संबोधित कर रहे थे।

नायब सैनी ने कहा कि सरकार ने गरीब व्यक्ति के लिए घर बनाने के लिए 30-30 गज के प्लाट देने क योजना तैयार की थी। क्योंकि अपना घर तो अपना ही होता है। इसके लिए पहले गांवों में 100-100 गज के प्लाट दिए, इसके बाद शहर में लोगों को 30-30 गज के प्लाट दिए हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो प्रदेश में हर जगह जाकर कहते

हैं कि कांग्रेस की भर्ती रोको गैंग ने ही गरीबों के पांच अंक कटवाए हैं, लेकिन आज रोहतक की जमीं पर खड़े होकर कहता हूं कि कांग्रेस कुछ भी कर ले, गरीबों का हक नहीं मरने दूंगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे सुप्रीम कोर्ट में दोबारा जाना पड़े या नया कानून लेकर आना पड़े। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कि भाजपा की तो केवल दो माह की सरकार रह गई है, लेकिन याद रखें भाजपा तीसरी बार गरीबों के सहयोग से सरकार बनाएगी। मुख्यमंत्री बोले, अधिकारी अपनी कार्यशैली को सुधार नहीं, तो मुझे सुधारना आता है। अब भी शिकायत मिल रही हैं कि कई अधिकारी लोगों को चक्कर कटवा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों के चेतावनी देते हुए कहा कि बता देना चाहता हूं आम लोगों को कितने चक्कर कटवाओगे, उतने ही उस अधिकारी को काटने पड़ेंगे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से कहा कि अगर हिम्मत है तो अपने 10 साल के कार्यकाल में लगवाई गई भर्तियों पर श्वेत पत्र जारी करें। पता लग जाएगा कि किसने कितनी नौकरी दी हैं। पहले जहां पर्ची व खर्ची पर नौकरी लगती थी, लेकिन अब गरीब का बेटा मैरिट के आधार पर एचसीएस से लेकर तहसीलदार तक बन रहा है।

समारोह के बाद मुख्यमंत्री के पास कुछ लोग शिकायत लेकर पहुंचे। एक महिला बोली, परिवार पहचान पत्र में उसकी आय ज्यादा चढ़ा दी। अब ठीक नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, कल डीसी से जाकर मिल लेना। आपका काम हो जाएगा। इसके बाद फरियादियों की भीड़ लग गई। मुख्यमंत्री ने काफी देर तक लोगों से उनकी शिकायतें ली।मुख्यमंत्री ने रोहतक के 30 लोगों को आबंटन पत्र अपने हाथों से दिए। इस दौरान कई महिलाएं मुख्यमंत्री के पैर छूने के लिए आगे बढ़ी। तब मुख्यमंत्री नायब सैनी ने झुककर हाथ जोड़ते हुए उनको पैर छूने से रोका। करीब 30 लोगों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से प्लाटों के आबंटन पत्र दिए। बाकी को निगम की तरफ से बाहर टेबल लगाकर आंबटन पत्र बांटे गए। इस दौरान भीड़ की जल्दबाजी से व्यवस्था बिगड़ गई।

सरकार को शिक्षित बेरोजगारों का समाधान ढूंढना चाहिए : पायलट

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने नीट परीक्षा को देश का सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा है कि इसके प्रति जिम्मेदारी तय करनी तथा शिक्षित बेरोजगारों का समाधान ढूंढने के लिए सरकार को काम करना चाहिए।

श्री पायलट ने बुधवार को यहां मीडिया से यह बात कही। उन्होंने कहा कि अभी देश का सबसे बड़ा मुद्दा नीट की परीक्षा का है। यह परीक्षा विवादित होने के कारण लाखों नौजवानों को सदमा लगा है। नौजवानों में जो विश्वास हैपरीक्षा की प्रणाली पर उस पर बड़ा सवाल खड़ा हुआ है। केंद्र सरकार ने जिस तरह से शुरू में अड़ियल रवैया अपनाया था। उन्हें अपनी गलती स्वीकार करनी पड़ी लेकिन अभी तक जिम्मेदारी तय नहीं की गई

है ,जिस तरह से लीपा पोती कर बचाव करने का काम हो रहा यह शोभा नहीं देता है ।

उन्होंने कहा कि लगातार लोगों में भ्रम फैल रहा है कि अब हमारा भविष्य सुरक्षित नहीं है । आजाद भारत के इतिहास में आज सबसे ज्यादा शिक्षित बेरोजगार है। इसका समाधान ढूंढने के लिए सरकार को काम करना चाहिए। सरकार नहीं बनने से पहले 100 दिन की कार्य योजना बनाई जा रही थी और अतिउत्साह में यह काम कर रहे थे लेकिन सबसे महत्वपूर्ण नौजवान हैं उन्हें लेकर सरकार को पूरी कार्रवाई करनी चाहिए। नीट परीक्षा में गड़बड़ी में जो लोग जिम्मेदार हैं उनका बचाव नहीं होना चाहिए। सरकार को पूरी कार्रवाई भी करनी चाहिए और जनता को भी बताना चाहिए कि यह सरकार से गलती हुई है।उन्होंने कहा कि नीट की परीक्षा से बाकी परीक्षाओं को जो कैंसिल किया गया है। यह इसका प्रतीक है कि यह सिस्टेमैटिक फैलियर है। यह सरकार 10 साल से सत्ता में रही और भाषण दिए युवाओं के नाम पर वोट भी लिया। परीक्षा पर चर्चा ,चाय पर चर्चा चलाई लेकिन विश्वास जो डगमगाया है। युवाओ का उसको बनाए रखना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पहले भी मजबूत था और आज भी मजबूत है, जहां-जहां उपचुनाव होंगे वहां पहले से हम जीते हुए थे और आने वाले समय में हरियाणा, महाराष्ट्र और राज्यों में चुनाव है। हम जीतेंगे। राजस्थान में जो अभी हाल बने हुए हैं। बिजली पानी के जो हालात हमें दिखते है मूलभूत सुविधाओं के लिए सरकार नाकामयाब है। उपचुनाव हम मजबूती से लड़ेंगे।श्री पायलट ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर जिस तरह से कोटा में कार्रवाई हुई है राजनीतिक पार्टी परमिशन लेने के बाद अपना आंदोलन कर रही थी जो बिजली पानी के लिए था। लेकिन बजाय इसके कि जनता को राहत दे बल्कि नेता प्रतिपक्ष और प्रमुख विपक्षी प्रदेश अध्यक्ष पर कार्रवाई करना यह गलत है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
आज के दिन का काम जल्दी ही निपट जाएगा. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिव जी का पंचाक्षर मंत्र जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी थकावट भी रहेगी.परन्तु सफलता भी हैं कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. विवाह सम्बन्ध मे बाधा रहेगी , दुर्गा जी का मंत्र जप करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह
आज कार्य सिद्ध होंगे आप मे उत्साह भरपूर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आज हनुमानजी को चमेली के तेल का दीप प्रज्वलित करें काम पूरे होंगे खर्च पर नियंत्रण रखें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. शाम तक पूरे काम निपट जांएगे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
अपनी माता पिता का जरुरी कार्य पहले पूरा करेंगे. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है.
आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान-पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. छोटी कन्या को दूध की मिठाई जरुर दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
आज व्यापार मे निवेश करना बढ़ीया रहेगा । अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता हैं काम से फूर्सत मिलते ही आराम करें नये काम का बोझ मत डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
आज व्यापार का लिए समय अनुकूल है साझेदारी भी कर सकते हैं भविष्य मे लाभदायक रहेगा अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले दही का सेवन जरुर करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आज छात्रों का दिन अच्छा और सफलता वाला रहेगा नये कोर्स मे सफलता भी मिलेगी सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.मछलियों को आटा डाले मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
आज धन का लाभ बनेगा आय के स्रोत बढ़ेंगे । शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने जरुर जाए . इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. लक्ष्मी जी को पद्मपुष्प चढाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
व्यापार के लिए समय आज अनूकुल नही हैं विचार प्रूवक निवेश करें कर्ज लेने से बचें पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद-विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा.
डिनर हल्का लेवें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आज मौसमी बीमारियों से परिवार के बच्चे परेशान रहेंगे घर मे गाय के धूप को जलाए . किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. किसी मित्र के यहां शाम का वक्त बितेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा जिससे उन्नति होगी स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा परेशानियों से स्थायी निजात मिलेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन-देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा का योग नही हैं फिलहाल यात्रा टालदें । छात्रों को सफलता बन रही हैं अध्यापक शिक्षक पूरा सहयोग करेंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 27 जून 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी सायं 06:42 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रात: 11:37 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 12:27 तक
करण : गर प्रात: 07:49 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 04:32 तक
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : भद्रा सायं 06:40 से उत्तर रात्रि 05:33 तक , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY

जेडीयू नेता की बातचीत वायरल : मंत्री हमारे अंदर में हैं, नौकरी लगवा देंगे

इस योजना का काम कराने का भी वादा किया

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा में सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के एक नेता विजयकांत का सोशल मीडिया पर हड़काने का वीडियो और किसी अन्य से बातचीत का ऑडियो वायरल हो रहा है। जदयू नेता वर्तमान में नालंदा के व्यावसायिक उद्योग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विजयकांत हैं। पहले बात वायरल ऑडियो की। इसमें वह कथित तौर पर जदयू नेता फोन पर किसी बात करते हुए बोल रहे हैं कि हम कहते हैं आप गार्जियन के तौर पर हेल्प कीजिए। निखिल और उज्ज्वल को मैं ग्रामीण विकास में नौकरी लगा दूंगा। मंत्री जी हमारे अंदर में हैं। अभी एक भी रुपया नहीं लगेगा। अगर उसका उम्र बचा है तो उसको भी नौकरी लगा देंगे। बहू और राजा को भी हम नौकरी लगवा दे रहे हैं। ग्रामीण विभाग में 1400 पोस्टिंग है जो कि हमारे अंदर है।

वायरल हो रहे ऑडियो में कथित तौर पर जदयू नेता कह रहे हैं कि राजगीर में भी हम जमीन का कारोबार शुरु किए हैं। जमीन में भी हम एक रुपया प्रोफिट नहीं लेंगे। उद्यमी योजना भी अप्लाई हो रहा है। उसमें भी पांच लाख रुपया माफ हो जाएगा। उसमें ब्याज भी नहीं लगेगा। उसमें भी हम लोन करवा देंगे। हमसे आपलोग हेल्प लीजिए। फोन पर दूसरे शख्स ने कहा कि आप क्या चाहते हैं बोलिए न। तो जदयू नेता ने कहा कि हमको कुछ नहीं चाहिए, बस जमीन में अपना शेयर चाहिए।

अब बात करते हैं वायरल हो रहे वीडियो की। यह वीडियो 11 जून की रात्रि सवा 9:15 बजे का है। वायरल वीडियो 5 मिनट का है। इसमें जदयू नेता कह रहें हैं कि उनसे बड़ा गुंडा इस शहर में कोई नहीं है। इतना ही नहीं वह पुलिस को यह निर्देश भी दे रहे हैं की जो उनके सामने (भतीजा) बोल रहा है उसे पकड़ कर थाने ले जाएं। इतना ही नहीं जब पुलिस जांच कर रही होती है तो उसी क्रम में विजयकांत पुलिस पर अपना पावर का रॉब दिखाते हैं। जब महिला कांस्टेबल विजयकांत को शांत रहने के लिए कहती है तो विजयकांत पुलिस को यह कहते हुए दिख रहे हैं कि हमको आप पहचानते हैं क्या? डायरेक्ट सीएम हैं हम यह मान कर चलिए आप, इसके बाद विजयकांत अपने ऊपर वाले पॉकेट से आई कार्ड निकाल कर महिला कांस्टेबल को दिखाते हैं। महिला कांस्टेबल उनसे आराम से बात करने की अनुरोध करती है।

दरअसल लहेरी थाना क्षेत्र के आलमगंज मोहल्ले में पैतृक जमीन पर दुकान बनी हुई है। विजयकांत और शिवेंद्र कुमार दोनों भाइयों की आमने-सामने ही कपड़े की दुकान है। जिसके मुख्य रास्ते पर ताला लगाने को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद को सुलझाने के लिए लहेरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। जदयू नेता विजयकांत ने अपने भाई शिवेंद्र कुमार एवं भतीजे निखिल नवादिया पर बिहार थाना में आठ जून को मारपीट एवं कट्टा से गोली चलाने का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराया है। जबकि शिवेंद्र कुमार की पत्नी मीनाक्षी नवदिया ने लहेरी थाना में 8 जून को विजयकांत एवं शुभम कुमार समेत चार अन्य को आरोपित कर घर में घुसकर मारपीट का मामला दर्ज करायी है। संपत्ति को लेकर दोनों भाइयों में विवाद चला आ रहा है।

जदयू नेता ने वायरल वीडियो के संदर्भ में कहा कि हम लोग मुख्यमंत्री जी का काम करते हैं। मुख्यमंत्री जी का यह कहना है कि पूरा बिहार सीएम है। मैं भी नीतीश कुमार, यह एक डायलॉग है। हम लोग इसी पर काम कर रहे हैं क्योंकि हम लोग मुख्यमंत्री जी का डिजिटल कैंपेन चलाते हैं। आईटी सेल का मैं संयोजक हूं। मुख्यमंत्री जी का भी हाल फिलहाल में यह नारा आया था कि मैं भी नीतीश कुमार हूं। पूरे बिहार का आदमी नीतीश कुमार है। और सीएम का पावर रखता है। बिहार की कोई भी जनता हो वह सीएम है यहां का, मुख्यमंत्री जी पूरे बिहार को अपना परिवार मान लिए हैं। पूरा बिहार उनके लिए काम कर रहा है और अपने आप को मुख्यमंत्री मान रहा है।

इसलिए मैं भी अपने आप को नीतीश कुमार मानता हूं। और मैं सिर्फ नीतीश कुमार के लिए काम करता हूं। यह कोई महत्व नहीं रखता है। मुख्यमंत्री जी भी उस चीज को देखे हैं। वह बहुत खुश हुए हैं।

मैं एनडीए गठबंधन पूरे बिहार प्रदेश का संयोजक हूं। एनडीए गठबंधन चुनाव अभियान समिति का ऑल इंडिया मेंबर हूं। जदयू व्यवसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ नालंदा का जिला अध्यक्ष सीएम बिहार डिजिटल कैंपेन का बिहार प्रदेश का संयोजक हूं। जदयू आईटी सेल सोशल मीडिया का मैं संयोजक हूं। अभी हाल फिलहाल में हम लोगों ने जनता दरबार भी लगाया था और जो समस्याएं जनता दरबार में आई थी उसको डायरेक्ट मैं मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाया था और काम करवाया था। मैं फ्री में काम करता हूं। आज तक एक रुपया किसी से ना लिया हूं और ना दिया हूं।

बिहार में फिर एक पत्रकार की हत्या, शरीर और गर्दन पर चाकू से किए कई वार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में अपराधियों के हौसले दिन प्रति दिन बढ़ते जा रहे है। मंगलवार की देर रात बेखौफ अपराधियों ने एक पत्रकार की चाकुओं से गोद कर उनकी हत्या कर दी। यह घटना उनके घर के पास ही हुई है। घटना मनियारी थाना क्षेत्र के मारीपुर की है। मृतक पत्रकार की पहचान शिवशंकर झा के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि मंगलवार की देर रात शिवशंकर झा अपने घर की ओर लौट रहे थे, तभी अचानक अज्ञात अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और उन पर चाकु से हमला कर दिया। इससे पहले कि वह संभलते, तबतक अपराधियों ने उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को देखकर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पत्रकार शिवशंकर झा को घटनास्थल से उठाकर एसकेएमसीएच पहुंचाया, जहां डाक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिर पुलिस ने घटना की सूचना उनके घर वालों को दी। जानकारी मिलने पर उनके घरवाले भी अस्पताल पहुंचे, जिसके बाद पूरा अस्पताल परिसर परिजनों की चीख पुकार से गूंजने लगा। वही घटना को लेकर पत्रकार में आक्रोश व्याप्त है।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि घटना की जानकारी मिली कि एक व्यक्ति को अपराधियों ने चाकु से हमला करके घायल कर दिया गया है। जिसके बाद वो लोग वहां पहुंचे और घायल शख्स को अस्पताल लाए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने यह भी बताया कि बाद में पता चला कि मृतक पत्रकार शिवशंकर झा हैं। घटना के बाद पुलिस आगे कि जांच में जुट गई है। पुलिस का यह भी कहना है कि घटनास्थल से पत्रकार का फोन भी गायब है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिनी ट्रक और स्कॉर्पियो के बीच टक्कर, दो की मौत

पटना (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें दो लोगो की मौत हो गई है। घटना सोनबरसा थाना क्षेत्र के दोस्तियां चौक के पास की है, जहां दो वाहनों की सीधी टक्कर हो गई। दोनो गाड़ियों के बीच में एक बाइक सवार दंपती भी चपेट में आ गए है, जिसमें पति की मौत हो गई है वहीं पत्नी की स्थिति बेहद नाजुक है।

इसके अलावा स्कॉर्पियो में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी है। मृतक की पहचान बेला निवासी स्कॉर्पियो मालिक नागेश्वर महतो के पुत्र विवेक कुमार व रामचद्र गोसाई के रूप में की गई है।

जख्मियों में कौशल्या देवी समेत दो अन्य शामिल है। इस हादसे में कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है, जहां तीनो की हालत गंभीर बतायी जा रही है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि सोनबरसा थाना क्षेत्र के दोस्तियां के पास राष्ट्रीय उच्च पथ पर दो गाड़ियों टाटा 407 और स्कॉर्पियो के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए है। दोनो गाड़ियों के बीच में एक बाइक सवार दंपती भी चपेट में आ गए है, जिसमें पति की मौत हो गई है वहीं पत्नी की स्थिति बेहद नाजुक है। स्कॉर्पियो में सवार एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी है, जबकि तीन लोग बुरी तरह घायल है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। वही, शव का पोस्टमार्टम करा रही है और जख्मियो से बयान लेने के लिए होश में आने का इंतजार कर रही है।

बिहार में अनियमितता मिलने के बाद 826 करोड़ रुपये के सरकारी अनुबंध रद्द

महागठबंधन सरकार ने दिए थे ठेके

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने जांच के दौरान अनियितताएं मिलने जाने के बाद 826 करोड़ रुपये के सरकारी अनुबंधों को रद्द कर दिया है। राजद की भागीदारी वाली पिछली महागठबंधन सरकार में ये 350 ठेके ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के लिए दिए गए थे।

राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि विभागीय जांच से पता चला कि राज्य में पिछली सरकार के दौरान ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े 350 ठेकों के आवंटन में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। ये ठेके हैंडपंप, मिनी जलापूर्ति व्यवस्था आदि की स्थापना से संबंधित थे। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद पीएचईडी मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई, जिसमें ठेकों को रद्द करने का फैसला किया गया।

नीरज कुमार ने बताया, विभाग ने इन ठेकों से जुड़ी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी को सौंप दी है, ताकि गहन जांच हो सके। इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान राजद नेता ललित यादव पीएचईडी मंत्री थे। नीरज सिंह ने बताया कि पिछली सरकार ने 17 महीनों में पीएचईडी विभाग के 4600 करोड़ रुपये के कुल 1160 ठेके दिए थे। बाकी अनुबंधों की भी जांच की जा रही है।

पटना के डीएम फिर बदले, बिहार में छह आईएएस अफसरों का तबादला

पटना (एजेंसियां)।

आईएएस अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह फिर से पटना के डीएम बनाये गए हैं। पटना के वर्तमान जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक के साथ-साथ छह आईएएस अफसरों का भी तबादला किया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी की है।

पटना के वर्तमान डीएम शीर्षत कपिल अशोक को बिहार राज्य पथ निर्माण निगम में एमडी के पद पर भेजा गया है। साथ ही वह विभाग में विशेष सचिव के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे। एनबीपीडीसीएल के एमडी आईएस आदित्य प्रकाश को स्वास्थ्य विभाग में अपर सचिव बनाया गया है। इसके अलावा आईएएस अधिकारी लक्ष्मण तिवारी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में ओएसडी के पद पर तैनात किया गया है। आईएस नीलेश रामचंद्र देवरे को नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में प्रबंध निदेशक बनाया गया है। वह ब्रेडा और बिहार राज्य संचरण कंपनी के एमडी की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। आईएस हिमांशू शर्मा को जीविका का मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बनाया गया है।

डॉ चंद्रशेखर सिंह जनवरी 2021 में पटना के डीएम बनाये गये थे। फिर 26 जनवरी को उनका ट्रांसफर कर उन्हें मुख्यमंत्री सचिवालय में विशेष सचिव बनाया गया था और शीर्षत कपिल अशोक को पटना का डीएम बनाया गया था। अब फिर वह वापस पटना के डीएम बनाये गये हैं। डॉ चंद्रशेखर ने 'अमर उजाला' को बताया कि वह बुधवार को ज्वाइन करेंगे। डॉ चंद्रशेखर सिंह 2021 में पटना के डीएम बनने से पहले मुजफ्फरपुर के डीएम थे।

तलाब में नहाने के वक्त डूबने से दो बच्चों की मौत, परिजनों में कोहराम

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले में एक तालाब में नहाने के दौरान दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना विजयीपुर थाना क्षेत्र के मझवलिया पंचायत के रामनगर गांव के पश्चिम इलाके की है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं, मौत की सूचना मिलने पर दोनों बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जानकारी के मुताबिक, रामनगर गांव के चार बच्चे गांव के पश्चिम स्थित एक तालाब में चार बजे के करीब नहाने गए थे। जहां नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चले गए। जहां मोहम्द अली की नौ वर्षीय बच्ची शबनम खातून पानी में डूबने लगी, जिसे बचाने के लिए इसी गांव का इम्तियाज अंसारी गया।

वह भी ज्यादा पानी के कारण डूबने लगा। इन दोनों को डूबता देख अन्य दो बच्ची मुन्नी खातून और अपने मामा के घर आई जोया खातून शोर मचाने लगे। यह देख गांव के ही वीरेंद्र प्रजापति और मुरली मनोहर दो युवक दौड़कर गए। फिर दो बच्चों को पानी से बाहर निकाल लिया। लेकिन अत्यधिक पानी में दो बच्चों के डूबने से उनका अता-पता नहीं चल पाया।

उसके बाद काफी खोजबीन के बाद पानी में डूबे इद्रीश अंसारी के नौ वर्षीय बेटे इम्तियाज अंसारी और मो. अली की नौ वर्षीय बेटी शबनम खातून की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही विजयीपुर पुलिस मौके पर पहुंच दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज भेज दिया।

मृतक इम्तियाज अंसारी दो भाइयों में छोटा था। बेटे की मौत की खबर मिलते ही मां जोहरा खातून बार-बार बेहोश हो जा रही है। जबकि शबनम खातून तीन बहनों में सबसे छोटी थी। वही दो को स्थानीय लोगों ने निजी क्लिनिक में भर्ती कराया, जहां दोनों का इलाज चल रहा है।

लड़की बारिश में बना रही थी रील्स, तभी गिरी बिजली, बाल-बाल बची जिंदगी

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी के सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में बरसात का लुफ्त उठाते हुए एक लड़की रील्स बनाती दिख रही है। तभी अचानक आसमान से बिजली (ठनका) गिरती है।

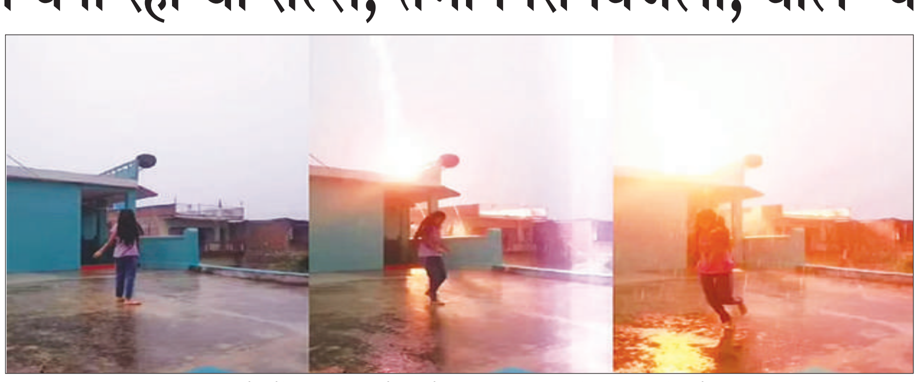

बुधवार यानी आज से सीतामढ़ी में मानसून का प्रवेश हो गया है। भीषण गर्मी के बीच बारिश से लोग अपने आप को हलकान महसूस कर रहे है। इस दौरान रील्स बनाकर लोगों की नजरों में छाए रहने के लिए युवा और युवती खूब रील्स बना रहे हैं।

दरअसल, सीतामढ़ी जिले में काफी दिनों बाद मंगलवार के रात्रि में बारिश हुई और बुधवार को अहले सुबह से बारिश हो रही है। इस बारिश में भी युवा और युवती रील्स बनाने में जुटे हुए हैं। इसी दौरान सीतामढ़ी जिले के बेला थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव निवासी मुखिया राघवेन्द्र भगत उर्फ कमाल भगत की बेटी सानिया कुमारी अपने पड़ोसी देवनारायण भगत के छत पर बारिश में चहलकदमी कर रही थी। वह झूम-झूमकर बारिश का आनंद ले रही थी। वहीं, उसकी सहेली उसका विडियो बना रही थी। तभी अचानक वहां वज्रपात हुआ। हालांकि गनीमत रही कि सानिया जहां रील्स बना रही थी, वहां से थोडा हटकर ठनका गिरा। सभी लोग यही कह रहे हैं कि भगवान ने उसे बचा लिया।

इस घटना के बाद से अब सानिया शायद की वह बरसात में रील बनाने की सोचेगी भी। बतादे की बारिश होने से खेतों में पानी लगना शुरू हो गया है। जिससे किसानों में थोड़ी खुशी देखी जा रही है। किसानो का कहना है कि बारिश इसी तरह होती रहे तो खेत में बिचड़ा गिरा सकेंगे या जिनका बिचड़ा तैयार हो चुका है, वह धान की रोपनी कर सकेंगे। किसान चाहते हैं कि इस बारिश का लाभ उठाकर अधिक से अधिक रोपनी किया जा सके। इधर, युवा इस बारिश का आनंद अलग अंदाज में उठा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com